@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/ qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
शुक्रवार, 26 जनवरी 2024

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 17 अंक 57 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर राष्ट्रपति मुर्मू का संबोधन

सिम्मी कौर बब्बर

नई दिल्ली, 25 जनवरी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने 75वें गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर गुरुवार को राष्ट्र को संबोधित किया। अपने संबोधन में राष्ट्रपति ने कहा, मेरे प्यारे देशवासियों, नमस्कार! 75वें गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर मैं आप सभी को हार्दिक शुभकामनाएं देती हूं। जब मैं पीछे मुड़कर यह देखती हूं कि विपरीत परिस्थितियों के बावजूद हमने कितनी लंबी यात्रा की है, तब मेरा हृदय गर्व से भर जाता है। हमारे गणतंत्र का 75वां वर्ष, कई अर्थों में, देश की यात्रा में एक ऐतिहासिक पड़ाव है। उन्होंने कहा कि यह उत्सव मनाने का विशेष अवसर है, जैसे हमने स्वाधीनता के 75 वर्ष पूरे होने पर आजादी का अमृत महोत्सव के दौरान अपने देश की अतुलनीय महानता और विविधतापूर्ण संस्कृति का उत्सव मनाया था। जब संसद ने ऐतिहासिक महिला आरक्षण विधेयक पारित किया तो हमारा देश, स्त्री-पुरुष समानता के आदर्श की ओर आगे बढ़ा। मेरा मानना है कि नारी शक्ति वंदन अधिनियम, महिला सशक्तीकरण का एक क्रांतिकारी माध्यम सिद्ध होगा। इससे हमारे शासन की प्रक्रियाओं को बेहतर बनाने में भी बहुत सहायता मिलेगी। जब सामूहिक महत्व के मुद्दों पर महिलाओं की भागीदारी बढ़ेगी, तब हमारी प्रशासनिक प्राथमिकताओं का जनता की आवश्यकताओं के साथ बेहतर सामंजस्य बनेगा। उन्होंने कहा कि हमारा देश स्वतंत्रता की शताब्दी की ओर बढ़ते हुए अमृतकाल के प्रारंभिक दौर से गुजर रहा है। यह एक युगांतकारी परिवर्तन का कालखंड है। हमें अपने देश को नई ऊंचाइयों तक ले जाने का सुनहरा अवसर मिला है। हमारे लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए प्रत्येक नागरिक का योगदान, महत्वपूर्ण होगा। इसके लिए मैं सभी देशवासियों से संविधान में निहित हमारे मूल कर्तव्यों का पालन करने का अनुरोध करूंगी। ये कर्तव्य, आजादी के 100 वर्ष पूरे होने तक भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने की दिशा में, प्रत्येक नागरिक के आवश्यक दायित्व हैं। इस संदर्भ में मुझे महात्मा गांधी का स्मरण होता है। बापू ने ठीक ही कहा था, जिसने केवल अधिकारों को चाहा है, ऐसी कोई भी प्रजा उन्नति नहीं कर सकी है। केवल वही प्रजा उन्नति कर सकी है जिसने कर्तव्य का धार्मिक रूप से पालन किया है। उन्होंने कहा कि एक लंबे और कठिन संघर्ष के बाद 15 अगस्त, 1947 को हमारा देश विदेशी शासन से मुक्त हो गया। लेकिन, उस समय भी देश में सुशासन तथा देशवासियों में निहित क्षमताओं और प्रतिभाओं को उन्मुक्त विस्तार देने के लिए, उपयुक्त मूलभूत सिद्धांतों और प्रक्रियाओं को स्वरूप प्रदान करने का कार्य चल ही रहा था। संविधान सभा ने सुशासन के सभी पहलुओं पर लगभग तीन वर्ष तक विस्तृत चर्चा की और हमारे राष्ट्र के महान आधारभूत ग्रंथ, यानी भारत के संविधान की रचना की। आज के दिन हम सब देशवासी उन दूरदर्शी जन-नायकों और अधिकारियों का कृतज्ञता-पूर्वक स्मरण करते हैं जिन्होंने हमारे भव्य और प्रेरक संविधान के निर्माण में अमूल्य योगदान दिया था। उन्होंने कहा, कल के दिन हम संविधान के प्रारंभ का उत्सव मनाएंगे। संविधान की प्रस्तावना हम, भारत के लोग, इन शब्दों से शुरू होती है। ये शब्द, हमारे संविधान के मूल भाव अर्थात् लोकतंत्र को रेखांकित करते हैं। भारत की लोकतांत्रिक व्यवस्था, लोकतंत्र की पश्चिमी अवधारणा से कहीं अधिक प्राचीन है। इसीलिए भारत को लोकतंत्र की जननी कहा जाता है। मुर्मू ने कहा, मेरे प्यारे देशवासियो,

गणतंत्र दिवस हमारे आधारभूत मूल्यों और सिद्धांतों को स्मरण करने का एक महत्वपूर्ण अवसर है। जब हम उनमें से किसी एक बुनियादी सिद्धान्त पर चिंतन करते हैं, तो स्वाभाविक रूप से अन्य सभी सिद्धांतों पर भी हमारा ध्यान जाता है। संस्कृति, मान्यताओं और परम्पराओं की विविधता, हमारे लोकतंत्र का अंतर्निहित आयाम है। हमारी विविधता का यह उत्सव, समता पर आधारित है, जिसे न्याय द्वारा संरक्षित किया जाता है। यह सब स्वतंत्रता के वातावरण में ही संभव हो पाता है। इन मूल्यों और सिद्धांतों की समग्रता ही हमारी भारतीयता का आधार है। डॉक्टर बीआर आंबेडकर के प्रबुद्ध मार्गदर्शन में प्रवाहित, इन मूलभूत जीवन-मूल्यों और सिद्धांतों में रची-बसी संविधान की भावधारा ने, सभी प्रकार के भेदभाव को समाप्त करने के लिए सामाजिक न्याय के मार्ग पर हमें अडिग बनाए रखा है। राष्ट्रपति ने कहा, हमारे गणतंत्र की मूल भावना से एकजुट होकर 140 करोड़ से अधिक भारतवासी एक कुटुंब के रूप में रहते हैं।

समस्त देशवासियों एवं प्रिय पाठकों को कौमी पत्रिका समूह की ओर से 75वें गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएं।
सम्पादक : गुरचरन सिंह बब्बर

नियमों के तहत सरकार चर्चा करने के लिए तैयार

नई दिल्ली, 25 जनवरी। बजट सत्र से पहले केंद्रीय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने गुरुवार को कहा कि सरकार नियमों के मुताबिक सभी मुद्दों पर चर्चा के लिए तैयार है। गौरतलब है कि संसद का बजट सत्र वर्तमान लोकसभा का आखिरी सत्र होगा। यह सत्र 31 जनवरी से 9 फरवरी तक चलेगा।

कांग्रेस अध्यक्ष खरगे ने ममता से की बात: जयराम रमेश

नई दिल्ली, 25 जनवरी। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने गुरुवार को पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री और तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी से बात की। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जयराम रमेश ने यह जानकारी देते हुए कहा कि दोनों दल आगे का रास्ता खोज लेंगे। रमेश की टिप्पणी लोकसभा चुनाव के लिए बंगाल में सीटों के बंटवारे को लेकर कांग्रेस-टीएमसी के गतिरोध के बीच आई है। बनर्जी ने एक दिन पहले घोषणा की थी कि उनकी पार्टी राज्य में अकेले चुनाव लड़ेगी। उनके इस बयान को 'इंडिया' गठबंधन और कांग्रेस के लिए बड़े झटके के तौर पर

देखा जा रहा है। रमेश ने बागडोगरा हवाई अड्डे पर संवाददाताओं से कहा कि कांग्रेस ममता बनर्जी के बिना 'इंडिया' गठबंधन के बारे में सोच भी नहीं सकती, क्योंकि वह देश में भाजपा के खिलाफ लड़ाई में अपरिहार्य हैं।

अयोध्या की तरह काशी के ज्ञानवापी में भी मिला मंदिर का ढांचा

वाराणसी, 25 जनवरी। श्री काशी विश्वनाथ मंदिर से सटे ज्ञानवापी परिसर की भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) की सर्वे रिपोर्ट गुरुवार की देर शाम को जिला जज डॉ अजय कृष्ण विश्वेश की अदालत ने सार्वजनिक कर दी है। रिपोर्ट के मुताबिक, ज्ञानवापी में मंदिर का स्ट्रक्चर मिला है। इस पर हिंदू पक्ष ने खुशी जताई है। उनका कहना है कि बाबा मिल गए हैं। सर्वे रिपोर्ट से सब कुछ साफ हो गया। मंदिर तोड़कर

मस्जिद बनाई गई, यह भी पता चल गया। अब हिंदुओं को पूजा-पाठ की अनुमति मिलनी चाहिए। दूसरी तरफ से मुस्लिम पक्ष ने कानूनी लड़ाई को आगे बढ़ाने का एलान किया है। एएसआई की सर्वे रिपोर्ट में ज्ञानवापी परिसर में जनार्दन, रुद्र और विश्वेश्वर के शिलालेख मिले हैं। रिपोर्ट में महामुक्ति मंडप लिखा है। एएसआई का कहना है कि यह मजबूत संकेत है। एएसआई ने सर्वे के दौरान एक पत्थर पाया जो टूटा हुआ था। ऐसे में जदूनाथ सरकार की फाइंडिंग को सही पाया। 1669 में 2 सितंबर को मंदिर ढहाया गया था। जो पिलर थे पहले के मंदिर के उनका इस्तेमाल मस्जिद के लिए किया गया। जो तहखाना स2 है, उसमें हिंदू देवी देवताओं की मूर्तियां थी।

सत्यमेव जयते
भारत सरकार

सभी देशवासियों को
75वें
गणतंत्र दिवस
की हार्दिक शुभकामनाएँ

"आज का समय भारत के विकास का अमृतकाल है। आज भारत युवा शक्ति की पूंजी से भरा हुआ है, ऊर्जा से भरा हुआ है। आज हम समय के एक ऐसे मोड़ पर हैं, जहां हमारा हर प्रयास, अगले एक हजार साल के भारत की नींव को मजबूत करेगा।"

- नरेन्द्र मोदी

CBC 22201/13/0231/2324

कर्तव्य पथ से गणतंत्र दिवस समारोह के विशेष कार्यक्रम का सीधा प्रसारण सुबह 9:00 बजे से दूरदर्शन नेटवर्क पर

रुस में बच्चे टैंक-ग्रेनेड लॉन्चर से खेलते आएंगे नजर

मास्को . आमतौर पर किसी भी मुल्क में पार्क मनोरंजन की जगह होती है। जहां बच्चे एंज्वॉय कर सकें। लेकिन रूस ने एक अनोखा थीम पार्क बनाया है, जहां बच्चे टैंक-ग्रेनेड लॉन्चर और हथियारों से खेलते नजर आते हैं। देखकर आपको लगेगा कि वे युद्ध की ट्रेनिंग ले रहे हों।

एक रिपोर्ट के मुताबिक, इसे पैट्रियट पार्क नाम दिया गया है। लेकिन यहां जिस तरह बच्चे हथियारों से खेलते नजर आते हैं, उसे देखकर लोग इसे रूस का मिलिट्री डिज्नीलैंड भी कहते हैं। यहां बच्चे रोलरकोस्टर की सवारी के बजाय लड़ाकू विमानों और भारी हथियारों पर चढ़ सकते हैं। पैट्रियट पार्क 4,000 हेक्टेयर में फैला हुआ है, जिसमें अधिकांश जगहों पर सैन्य वाहन, इंटर बैलिस्टिक मिसाइलें रखी हुई हैं। यहां 268 से अधिक सोवियत युग के विमान हैं, जिनमें कई हेलीकॉप्टर भी शामिल हैं। कई देशों के लगभग 350 टैंक और बख्तरबंद वाहन रखे हुए हैं।

कोई भी यहां जाकर युद्ध के रोमांच का अनुभव कर सकता है। इस पार्क को द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान सोवियत सेना की जीत का जश्न मनाने के लिए 2015 में खोला गया था। तब पुतिन ने कहा था कि ये युवाओं में राष्ट्रभक्ति की भावना भरने के लिए है। सप्ताह में 6 दिन ये सुबह 10 बजे से शाम 4 बजे तक खुला रहता है और एक बार यहां जाने के लिए 400 रूबल से 700 रूबल तक चुकाना होता है। आठ से 13 साल के आबच्चों के लिए यह निःशुल्क है। यहां आपको कुछ सैन्य ट्रेनिंग भी दी जाती है, इसके लिए ट्रेनर मौजूद रहते हैं। शूटिंग रेंज है, जहां जाकर आप निशाना भी लगा सकते हैं। भूख लगे तो सेना की कैंटीन से आप खाना भी ले सकते हैं।

कुछ उपहार भी खरीद सकते हैं। जिसमें सेना की टीशर्ट, राष्ट्रपति पुतिन की तस्वीरों वाले आईफोन कवर, सेना का ब्रांडेड पानी। बता दें कि रूस अमेरिका के बाद हथियारों का सबसे बड़ा सौदागर है। उसके बनाए टैंक-ग्रेनेड लॉन्चर, लड़ाकू विमान भारत समेत दुनिया के कई मुल्क इस्तेमाल करते हैं। कहते हैं कि वहां लोगों को हमेशा युद्ध के लिए तैयार रहने को कहा जाता है। स्कूली बच्चों तक को इसके लिए ट्रेनिंग दी जाती है कि सेल्फ डिफेंस कैसे करें।

अनजान रोग से आलू को होगा समूल नष्ट! वैज्ञानिकों हुए चिंतित

वाशिंगटन. चिप्स से लेकर सब्जी तक में उपयोग होने वाले आलू का अस्तित्व खतरे में है। वजह ये है कि एक नया रोग आया है जो आलू की फसल चौपट कर रहा है। वैज्ञानिकों को फिलहाल उसका कोई समाधान नहीं मिला है। उन्होंने चिंता जाहिर करते हुए कहा है कि यदि इसी गति से आलू का ये रोग फैलता रहा तो पूरी दुनिया से आलू गायब हो जाएगा। एक नई रिसर्च में पाया गया है कि नए अनजाने बैक्टीरिया आलू की फसलों को बर्बाद कर रहे हैं। ऐसा अमेरिका हो रहा है। यूरोप पर पहले से संकट है। साइंटिस्ट को चिंता है कि अगर यह समस्या बढ़ी तो चिप्स कि किल्लत हो सकती है। इन रोगों का असर दुनिया के कोने कोने में हो सकता है, जो कि बहुत बड़ी चिंता की बात है।

अमेरिका के पेन स्टेट के शोधकर्ताओं ने एक बैक्टीरिया रोगाणु के नए स्ट्रेन खोजे हैं जो आलू की फसल को खासा नुकसान पहुंचा सकते हैं। अमेरिका में आलू का उत्पादन प्रभावित होने से दुनिया भर में चिप्स के उत्पादन पर फर्क पड़ सकता है। अमेरिका में भी पेनसिलवेनिया राज्य में चिप्स का उत्पादन होता है जहां ये बैक्टीरिया आलू की फसल पर खासा असर डाल सकता है। वैज्ञानिकों ने पाया कि ये बैक्टीरिया और उनके वेरिएंट आलू की फल में बैकलेग और सॉफ रॉट जैसे रोग फैला देते हैं. इससे खराब आलू पैदा होते हैं। उनके अध्ययन में 26 अलग अलग खेतों से लिए गए नमूनों में आलू खराब देखे गए हैं। स्टडी में वैज्ञानिकों ने 456 नए बैक्टीरिया के नमूनों की पहचान की है।

इनमें से कई बैक्टीरिया आलू की फसल के लिए बहुत खतरनाक हैं। रिसर्च में डिकेया जैसा स्ट्रेन और पेक्टोबैक्टीरियम की छह प्रजातियां भी शामिल है। इनमें से एक पेक्टोबैक्टीरियम अमेरिका पहले नहीं दिखा था। वैज्ञानिकों ने पाया है कि संक्रमण का दायरा अमेरिका के बाहर तक फैला हुआ हो सकता है। अमेरिका में आलू के उत्पादन में बदलाव या भारी कमी दुनिया पर बड़ा असर डाल सकती है।

क्योंकि आलू केवल स्थानीय उपयोग की सब्जी नहीं है। इससे चिप्स उद्योग प्रभावित होगा। वहीं ये बैक्टीरिया यूरोप को भी प्रभावित कर रहे हैं, इससे इनकार नहीं किय जा सकता। यह स्टडी सिस्टेमैटिक एंड एप्लाइड माइक्रोबायोलॉजी में प्रकाशित हुई है। साफ नए और अनजाने बैक्टीरिया की पहाचान उन्हें रोकने के उपाय निकालने में मददगार होगी।

गाजा के नागरिकों के लिए मिले दान से दवा और भोजन की व्यवस्था होना थी, वो हमास ने खुद पर खर्च किए

गाजा. इजरायली अधिकारियों ने दावा किया कि हमास को ये पैसे ऑनलाइन मिल रहे हैं। पैसे गाजा में नागरिकों की मदद करने के लिए दान देने वाले संगठनों के जरिए आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमास को हर महीने 80 लाख डॉलर से लेकर 1.2 करोड़ डॉलर (करीब एक अरब रुपये) मिल रहे हैं। अधिकारी का कहना है कि 7 अक्टूबर 2023 को इजरायल पर हमले से पहले हमास को जो ऑनलाइन फंडिंग मिल रही थी उसकी तुलना में कई गुना वृद्धि हुई है।

इजरायली वित्तीय-खुफिया अधिकारियों ने ब्लूमबर्ग को बताया कि हमास को ऑनलाइन-डोनेशन चलाने वाली साइटों से जमकर पैसा मिलता है। अधिकारी ने दावा किया कि अमेरिका को भी इसकी जानकारी है। गौरतलब है कि पिछले साल 7 अक्टूबर को इजरायल में हमास के हमले में 1,200 से अधिक लोग मारे गए थे और लगभग 250 अन्य

लोगों का अपहरण कर लिया गया। इसके बाद नवंबर में एक सप्ताह के लिए संघर्ष विराम हुआ था जिसमें इजराइल द्वारा कैद किए गए 240 फलस्तीनियों की रिहाई के बदले में 100 से अधिक लोगों को रिहा किया गया था।

इजरायली अधिकारियों का कहना है कि युद्ध से पहले, ये दान धर्मार्थ संस्थाओं (चैरिटीज) को दिया जाता था। इसके बाद ये पैसा मदद करने वाले संगठनों सहित विभिन्न तरीकों से हमास तक पहुंचता था। हमास गाजा के स्थानीय व्यापारियों से भी पैसे मंगाता था। हालांकि, यह तय कर पाना बेहद मुश्किल है कि ये पैसा लीगल है या इससे केवल हमास की मदद हो रही है। रिपोर्ट के मुताबिक, इजरायली और अमेरिकी अधिकारियों ने कहा कि हमास अन्य देशों में मौजूद संगठनों के जरिए भी पैसे जुटा रहा है। हैरान करने वाली बात है कि ये संगठन खुलेतौर पर हमास से नहीं जुड़े हैं। बता दें कि डोनेशन में वृद्धि के पीछे हमास की भावुक अपील ने भी बड़ा काम किया है। हमास के अधिकारियों ने सार्वजनिक रूप से इजरायल के खिलाफ अपनी लड़ाई के लिए कैश की मांग की थी। हमास नेता इस्माइल हनीयेह ने कहा था, ÷यह सिर्फ एक मानवीय मुद्दा नहीं है। इसका बहुत बड़ा महत्व है। यह एक वित्तीय जिहाद है।

हालांकि इंटरनेशनल प्रेशर के बावजूद इजरायल रुकने का नाम नहीं ले रहा है। इजरायल का मकसद हमास को पूरी तरह खत्म करना है। अब इस यहूदी देश की नजरें हमास को मिलने वाले चंदे पर है। लेकिन हमास की फंडिंग पर नजर रखना बेहद मुश्किल है। क्योंकि यह अनुभवी संगठन वर्षों से तमाम तरह के प्रतिबंधों को चकमा देता आ रहा है। वाशिंगटन इंस्टीट्यूट फॉर नियर ईस्ट पॉलिसी के फेलो मैथ्यू लेविट ने बताया, इसमें कोई संदेह नहीं है कि गाजा युद्ध के मद्देनजर फिलिस्तीनियों को वैध और नाजायज दोनों तरह का दान मिल रहा है और इसमें तेजी से वृद्धि हुई है।उन्होंने कहा कि दान देने में लोगों की दिलचस्पी हमास के लिए फायदे का काम कर रही है। मैथ्यू ने बताया, मैंने कई ऐसी चैरिटीज को सामने आते देखा है जिन पर अमेरिका ने पहले प्रतिबंध लगाया था, लेकिन अब वे कुछ नए नामों के जरिए हमास को डोनेशन दे रहे हैं।

लेकिन बहुत सारे नए संगठन भी सामने आए हैं जो हमास को खुलकर डोनेशन दे रहे हैं।हमास द्वारा संचालित क्षेत्र के स्वास्थ्य अधिकारियों के अनुसार, इजरायल ने जवाबी कार्रवाई कर हजारों लोगों को मार डाला।

उन्होंने कहा कि इजरायली हमले ने बड़े स्तर पर विनाश किया है और अनुमानित तौर पर गाजा की 85 प्रतिशत आबादी विस्थापित हो गई है, जबकि 25,000 से अधिक फलस्तीनियों की मौत हो गई है।

बर्फबारी नहीं हो रही, इसलिए मूड खराब है, छुट्टी चाहिए

बीजिंग . समझदार और अच्छे बॉस हों तो कर्मचारी को छुट्टी के लिए स्ट्रगल नहीं करनी पड़ती है। ये बात इसलिए कह रहे हैं क्योंकि एक महिला को अपनी कंपनी की ओर से छुट्टी इसलिए मिल गई क्योंकि उसका मूड ठीक नहीं था।

महिला ने अपने बॉस को बाकायदा एप्लिकेशन लिखकर इस बात के लिए छुट्टी मांगी कि उसका मन अच्छा नहीं है क्योंकि होम टाउन में ठीक तरह से बर्फबारी ही नहीं हो रही है। चीन के ज़ेजियांग प्रांत के हांगज़ाऊ की रहने वाली एक महिला ने बाकायदा ऑनलाइन वीडियो पोस्ट करके बताया कि वो एक अजीबोगरीब छुट्टी पर है। उसने ऑफिस से लिए मूड लीव का एप्लिकेशन भरते हुए दिखाया कि वो इसलिए छुट्टी ले रही है क्योंकि हांगज़ाउ में बर्फबारी नहीं हो रही और उसे रोना आ रहा है। उसके बॉस ने ये साफ कह रखा है कि

अगर कर्मचारी खुश नहीं है तो वो हमेशा इस तरह की 'मूड लीव' ले सकता है। इससे उसके वेतन या बोनस पर कोई फर्क नहीं पड़ेगा।इतना ही नहीं कंपनी की ओर से कर्मचारियों को वीमेंस डे और चिल्ड्रेंस डे की भी छुट्टी मिलती है।

फर्म के सीईओ का साफ कहना है कि कर्मचारियों को पूरा अधिकार है कि वो अपने बॉस को नहीं बोल सकते हैं। अगर कर्मचारी खुश नहीं हैं तो वे मूड लीव ले सकते हैं। सोशल मीडिया पर लोगों ने बॉस की जमकर तारीफ की है और कहा है कि उन्हें पता है कि खराब मूड में इंसान गलतियां करेगा, ऐसे में उसे थोड़ा एंजॉय करने दें। ऐसे बॉस की हर तरफ प्रशंसा हो रही है। लोग कह रहे हैं, भई बॉस हो तो ऐसा।

रूस ने जब सोने की खदानें अमेरिका को दे दीं कौड़ियों के मोल...

मास्को. एक समय था जब रूस ने अपनी सोने की खदानें अमेरिका को कौड़ियों के मोल दे दी थी, लेकिन अब पुतिन का मन बदल रहा है और गोल्ड माइन्स से भरा अलास्का वापस मांगा जा रहा है। बता दें कि अमेरिका और रूस की दुश्मनी को लेकर अक्सर कयास लगते रहते हैं कि शायद तीसरा विश्व युद्ध इन्हीं के चलते हो। दोनों में ऐसी जंग है कि वे अलग-अलग देशों को अपने पाले में लेकर टीम बड़ी करने की कोशिश करते रहते हैं। वहीं एक समय वो था जब रूस ने अमेरिका को अपना राज्य बेच दिया। अब गोल्ड माइन्स से भरा हुआ अलास्का अमेरिका के पास है। अब लेकिन पुतिन ने यूएस से अपना अलास्का वापस मांग लिया। पहाड़ों, घने जंगलों और बर्फीले इलाकों वाले अलास्का में सोने के भंडार भरे पड़े हैं।

दरअसल यूएस स्टेट डिपार्टमेंट के ऑफिस ऑफ द हिस्टोरिन में भी इस खरीदी-बिक्री की बात है। इसके मुताबिक साढ़े तीन सौ साल पहले रूस में पीटर द ग्रेट का शासन था। उन्होंने देश का विस्तार का जिम्मा लिया और अपने एक आदमी वाइटस बेरिंग को इसके लिए नियुक्त कर दिया। बेरिंग नौसेना के साथ घूमते हुए अमेरिका के उत्तरी हिस्से की ओर पहुंचे। ये अलास्का था। तब सोने और पेट्रोलियम का तो पता नहीं चला, लेकिन जंगली इलाके में बेरिंग और साथियों ने खूब शिकार किया और जानवरों की खाल लेकर देश लौटे। ठंडे देश में इससे खूब कमाई हुई। अलास्का में तब एस्किमो नाम की जनजाति रहती थी। ये रूस से लड़ाई में वे मारे गए। बाकी आबादी भी बाहरी लोगों के संपर्क से आई बीमारियों में लगभग खत्म हो गई। रूस अलास्का पर खुलकर शासन करने लगा। इसी बीच 19वीं सदी में क्रीमिया की लड़ाई छिड़ी। रूस और फ्रांस के बीच छिड़ी लड़ाई में ब्रिटेन और ऑटोमन साम्राज्य ने भी रूस का विरोध किया। चारों ओर से हुए वार में रूस पस्त पड़ गया। इस बीच अलास्का पर खर्च करना भारी लगने लगा। ये मेनलैंड से काफी दूर था। तत्कालीन रूसी सम्राट अलेक्जेंडर ने तय किया कि वो इस खर्चीले हिस्से को किसी देश को बेच देगा और उन पैसों से अपनी इकनॉमी सुधारेगा। अब अमेरिका ने विदेश नीति के तहत अलास्का को वो खरीद का तय किया।

जब विमान डांवाडोल हो तो आपके शरीर के साथ क्या होता है- असुविधा को कैसे करें कम?

इंटरनेशनल डेस्क. इस सप्ताह पूरे ब्रिटेन में मौसम की एक और मार देखी गई है, जिसमें कई उड़ानें विलंबित या रद्द कर दी गई हैं। कुछ उड़ानें रवाना तो हुई, लेकिन जहां जाना था वहां नहीं पहुंची और उन्हें अपने गंतव्य की बजाय कहीं और जाना पड़ा - जैसे कि स्टैनस्टेड से न्यूक्के तक जाने वाले यात्री जो अंततः मलागा की ओर चले गए। यात्रियों ने इस दौरान एक बात का जिक्र किया।

उनका कहना था कि मौसम की खराबी के कारण उड़ान के कुछ हिस्से में और लैंडिंग का प्रयास उनके लिए सबसे अधिक परेशान करने वाले अनुभव थे। असमान वायु संचलन के कारण विमान में हलचल महसूस होती है, जिसकी आवृत्ति बढ़ती जा रही है। यदि आप घर पर अपने हेयर ड्रायर को चालू करते हैं और उसे स्थिर रखते हैं, तो हवा एक स्थिर दर से चलती है, लेकिन एक बार जब आप अपने बालों को सुखाना शुरू करते हैं और हेअर ड्रायर को इधर-उधर घुमाते हैं, तो हवा की गति असमान हो जाती है, यानी अशांत हो जाती है।

यद्यपि अशांति परेशान करने वाली हो सकती है और आपको अस्वस्थ महसूस करा सकती है, यह पहचानना महत्वपूर्ण है कि यह बहुत आम है और आमतौर पर चिंता की कोई बात नहीं है बशर्ते आप अपनी सीट पर सीटबेल्ट बांध कर बैठे हैं। शरीर किस प्रकार अशांति का पता लगाता है और उस पर प्रतिक्रिया करता है शरीर किसी भी वातावरण में स्वयं को पहचानता है। दूरी और दिशा के संदर्भ में वस्तुओं के साथ इसके संबंध को स्थानिक अभिविन्यास कहा जाता है।

उड़ते समय, यह आम तौर पर आगे की ओर बढ़ता है, चढ़ता है, कुछ मोड़ लेता है और उतरता है। हालाँकि, अशांति इस क्रम को बाधित करती है और मस्तिष्क द्वारा प्राप्त की जा रही संवेदी जानकारी को भ्रमित करती है - यह शरीर को प्रतिक्रिया देने के लिए प्रेरित करती है। इस सब में हमारे आंतरिक कान महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

इसमें जटिल उपकरण शामिल हैं जो सुनने से अधिक कार्य करते हैं। इनमें कोक्लीअ, तीन अर्धवृत्ताकार नलिकाएं, यूट्रिकल और सैक्यूल शामिल हैं। कोक्लीअ सुनने के लिए जिम्मेदार है।

यह ध्वनि ऊर्जा को विद्युत ऊर्जा में परिवर्तित करता है जिसे मस्तिष्क द्वारा सुन लिया जाता है। शेष संरचनाएं सिर और शरीर के संतुलन और स्थिति के लिए जिम्मेदार हैं।

पाकिस्तान में चुनाव से पहले क्कक नेता की गोली मारकर हत्या

इस्लामाबाद. पाकिस्तान में चुनाव से पहले 24 जनवरी बुधवार को सिंध में स्थित जमशोरो जिले में अज्ञात हमलावरों ने बिलावल भुट्टो की पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी के स्थानीय नेता की गोली मारकर हत्या कर दी। पाकिस्तान में 8 फरवरी को आम चुनाव होने वाले हैं और चुनावी गतिविधियां जोरों पर हैं।

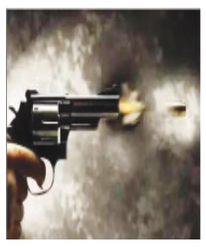

अब्बास खोसो के रूप में पहचाने जाने वाले स्थानीय नेता जब वह दुकान पर थे तो दो हथियारबंद मोटरसाइकिल सवारों ने उन पर गोलियां चलाईं और फरार हो गए । नेता को अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां उन्होंने दम तोड़ दिया। घटना के तुरंत बाद पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और जांच के लिए इलाके की घेराबंदी कर दी। एआरवाई न्यूज के मुताबिक पुलिस ने कहा कि मामले की जांच शुरू कर दी गई है। सिंध में फेल कानून-व्यवस्था की ये पहली घटना नहीं है। पुलिस के मुताबिक, इस महीने की शुरुआत में अज्ञात हमलावरों ने खैबर-पख्तूनख्वा के स्वाबी में एक स्थानीय पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ नेता की गोली मारकर हत्या कर दी थी।

चीन CPEC परियोजना को आगे बढ़ाने के लिए पाकिस्तान के साथ मिलकर काम करने को तैयार

चीन ने कहा है कि वह अरबों डॉलर की लागत वाली चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारा (CPEC) परियोजना को आगे बढ़ाने के लिए पाकिस्तान के साथ...

बीजिंग. चीन ने कहा है कि वह अरबों डॉलर की लागत वाली चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारा परियोजना को आगे बढ़ाने के लिए पाकिस्तान के साथ मिलकर काम करने को तैयार है। एक खबर के अनुसार, चीन का कहना है कि वह को आगे बढ़ाने और भविष्य में दोनों देशों के बीच परस्पर राजनीतिक विश्वास को और गहरा करने के लिए पाकिस्तान के साथ मिलकर काम करने को तैयार है। कार्यवाहक प्रधानमंत्री अनवारुल हक काकड़ ने इस्लामाबाद में कहा कि के पहले चरण को हासिल करने के बाद, पाकिस्तान अपनी प्रारंभिक परियोजनाओं से लाभान्वित हो रहा है और अगले चरण को लागू करने के लिए चीन के संपर्क में है।

चीन के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता वांग वेनबिन ने बुधवार को प्रेस वार्ता के दौरान एक सवाल का जवाब देते हुए कहा, ÷चीन दोनों देशों के नेताओं के बीच महत्वपूर्ण आम समझ बनाने, राजनीतिक आपसी विश्वास को गहरा करने और व्यावहारिक सहयोग का विस्तार करने के वास्ते पाकिस्तान के साथ मिलकर काम करने के लिए तैयार है। सीपीईसी का उद्देश्य पाकिस्तान के बलूचिस्तान स्थित ग्वादर बंदरगाह को चीन के झिंजियांग प्रांत से जोड़ना है।

भारत इस परियोजना पर आपत्ति जताता रहा है क्योंकि यह पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर से होकर गुजरती है। चीन के उप विदेश मंत्री सुन वेइदोंग की हाल में हुई पाकिस्तान यात्रा के बारे में वांग ने कहा कि उन्होंने राष्ट्रपति आरिफ अल्वी, प्रधानमंत्री काकड़, 'ज्वाइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ कमेटी के अध्यक्ष जनरल साहिर शमशाद मिर्जा, सेना अध्यक्ष जनरल सैयद असीम मुनीर और विदेश मंत्री जलील अब्बास जिलानी के साथ द्विपक्षीय संबंधों और आपसी हित के मुद्दों पर चर्चा की थी।

प्रवक्ता ने कहा कि चीन के मंत्री ने विदेश सचिव साइरस सज्जाद काजी के साथ अंतरराष्ट्रीय सहयोग और समन्वय पर सीपीईसी संयुक्त कार्य समूह की चौथी बैठक की सह-अध्यक्षता भी की थी। इस बीच प्रधानमंत्री काकड़ ने इस्लामाबाद में कहा, ''हमने सीपीईसी का पहला चरण पहले ही हासिल कर लिया है और हम इसकी शुरुआती परियोजनाओं से लाभान्वित हो रहे हैं। हम दूसरे चरण में प्रवेश कर रहे हैं। जब दूसरे चरण की बात आती है तो हमें इस पर और अधिक विचार-विमर्श करने की आवश्यकता है।

भारत-अमेरिका के संबंध हुए गहन, और बढ़ा रिश्तों का दायरा: राजदूत संधू

वाशिंगटन. अमेरिका में भारत के निवर्तमान राजदूत तरणजीत सिंह संधू ने कहा है कि दुनिया के दो सबसे बड़े लोकतंत्रों के बीच संबंध गहन हुए हैं, उनका चरित्र परिपक्व हुआ है और दायरा बढ़ा है। 35 साल की सेवा के बाद संधू (61) इस महीने के आखिर में विदेश सेवा से निवृत्त हो रहे हैं। उन्होंने यहां 'इंडिया हाउस% में उनके सम्मान में आयोजित विदाई समारोह में उक्त उद्गार प्रकट किए। संधू ने कहा, ''भारत और अमेरिका के संबंध

गहन हुए हैं, उनका चरित्र परिपक्व हुआ है और उनके दायरे का विस्तार हुआ है।

धू ने कहा कि जैसा कि मैं कई बार कह चुका हूं कि ये मानवीय गतिविधियों के लगभग सभी क्षेत्रों को स्पर्श करते हैं जिनमें प्रौद्योगिकी, व्यापार, रक्षा, अंतरिक्ष, स्वास्थ्य सुविधाएं, शिक्षा, कौशल, अंतरिक्ष संबंध आदि हैं। उन्होंने कहा, ''इन क्षेत्रों में बहुत कुछ हो रहा है। आपमें से ज्यादातर लोगों ने देखा होगा कि यह बदलाव पिछले 10 साल में हुआ है। जब हमने 1998 में परमाणु परीक्षण किया था तो भारत पर प्रतिबंध लगा दिये गये थे। वह मेरा चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों से पहला सामना और अनुभव था। संधू ने अमेरिका में तीन बार सेवाएं दी हैं और आखिरी कार्यकाल में वह चार साल तक अमेरिका में भारत के राजदूत रहे।

सर्वेक्षण में खुलासाः 87% जापानी लोग चीन को नहीं करते पसंद, बताया कारण

इंटरनेशनल डेस्क. एक हालिया सर्वेक्षण में पाया गया है कि जापानी लोगों का एक बड़ा हिस्सा चीन को पसंद नहीं करता है । साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार सर्वे में शामिल 3000 प्रतिभागियों में से 86.7% ने चीन के प्रति नकारात्मक विचार व्यक्त किए, जिसका मुख्य कारण दक्षिण चीन सागर, ताइवान और जापान में सेनकाकू द्वीप समूह के रूप में जाने जाने वाले डियाओयू द्वीप समूह में चीन की आक्रामक कार्रवाइयां हैं जबकि 13त्न से भी कम लोग चीन के प्रति सकारात्मक या ÷मैत्रीपूर्ण भावनाएं रखते हैं। ये1978 में सर्वेक्षण की शुरुआत के बाद से दर्ज की गई सबसे कम सकारात्मक भावना है।

यह सर्वेक्षण, दिस वीक इन एशिया के साक्षात्कारों के साथ मिलकर, जापानी आबादी के बीच एक सूक्ष्म दृष्टिकोण पर प्रकाश डालता

है। हालाँकि चीनी संस्कृति, भोजन, इतिहास और कला के प्रति उनकी सराहना और बीजिंग सरकार और कम्युनिस्ट पार्टी के प्रति उनकी अस्वीकृति के बीच स्पष्ट अंतर है। मुख्य रूप से असंतोष बीजिंग के राजनीतिक कार्यों और नीतियों की वजह से है। अंतर्राष्ट्रीय संबंधों के प्रोफेसर योइची शिमादा का कहना है कि जापान की चीन से भौगोलिक निकटता और बीजिंग के क्षेत्रीय दावे जापान में चीन के प्रति अविश्वास को बढ़ाते हैं। यह भावना तब और बढ़ जाती है जब बीजिंग ताइवान के पास अपनी बयानबाजी या सैन्य गतिविधियां तेज कर देता है, जिससे जापानियों के बीच ताइवान के लिए एकजुटता और समर्थन की भावना पैदा होती है।

कौमी पत्रिका

संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।

Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002

फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300

E - mail address : qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472

Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

दिल्ली में गणतंत्र दिवस समारोह के दौरान घने कोहरे के कारण हो सकती है प्रभावित, IMD ने साझा की जानकारी

नेशनल डेस्क. राष्ट्रीय राजधानी में 75वें गणतंत्र दिवस समारोह के दौरान मध्यम से घना कोहरा दृश्यता को प्रभावित कर सकता है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। भारत मौसम विभाग (आईएमडी) ने कहा कि कोहरे के कारण शुक्रवार को सुबह साढ़े आठ बजे तक लोग केवल 400 मीटर तक ही देख पाएंगे।

इसके बाद सुबह साढ़े बजे तक दृश्यता का स्तर सुधरकर 1,500 मीटर तक पहुंच सकता है। मौसम कार्यालय ने जानकारी दी कि शुक्रवार को न्यूनतम तापमान पांच से सात डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है। भारत मौसम विभाग ने कहा कि सक्रिय पश्चिमी विक्षोभ मौसम प्रणालियों की अनुपस्थिति 25 दिसंबर से क्षेत्र के मैदानी इलाकों में कोहरे की धुंधली परत के बने रहने के प्राथमिक कारणों में से एक है। सक्रिय पश्चिमी विक्षोभ मौसम प्रणालियों की अनुपस्थिति भूमध्यसागरीय क्षेत्र में उत्पन्न होती है और उत्तर पश्चिम भारत में बेमौसम वर्षा लाती है।

आम तौर पर, इन महीनों के दौरान पांच से सात पश्चिमी विक्षोभ इस क्षेत्र को प्रभावित करते हैं। इसमें कहा गया है कि इस क्षेत्र में इस सर्दी में अब तक कोई मजबूत पश्चिमी विक्षोभ नहीं देखा गया है। अब तक दो पश्चिमी विक्षोभ ने देश को प्रभावित किया है - एक दिसंबर में और दूसरा जनवरी में - लेकिन उनका प्रभाव गुजरात, उत्तरी महाराष्ट्र, पूर्वी राजस्थान और मध्य प्रदेश तक ही सीमित रहा। कोहरे के निर्माण के लिए तीन स्थितियों की आवश्यकता होती है- कमजोर निम्न-स्तरीय हवाएँ, नमी और रात भर की ठंडक। तेज़ हवाओं और वर्षा की विशेषता वाले मजबूत पश्चिमी विक्षोभ इन स्थितियों को बाधित करते हैं।

दिल्ली आने वाली फ्लाइट को बम से उड़ाने की धमकी

नई दिल्ली. विमानन कंपनी स्पाइसजेट को बुधवार को दरभंगा-दिल्ली उड़ान के लिए बम की धमकी वाली कॉल मिली जो बाद में अफवाह निकली। 200 से अधिक यात्रियों वाले इस विमान को सुरक्षित रूप से राष्ट्रीय राजधानी में हवाई अड्डे पर उतर गया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। एयरलाइन के प्रवक्ता ने एक बयान में कहा,स्पाइसजेट आरक्षण कार्यालय को दरभंगा से दिल्ली के लिए उड़ान भरने वाले विमान एसजी 8496 में बम होने की सूचना मिली। विमान को शाम छह बजे दिल्ली हवाई अड्डे पर सुरक्षित रूप से उतरा गया और उसे अलग स्थान पर ले जाया गया।हवाईअड्डे के एक सूत्र ने बताया कि शाम को हवाईअड्डे पर स्पाइसजेट विमान के लिए पूर्ण आपातकाल घोषित कर दिया गया। विमान में करीब 210 यात्री सवार थे। दिल्ली पुलिस के एक अधिकारी ने कहा कि जांच के बाद पता चला कि यह धमकी फर्जी थी।

झारखंड में लालू ने फंसाया पेंच,बिखर सकता है महागठबंधन

रांची. राष्ट्रीय जनता दल (राजद) राज्य में अपनी मजबूत स्थिति बनाने की कोशिश में है। इसके लिए पार्टी के नेताओं ने चार संसदीय क्षेत्रों में अपनी गतिविधियों को बढ़ा दिया है। इनमें पलामू, चतरा, कोडरमा व गोड्डा लोकसभा सीट शामिल हैं। इन सीटों पर राजद ने लोकसभा चुनाव लड़ने की अपनी दावेदारी की है और इससे संबंधित रिपोर्ट पार्टी सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव को सौंपी है। पार्टी सूत्रों के अनुसार, इस बार अगर राजद की सीटें नहीं बढ़ीं तो राजद महागठबंधन से छिटक सकता है। अगर पार्टी की मांगों पर सही तरीके से विचार नहीं हुआ, तो राजद अकेले भी चुनाव मैदान में उतर सकता है। 2019 के लोकसभा चुनाव में राजद को महागठबंधन में चुनाव लड़ने के लिए सिर्फ एक सीट मिला था। इस बार सीन अलग बताया जा रहा है। राजद झारखंड में मजबूत स्थिति हासिल करने की कोशिश कर रहा है। इधर, आइएनडीआइए गठबंधन में झारखंड में सीट शेयरिंग का पेंच फंसा हुआ है। महागठबंधन में शामिल दलों पर दबाव बनाने की तैयारी चल रही है। लोकसभा चुनाव के मद्देनजर महागठबंधन के सभी दल अपने-अपने तरीके से सीटों पर दावेदारी कर रहे हैं। 14 लोकसभा सीटों वाली झारखंड में झारखंड मुक्ति मोर्चा ने सात सीटों पर चुनाव लड़ने का दावा ठोका है तो कांग्रेस ने नौ सीटों पर दावेदारी की है।

गणतंत्र दिवस पर 1132 लोगों को वीरता पुरस्कार, देखें लिस्ट में कौन-कौन है शामिल

गणतंत्र दिवस 2024 के अवसर पर पुलिस, अग्निशमन सेवा, होम गार्ड और नागरिक सुरक्षा और सुधार सेवा के कुल 1132 कर्मियों को वीरता और सेवा पदक से सम्मानित किया गया है। केंद्रीय गृह मंत्रालय की तरफ से यह जानकारी दी गई।

नई दिल्ली . केंद्र सरकार की तरफ से गणतंत्र दिवस 2024 के मौके पर वीरता और सेवा पदक से सम्मानित लोगों के नामों की घोषणा कर दी गई है। केंद्रीय गृह मंत्रालय की तरफ से बताया गया कि पुलिस, फायर सर्विस, होम गार्ड और सिविल डिफेंस और सुधार सेवा के कुल 1132 कर्मचारियों को वीरता और सेवा पदक से सम्मानित किया गया है। विशिष्ट सेवा के लिए 102 राष्ट्रपति पदक (पीएसएम) में से 94 पुलिस सेवा, 4 अग्निशमन सेवा और 4 नागरिक सुरक्षा एवं होम गार्ड सेवा को प्रदान किए गए हैं।

BSF के दो कॉन्स्टेबल को मरणोपरांत सम्मान

सराहनीय सेवा (एमएसएम) के लिए 753 पदकों में से 667 पुलिस सेवा को, 32 अग्निशमन सेवा को, 27 नागरिक सुरक्षा और होम गार्ड सेवा को और 27 सुधार सेवा को प्रदान किए गए हैं। सीमा सुरक्षा बल के दो हेड कांस्टेबल - स्वर्गीय सांवला राम विश्नोई और स्वर्गीय शिशु पाल सिंह - को इस गणतंत्र दिवस पर मरणोपरांत राष्ट्रपति वीरता पदक (पीएमजी) के लिए चुना गया है।

वीरता के लिए राष्ट्रपति पदक (पीएमजी) और वीरता के लिए पदक (जीएम) क्रमशः जीवन और संपत्ति को बचाने, या अपराध को रोकने या अपराधियों को गिरफ्तार करने में दुर्लभ विशिष्ट वीरता कार्य और वीरता के विशिष्ट कार्य के आधार पर प्रदान किए जाते हैं। इससे होने वाले जोखिम का अनुमान लगाया जाता है। संबंधित अधिकारी के दायित्वों और कर्तव्यों को ध्यान में रखते हुए यह दिया जाता है।

किसे-कितने पुरस्कार

277 वीरता पदकों में से 275 जीएम जम्मू-कश्मीर पुलिस के 72 कर्मियों, महाराष्ट्र के 18 कर्मियों, छत्तीसगढ़ के 26 कर्मियों, झारखंड के 23 कर्मियों, ओडिशा के 15 कर्मियों, दिल्ली के 08 कर्मियों, सीआरपीएफ के 65 कर्मियों, 21 कर्मियों को प्रदान किए गए हैं।

इनमें एसएसबी से और शेष कर्मी अन्य राज्यों/केंद्रशासित प्रदेशों और सीएपीएफ से भी शामिल हैं। सरकार ने हाल के वर्षों में विभिन्न पुरस्कारों की संपूर्ण पुरस्कार इको सिस्टम को तर्कसंगत बनाने और बदलने के लिए कई कदम उठाए हैं।

फिर सुलगी मराठा आरक्षण की चिंगारी, जारांगे-पाटिल की भूख हड़ताल से पहले लाखों मराठों ने निकाला लॉन्ग मार्च

उद्दंड जारांगे-पाटिल ने सभी मराठों को कुनबी उप-जाति प्रमाण पत्र देकर ओबीसी श्रेणी में शामिल करने की मांग करते हुए मार्च का नेतृत्व जारी रखने की कसम खाई है। कुनबियों को ओबीसी श्रेणी के तहत नौकरियों और शैक्षणिक संस्थानों में कोटा प्राप्त है।

नई दिल्ली. अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) श्रेणी के तहत मराठा समुदाय के लिए आरक्षण की मांग को लेकर एक मार्च गुरुवार को मुंबई की ओर जा रहा था, जहां कार्यकर्ता मनोज जारांगे-पाटिल शुक्रवार को एक और अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल शुरू करने वाले थे। विरोध प्रदर्शन के लिए जारांगे-पाटिल के साथ हजारों लोगों के शामिल होने की संभावना थी, जिसे महाराष्ट्र के इतिहास में सबसे बड़ा बताया गया है। आयोजकों ने समुदाय के सदस्यों से देश की वित्तीय राजधानी में प्रवेश करने से पहले वाशी में मार्च में शामिल होने के लिए कहा है। उन्होंने दावा किया कि जब यह मार्च मुंबई में प्रवेश करेगा तो दस लाख से अधिक लोग इसका हिस्सा होंगे, जबकि राज्य सरकार इससे बचने की कोशिश कर रही है और इससे होने वाले व्यवधान से बचने की कोशिश कर रही है।

औरंगाबाद के संभागीय आयुक्त मधुकर राजे अरदाद ने लोनावाला में जारांगे-पाटिल से मुलाकात की और उन्हें उनकी मांग को पूरा करने के लिए अब तक की गई कार्रवाई के बारे में जानकारी दी। अरदाद ने विरोध प्रदर्शन को मुंबई ले जाने के खिलाफ जारांगे-पाटिल को मनाने की कोशिश की।

उद्दंड जारांगे-पाटिल ने सभी मराठों को कुनबी उप-जाति प्रमाण पत्र देकर ओबीसी श्रेणी में शामिल करने की मांग करते हुए मार्च का नेतृत्व जारी रखने की कसम खाई है। कुनबियों को ओबीसी श्रेणी के तहत नौकरियों और शैक्षणिक संस्थानों में कोटा प्राप्त है। जारांगे-पाटिल ने मार्च को रोकने और फरवरी तक इंतजार करने की सरकार की अपील को खारिज कर दिया है जब वह मराठा आरक्षण के लिए कानून पारित करने के लिए एक विशेष सत्र की योजना बना रही है।

Ram Mandir: 'भगवान राम जाति को नहीं मानते थे... उन्होंने भेदभाव नहीं किया'; सीएम केजरीवाल का बड़ा बयान

दिल्ली . दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने सरकार के द्वारा आयोजित गणतंत्र दिवस समारोह में भाग लिया। छत्रसाल स्टेडियम में राज्य स्तरीय गणतंत्र दिवस समारोह मनाया गया। जहां मुख्यमंत्री केजरीवाल ने कहा कि भगवान राम से हमें त्याग की सीख मिलती है। उन्होंने कभी जाति को नहीं माना था। राम राज्य में सभी अपने धर्म का पालन करते हैं। गणतंत्र दिवस के संबोधन में सीएम केजरीवाल ने कहा कि रामायण की तरह राम राज्य की परिभाषा के अनुसार शहर पर शासन करने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने कहा कि हमने दिल्ली में शिक्षा व्यस्था को बदला। दिल्ली में राम राज्य से प्रेरित होकर शासन किया। राम राज्य का मतलब सुख-शांति वाला शासन होता है। सीएम केजरीवाल ने आगे कहा कि हम बुजुर्गों को अयोध्या भेजेंगे।

गणतंत्र दिवस के संबोधन में सीएम केजरीवाल ने कहा कि रामायण की तरह राम राज्य की परिभाषा के अनुसार शहर पर शासन करने की कोशिश की जा रही है। दिल्ली के मुख्यमंत्री और आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने कहा है कि उनकी सरकार रामायण में दी गई राम राज्य की परिभाषा के अनुसार शहर पर शासन करने की कोशिश कर रही है। उन सिद्धांतों को आत्मसात करना महत्वपूर्ण है जिनका भगवान राम ने अनुकरण किया।

दिल्ली में बदली शिक्षा से लेकर स्वास्थ्य सेवा

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि यह सुनिश्चित करने की कोशिश से कि कोई भी भूखा न सोए। सभी के लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और स्वास्थ्य सेवा मिले। मैं यह नहीं कह रहा हूं कि शहर में इन मामलों में चीजें आदर्श हैं, लेकिन वे उस उद्देश्य की ओर बढ़ रहे हैं।

अयोध्या तीर्थयात्रा के लिए कई अनुरोध आए

अरविंद केजरीवाल ने कहा कि उनकी सरकार जल्द ही उत्तर प्रदेश के अयोध्या में हाल ही में उद्घाटन किए गए राम मंदिर के लिए तीर्थयात्रा पर भेजेगी। हमने अब तक 83,000 से अधिक वरिष्ठ नागरिकों के लिए तीर्थ यात्राओं पर भेजा है। रामलला के प्राण प्रतिष्ठा समारोह के बाद से अयोध्या में तीर्थयात्रा आयोजित करने के लिए कई अनुरोध आए हैं। हम जल्द ही ऐसा करेंगे और जितना संभव हो उतने लोगों को वहां ले जाएंगे।

हमें आमंत्रण से कोई लेना-देना नहीं, राम तो सबके हैं: शिवपाल सिंह यादव

मैनपुरी, 25 जनवरी। सियासी गलियों में इन दिनों रामलला को अपना बताने की होड़ लगी हुई है। इसी कड़ी में बृहस्पतिवार को करहल पहुंचे सपा के राष्ट्रीय महासचिव शिवपाल सिंह यादव भी पीछे नहीं रहे। उन्होंने कहा कि भगवान राम तो सबके हैं। हमारे भी कण-कण में राम हैं। वे जल्द ही परिवार के साथ भगवान श्रीराम के दर्शन करने जाएंगे। शिवपाल सिंह यादव एक निजी कार्यालय में शामिल होने पहुंचे थे। उन्होंने कहा कि उन्हें आमंत्रण से कोई लेना-देना नहीं है। अभी बहुत से लोग परिवार के बिना ही रामलला के दर्शन करने गए हैं। हम अपने पूरे परिवार के साथ जाएंगे। इंडिया गठबंधन पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि सपा और रालोद में सीटों का बंटवारा हो गया है। इसमें किसी प्रकार की कोई परेशानी नहीं है।

NAME CHANGE
I, Kuldeep S/O Balwan Singh R/O House No 471,Ward No 16 Gali No 02, Mandir Wali Gali, Gandhi Nagar,Ganaur, Sonipat Haryana - 131101 have changed my name from Kuldeep to Kuldeep Kumar for all future purpose.

NAME CHANGE
I, Kedubai W/O No 2801741X Hav Raundal Hemant Motiram Vill-Bhendi Post -Niwane Tah- Kalwan Dist-Nashik Maharashtra Pin-423501 Have changed name from Kedubai to Raundal Kedubai Hemant for all future purpose vide Affidavit Date 25 Jan 2024 before Notary Public Delhi

DATE OF BIRTH CHANGE
I, LEELA DEVI Mother of JC-333038H Rank-SUB Name-ANAND PRASAD R/o VILL-TERGOWN, PO-SILOR MAHADEV, TEH-DWARAHAT, DIST-ALMORA, UTTARAKHAND-263645 in my son's service records my date of birth wrongly mentioned as 01/07/1950 instead of my correct date of birth as 01/01/1958 vide affidavit dated 24/01/2024 before Executive Magistrate, Delhi.

NAME CHANGE
I, SONU Wife of JC-333038H Rank-SUB Name-ANAND PRASAD R/o VILL-TERGOWN, PO-SILOR MAHADEV, TEH-DWARAHAT, DIST-ALMORA, UTTARAKHAND-263645 have changed my name from SONU to SONU PRIYA for all future purposes and in my husband's service records my date of birth wrongly mentioned as 04/04/1982 instead of my correct date of birth as 01/04/1982 vide affidavit dated 24/01/2024 before Executive Magistrate, Delhi.

NAME CHANGE
I, A LAXMI DEVI Wife of JC-312865X Rank-SUB Name-ANEGONDI SREENIVASULU R/O VILL-VATTIVEPAMANI PALLI, TEH- GIDDALUR, DIST-PRAKASAM, ANDHRA PRADESH-523373 have changed my name from A LAXMI DEVI to ANEGONDI LAXMIDEVI for all future purposes vide affidavit dated 25/01/2024 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, Swati W/O No 2799788f Hav Baviskar shivdas gaman Vill - malegaon Post- malegaon Tah - malegaon Dist - Nashik Maharashtra Pin code- 423203 Have changed name from swati to Swati shivdas baviskar for all future purpose vide Affidavit Date 25 Jan 2024 before Notary Public Delhi

NAME CHANGE
I, MITKARI KAMAL GURULING Mother of No-14684269W Rank-NK, Name-MITKARI GIRISH GURULING presently residing at MAU ROAD, NEAR AKSHADA MANGAL KARYALAY, DISTT-PARBHANI, MAHARASHTRA-431401 have changed my name from MITKARI KAMAL GURULING to KAMAL GURULING MITKARI for all future purposes and in my son's service records my date of birth wrongly mentioned as 01/07/1971 instead of my correct date of birth as 01/06/1960 Vide Affidavit dated 25/01/2024 before Notary Public Delhi.

सार्वजनिक सूचना
एतददवारा सार्वजनिक सूचना दी जाती है कि मैं, जीवन बाजवा निवासी 1/204, Ist फ्लोर, बिहाइंड इंडियन ओवरसीज बैंक, सदर बाजार, दिल्ली कैंट -110010 स्वर्गीय श्री करमजीत सिंह बाजवा जिनका स्वर्गवास दिनाक 11/07/2021 को हो गया था, की पत्नी और कानूनी उत्तराधिकारी हूं और ग्रेटर नोएडा (पश्चिम) जी बी नगर, के सेक्टर-16 में स्थित कासा ग्रीन्स 1 नामक परियोजना में यूनिट नंबर A-2/0603 के लिये कानूनी उत्तराधिकारी हूं। मैं एतददवारा घोषणा करती हूं कि उक्त फ्लैट को मेरे नाम पर स्थानांतरित करने के लिए आवश्यक सभी एन.ओ.सी और कागजी कार्यवाही डेवलपर को प्रदान कर दी गई है। कानूनी वारिसों सहित कोई भी व्यक्ति, जिसका उक्त फ्लैट पर कोई दावा, हित, अधिकार, शीर्षक या आपत्ति है, अधोहस्ताक्षरी को इस नोटिस के प्रकाशन की तारीख से 15 दिनों की अवधि के भीतर लिखित रूप में सूचित करेगा, जिसमें विफल होने पर किसी के द्वारा ऐसे किसी दावे पर विचार नहीं किया जाएगा।
राधे कृष्णा टेक्नो बिल्ड प्राइवेट लिमिटेड
बी-49, सेक्टर-63, नोएडा, जी.बी. नगर, (उ.प्र.)- 201301
crm.ncr@radheykrishnagroup.com

NAME CHANGE
I AHMED MUSTAFA, S/O M D. MIDINI, R/O 1314,GALI NO. 13 A, 4TH FLOOR,, GOVIND PURI, KALKA JI, NEW DELHI, 110019,HAVE CHANGE MY NAME TO AHMAD MUSTAFA FOR ALL PURPOSE

NAME CHANGE
I, Rohini W/O No 2807873F LNk Jadhav Navanath Baburao Vill - Mulaj Tanda Post - Turori Teh - Omerga Dist _ Osmanabad Maharashtra Pin - 413606 Have changed name from Rohini to Rohini Navanath Jadhav For all future purpose vide Affidavit Date 25 Jan 2024 before Notary Public Delhi

NAME CHANGE
I, KEWAL KRISHAN S/O RISHAL SINGH residing at H.NO-89/A, SOUTH EX PART-2, MASJID MOTH, DELHI-110049 have changed my name to KEWAL KRISHAN SAINI for all future purpose.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I Shivani D/o Shri Sompal Singh R/o C-35, East Gokal Pur Amar colony Saba Pur Delhi-110094 declare that my Mother name is wrongly mentioned in 10th and 12th certificate as Suman Devi. The actual name of My mother is Ombiri. Which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I, AFSHAANJUM W/O FAHEEM SAIFI residing at H NO V-84, VIJAY PARK, STREET NO-23, NEAR TAYABBA MASJID, MAUJPUR, DELHI-110053 have changed my name to AFSHAN ANJUM for all future purpose

NAME CHANGE
I, A BALAJI Son of JC-312865X Rank-SUB Name-ANEGONDI SREENIVASULU R/O VILL-VATTIVEPAMANI PALLI, TEH- GIDDALUR, DIST-PRAKASAM, ANDHRA PRADESH-523373 have changed my name from A BALAJI to ANEGONDI BALAJI for all future purposes vide affidavit dated 25/01/2024 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, JC-312865X Rank-SUB Name-ANEGONDI SREENIVASULU S/o A OBULESU R/O VILL-VATTIVEPAMANI PALLI, TEH- GIDDALUR, DIST-PRAKASAM, ANDHRA PRADESH-523373 have changed my minor daughter's name from A KASTURI to ANEGONDI KASTURI for all future purposes vide affidavit dated 25/01/2024 before Notary Public, Delhi.

PUBLIC NOTICE
NOTICE is hereby given to public at large that my clients Smt Mala Kapur wife of Pummy Kapur and Pummy Kapur son of Late Shri Pran Nath Kapur, both residents of House No. 4001, Galleria Road, Near Galleria Market, DLF Phase IV, Gurugram, Haryana-122009, have disowned/debarred their son, namely, Uday Kapur, son of Pummy Kapur and daughter-in-law, Pranjal Dhir Kapur, wife of Uday Kapur, both residents of V-10/19, DLF Phase-III, Gurugram, Haryana, from their movable and immovable properties and terminated all their relations with them due to their misbehavior and non-cooperative/non-obedience towards my clients and their repeatedly threatening to falsely implicate my clients in criminal complaint(s) have severed all their relations and anybody dealing with them, shall do so at their own risks and consequences and my clients shall not be responsible for any act of them.
ASHOK KUMAR NENWANI
ADVOCATE
K-18/4 DLF PHASE II
GURUGRAM, HARYANA-122008
Mobile No. 9811487018 / 8178191744
Email: nenwani.ashokkumar@gmail.com

NAME CHANGE
I, GURULING Father of No-14684269W Rank-NK, Name-MITKARI GIRISH GURULING presently residing at MAU ROAD, NEAR AKSHADA MANGAL KARYALAY, DISTT-PARBHANI, MAHARASHTRA-431401 have changed my name from GURULING to MITKARI GURULING ANEBA for all future purposes and in my son's service records my date of birth wrongly mentioned as 01/07/1965 instead of my correct date of birth as 30/07/1961 Vide Affidavit dated 25/01/2024 before Notary Public Delhi.

PUBLIC NOTICE
Name – Neetu R/O house no 2055A VPO Ballabgarh Faridabad .Be it known to all concerned on behalf of my client that the Reg deed Details 1. Sale Deed No 9666 Dated 25.11.2010 in favour of Smt. Neetu Goel W/O Sh. Sanjay Goel. And 2. Original Transfer Deed No 14544 Dated 28.03.2016 in favor of in favour of Sh. Sanjay Goel. (property chain) document is part Plot No 8, area measuring 118 sq yards comprised in Khasra No 43/7/1/1 Situated at Village Mujesar, Tehsil Ballabgarh, District Faridabad same property in mortgage in CSL Finance Limited716-717, 7th Floor,World Trade Tower, Sector 16, Noida.(Our client) in respect of the aforesaid property papers are misplaced/lost and aren't traceable and report in this regard has been lodged with P. S. Haryana , Vide application no : 132250212300145 , Lost dated 16.07.2022 Any person (s), Association , or any other Legal Entity finding thesame are requested to return the same to the undersigned forthwith, Any person (s) having any sort of right, claim, title or interest in the subject property under or on the basis of the said lost/misplaced document, or otherwise, may put forth his/her/its claim, along with the document(s) in support thereof, to the undersigned within 7 days from the publication of this notice, failing which no claim of any kind whatsoever shall be entertained thereafter.
Deepak Malik. (Advocate)
Shop-2 kataria complex Dayanand Colony Gurgaon
9540419009

NANI RESORTS & FLORICULTURE PVT. LTD.
Corporate Office: ROF Group, Building No. 80, First Floor, Sector-44, Gurugram-122003, Ph.0124-4399399

Applications are invited from general public out for booking of residential apartments in the Affordable Housing Project **"ROF AMALTAS"** being developed by M/s. **NANI RESORTS & FLORICULTURE PVT. LTD.**

On first come first serve basis at **Sector 92, Gurugram, Haryana (License No. - 37 of 2019 dated: 06.12.2018)** which have been either surrendered by the applicants or allotment of which has been cancelled by the Developer due non-payment or any other reason in terms of the Haryana Affordable Housing Policy 2013 dated 19.08.2013 (as amended):

Application No.	Carpet Area (Sq. Ft.)	Apartment No.
2528	2 BHK+S, TYPE-2 (645.08 SQ.FT.)	E-608
766, 4727, 721	2 BHK+S, TYPE-1 (643.04 SQ.FT.)	B-607, B-907, B-406
15102, 1857, 1642	1 BHK, TYPE-1 (326.47 SQ.FT.)	F-707, G-006, F-907
15139	1 BHK, TYPE-2 (312.47 SQ.FT.)	F-1208
15121	1 BHK, TYPE-3 (314.41 SQ.FT.)	F-1309

* Payable as per payment plan.

The Applications forms containing detailed terms and conditions can be obtained from our office situated at **First Floor, Building No. 80, Sector-44, Gurgaon-122003**

For **NANI RESORTS & FLORICULTURE PVT. LTD.**
Place: Gurugram (Haryana)

NOTICE
Public at large is hereby informed that Mr. Balraj Sharma, Mr. Vishnu Datt Sharma and Mr. Shyam Sunder Aggarwal owners of Second Floor, Front Side, Built on Plot No. 211 and 212, admeasuring 285 sq. yds., out of Khasra No. 667, Situated in the revenue estate of Village Nawada, Delhi State Delhi, Colony Known as Old Lal Dora (1908-1909), Village Nawada, Uttam Nagar, New Delhi initially, Mr. Chandgi Ram Sharma was the recorded owner of the said property who executed Notarized GPA, ATS and WILL dated 07/07/2003 in favour of Mr. Vishnu Dutt, Thereafter, Sale Deed dated 03/10/2023 executed by Mr. Vishnu Dutt in favour of (1) Mr. Balraj Sharma (Undivided 55% Share), (2) Mr. Vishnu Datt Sharma (Undivided 10% Share) and (3) Mr. Shyam Sunder Aggarwal (Undivided 35% Share) in respect of Plot No. 211 and 212, admeasuring 111 sq. yds., (Doc. No. 25503, in Book No. I, Volume No. 9608, on Pages 164 to 172, Dated 03/10/2023. (SR-IIB, Janakpuri) and Sale Deed dated 03/10/2023 executed by Mr. Vishnu Dutt in favour of (1) Mr. Balraj Sharma (Undivided 55% Share), (2) Mr. Vishnu Datt Sharma (Undivided 10% Share) and (3) Mr. Shyam Sunder Aggarwal (Undivided 35% Share) in respect of Plot No. 211 and 212, admeasuring 111 sq. yds., (Doc. No. 25505, in Book No. I, Volume No. 9608, on Pages 183 to 191, Dated 03/10/2023. (SR-IIB, Janakpuri) and Sale Deed dated 03/10/2023 executed by Mr. Vishnu Dutt in favour of (1) Mr. Balraj Sharma (Undivided 55% Share), (2) Mr. Vishnu Datt Sharma (Undivided 10% Share) and (3) Mr. Shyam Sunder Aggarwal (Undivided 35% Share) in respect of Plot No. 211 and 212, admeasuring 63 sq. yds., (Doc. No. 25506, in Book No. I, Volume No. 9608, on Pages 192 to 200, Dated 03/10/2023. (SR-IIB, Janakpuri). Now, (1) Mr. Balraj Sharma (Undivided 55% Share), (2) Mr. Vishnu Datt Sharma (Undivided 10% Share) and (3) Mr. Shyam Sunder Aggarwal (Undivided 35% Share) willing to sell Units on Plot No. 211 and 212 to Intended Borrower who shall further mortgage the said property with ICICI Home Finance Co. Ltd. Whosoever, is having any objection to the said mortgage or anyone has claim or right or interest in the property shall contact the undersigned with the objection within 07 days failing which it shall be presumed that there stands no objections.
NEW DELHI
DATE: 25/1/2024
PRAGYA BHUSHAN ADVOCATE
Enrl. No. D/721/02
Office: L-27,GF, Kailash Colony, New Delhi-48
Mob.: 9968006418

Delhi Branch
BOMBAY MERCANTILE COOPERATIVE BANK LTD. (SCHEDULED BANK)
36, NETAJI SUBHASH MARG, DARYA GANJ, NEW DELHI-110002 PH:23273786, 23266869, 47199100, FAX: 2325979

PUBLIC NOTICE FOR SALE
The undersigned being the Authorised Officer of Bombay Mercantile Co-operative Bank Ltd., Under Securitisation & Reconstruction of Financial Assets & Enforcement of Security Interest Act, 2002 respect of immoveable properties which will be sold by public auction on **"AS IS WHERE IS AND WHAT IS"** basis invites sealed Bids/Tenders from interested parties for purchasing the following secured assets under provisions of Securitisation & Reconstruction of Financial Assets & Enforcement of Security Interest Act, 2002 and rules made there under.
DETAILS OF PROPERTIES
Name of the Borrower : M/s BBN Trading Co. under the Properitorship of Ms. Nisha Singh
1. Secured Debt to be recovered : Rs.25,60,045.86 as on 30.04.2023 and further interest thereon till realization
2. Description of the Property :

Description of Property	Area	Reserve Price
Property built - upto ceiling level, with common entrance, common passage and common stairs from stilt floor onwards, consisting of two rooms set, on First Floor built on portion of property bearing No.662/3-B measuring area of plot 45.14 sq. Mtr. (54 Sq. Yds.) having its plinth covered area 45.14 sq. Mtr. Out of khasra No. 467/4/3 situated in the Abadi of Pandit Park, Patparganj Road in the area of Village Ghondli, Illaqa Shahdara, Delhi 110 051 and bounded as under : East- Below Gali, West- Portion of the said property, North- Below Road 30 fit wide, South- Property of others	45.14 sq. Mtr. (54 Sq. Yds.)	Rs.26,87,300/-

3. The sealed Bids/ Tenders shall be accepted with **EARNEST MONEY** 10% of Reserve Price with application each proposed property by way of Demand Draft / Payorder in favour of the **Authorised Officer, Bombay Mercantile Cooperative Bank Ltd.**, payable at Delhi. The bids/ tenders without Earnest Money shall not be entertained.
4. The inspection of the property/plot will be made available on 15.02.2024 from 11. a.m. to 4.00 p.m .
5. The submission of Bids/Tenders/Offers shall be received by Authorized Officer/Branch Manager in a sealed envelope/cover alongwith Demand Draft/Payorder for the Earnest Money favouring **"Authorised Officer, Bombay Mercantile Cooperative Bank Ltd."** Payable at Delhi on or before 29th February, 2024 from 10.30 a.m. to 2.00 p.m. at the bank premises at 36, Netaji Subhash Marg, Daryaganj, New Delhi.
6. The Tenders received from bidders will be opened at 11.00 a.m. on 01st March,2024 at the bank premises 36, Netaji Subhash Marg, Daryaganj, New Delhi 110 002. Thereafter an auction shall be held and Bidders shall be allowed to improve their offer.
7. The bidders shall have to bear Stamp Duty, Transfer Charges, Electricity dues, Water dues, Cess, Society dues, all other Government dues and taxes if any & all other incidental cost, charges including all taxes and taxes and rates and outgoings relating to the property.
8. The successful bidders shall be required to pay immediately an amount equal to 25% of the bid amount (including Earnest Money Deposit already paid) of the Secured Assets in respect of immoveable property he has submitted in his bid. The balance amount shall be deposited within 15 days from the date of letter of acceptance of the tender. On default in the payment of such deposit the previous deposit would stand forfeited and Authorised Officer may put up again the Secured Assets for sale/resale at its discretion.
9. The Authorised Officer is not bound to accept the highest offer or any or all offer and reserve the right to accept or reject any or all the tender's without assigning any reason whatsoever thereof or postpone the date & Time of opening the tenders of sale confirmation. In case all the tenders are rejected, Authorised Officer can negotiate with any of the tenderers or other parties for sale of the secured assets in private treaty.
10. the interested parties may contact for further details to the undersigned or Branch Manager at Bombay Mercantile Cooperative Bank Ltd., 36, Netaji Subhash Marg, Daryaganj, New Delhi 110 002 Telephone No. 011-**23259794 & 23242439 Mob. No. 9968478625 & 8630872575**
Date : 26-01-24
Place : DELHI
SULTAN FARID
AUTHORIZED OFFICER/BRANCH MANAGER

PUBLIC NOTICE
Information is given to general public at large that my client Mr. Sukhvir Singh, who wants to purchase the part of plot no.20 & 21, area measuring 33 sq. Yards, out of khasra mustatil no.33, killa no.5, 6/2, 7/1, situated in waka mauja uncha gaon, (arya nagar), tehsil ballabhgarh, and district faridabad from Mrs. Kavita Sharma who became owner vide Sale Deed dated 28.07.2014 executed by Mrs. Maimwati, Regd. No.4079 and same property to be financed by Hero Housing Finance Ltd. having its Branch Address at UNIT NO.400, PLOT NO.-A-9, GD ITL NORTH-EXT-TOWER NETAJI SUBHASH PLACE ROAD, PITAM PURA, DELHI-110034. That, (1) Sale Deed dated 07.01.1991 executed in favour of Mr. Kamal Prakash Sharma, Regd. No.7171, (2) Sale Deed dated 11.12.1991 executed by Mr. Kamal Prakash Sharma in favour of Mr. Sukhbir Singh, Regd. No.5601, (3) Sale Deed dated 28.02.2012 executed by Mr. Sukhbir Singh S/o Mr. Tejpal in favour of Mrs. Urmila Devi W/o Mr. Saudaan Singh has been lost/misplaced and FIR for the same has been lodged through FIR vide Application No.132250032400083 in Haryana Police Citizen Services.
If any person(s) objection for subject property, then kindly may contact the undersigned along with original property document, within 10 days from date of this notice on below mentioned address, failing which, the claim as per aforesaid shall be treated as null and void in respect of the subject property.
[ASHWANI KUMAR] Advocate
Chamber No. 122,
Tehsil Compound, Ghaziabad, U.P.

साइबर ठगों ने CBI ऑफिसर बन बुजुर्ग को लगाया था 37 लाख रूपये का चुना, 72 घंटे से पहले 8 ठग को काबू

भिवानी . आज के जमाने में हर कोई स्मार्ट फोन लेकर सोशल मीडिया पर बहुत सारा समय बिताता है। आप भी ऐसा करते हैं तो जरा सावधान हो जाए, क्योंकि भिवानी साइबर पुलिस के हत्थे चढ़े युवक साइबर ठग हैं। जो किसी भी एप से फोन नंबर उठाकर अश्लील वीडियो कॉल करते हैं और कॉल रिसाव करने वाले को ब्लैकमेल कर लाखों रुपये ठग लेते हैं। भिवानी में भी ऐसा ही हुआ। इन्होंने 65 वर्षीय एक बुजुर्ग को ऐसे ही चुना लगा कर उसकी जीवन भर की कमाई के 37 लाख रूपये ठग लिए।

पुलिस अधीक्षक वरूण सिंगला ने बताया कि भिवानी के 65 वर्षीय बुजुर्ग के पास 16 जनवरी को एक अश्लील वीडियो कॉल आई, जिसके बाद कॉल करने वाले साइबर ठगों ने उसे सीबीआई तक मामला जाने, एफआईआर होने व ये वीडियो यूट्यूब पर डालने का डर दिखा कर ब्लैकमेल करते हुए 17 व 18 जनवरी को 7 अलग-अलग खातों में करीब 37 लाख रूपए डलवा लिए। इसके बाद वह फिर 20 लाख रूपये की डिमांड करने लगे। इसके बाद अपने पूरे जीवन की जमा पूंजी गंवाने के बाद भी ब्लैकमेलिंग ना रूकने पर पीड़ित बुजुर्ग ने 19 जनवरी को पुलिस में शिकायत दी।

एसपी वरूण सिंगला ने बताया कि शिकायत के बाद साइबर पुलिस ने ठगों की लोकेशन ट्रेस की और राजस्थान के डीग व भरतपुर जिला से 8 ठगों को काबू किया। एसपी ने बताया कि ये ठग जब पकड़े गए, तब भी लोगों को ठगी का शिकार करने में जुटे हुए थे। उन्होंने बताया कि सभी ठग 18 से 35 साल के हैं और महज 10-12 कक्षा तक पढ़े है। इन ठगों ने ये ठगी का काम अपने गाँव के ही युवकों से सिखा था और कोई 2-3 महीने से तो कोई एक साल से इस ठगी में लगा था।

अस्थियां प्रवाहित कर लौट रहे परिवार के साथ हुआ हादसा, डिवाइडर से टकरा कर पलटी कार

रादौर के छोटाबांस के पास आज कार डिवाइडर से टकरा कर पलट गई। जिस समय यह घटना हुई उस समय कार में दो महिलाओं सहित पांच लोग सवार थे।

रादौर. रादौर के छोटाबांस के पास आज कार डिवाइडर से टकरा कर पलट गई। जिस समय यह घटना हुई उस समय कार में दो महिलाओं सहित पांच लोग सवार थे। गनीमत रही जिस वक्त कार दुर्घटनाग्रस्त हुई उस वक्त सड़क से कोई वाहन नहीं गुजर रहा था। अन्यथा कोई बड़ा हादसा हो सकता था। दुर्घटना की सूचना पाकर एंबुलेंस मौके पर पहुंची और घायलों को राहगीरों की मदद से रादौर सरकारी अस्पताल में उपचार के लिए पहुंचाया।

अस्थियां प्रवाहित कर लौट रहा था परिवार

कार सवार जिला सिरसा के गांव कंगनपुर निवासी लाभ सिंह ने बताया कि वह अपने पिता की अस्थियां हरिद्वार गंगा में प्रवाहित कर लौट रहे थे, जैसे ही छोटाबांस त्रिवेणी चौक के पास पहुंचे तो उनकी कार डिवाइडर से टकरा कर पलट गई। उसने बताया कि कार में 2 महिलाओं सहित पांच लोग सवार थे।

कंधे का दर्द बताकर आए युवक ने डॉक्टर को जड़े कई थप्पड़, झगड़े का शोर सुनकर दौड़े दूसरे चिकित्सक

गुरुग्राम। सेक्टर-82 ए में स्थित एक क्लिनिक में मंगलवार शाम को कंधे का दर्द बताकर उपचार के लिए एक युवक ने चिकित्सक को थप्पड़ जड़ दिए। लड़ाई का शोर सुनकर दूसरे चिकित्सक मौके पर आए तो युवक जान से मारने की धमकी देकर मौके से फरार हो गए। पीड़ित चिकित्सक की शिकायत पर खेड़की दौला थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। सेक्टर-82 ए निवासी पीयूष यादव ने पुलिस को बताया कि उनका सेक्टर-82 ए स्थित वाटिका टाउन स्कायर में नूवा हेल्थ केयर ऑर्थोपैडिक्स के नाम से क्लिनिक है।

मंगलवार शाम को क्लिनिक आए थे दो युवक

उन्होंने बताया कि मंगलवार शाम करीब साढ़े सात बजे दो युवक उनके क्लिनिक पर आए। उनमें से एक युवक ने अपने कंधे में दर्द की शिकायत बताई।

वह युवक की जांच करने के लिए हाथों को सैनेटाइजर से साफ करने लगे तो अचानक से युवक ने कहा कि हम इतने बुरे आदमी हैं, आप हाथ साफ कर रहे हों। यह कहकर दोनों युवकों ने उनके मुंह पर तीन-चार थप्पड़ जड़ दिए।

जान से मारने की धमकी देकर हुए फरार

आवाज सुनकर चिकित्सक सचिन आए तो वह जान से मारने की धमकी देकर फरार हो गए। चिकित्सक का कहना है कि उनके क्लिनिक के ऊपर एक जिम है। वहां से उनके क्लिनिक में आवाज आती है।

इसकी शिकायत उन्होंने मेंटेनंस कार्यालय में कई बार की है। उन्होंने शक जताते हुए कहा कि जिम संचालक के कहने पर दोनों युवकों ने उनकी पिटाई की है।

खुशखबरी : Haryana में जल्द होगी 6 हजार कॉन्स्टेबलों की भर्ती, CM मनोहर लाल ने दी मंजूरी

हरियाणा में 6 हजार पुलिस कांस्टेबल भर्ती का रास्ता साफ हो गया है। इसमें 5 हजार पुरुष और 1000 महिला कांस्टेबलों की भर्ती की जानी है। सरकार ने इसकी मंजूरी दे दी है।

चंडीगढ़ . हरियाणा में 6 हजार पुलिस कांस्टेबल भर्ती का रास्ता साफ हो गया है। इसमें 5 हजार पुरुष और 1000 महिला कांस्टेबलों की भर्ती की जानी है। सरकार ने इसकी मंजूरी दे दी है। खास बात यह है कि इसे बिना कैबिनेट मीटिंग के मंजूरी दी गई है। सूत्रों के मुताबिक मुख्यमंत्री ऑफिस ने सभी मंत्रियों को बाई हैंड इसकी फाइल भेजी और उस पर साइन लिए।

हरियाणा में पुलिस भर्ती के नियम लंबे समय से अटके हुए थे जिसके बाद गृह विभाग ने संशोधित नियम तैयार किए हैं, जिनको मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने मंजूरी दे दी है। इसके बाद इस फैसले को एमरजैंसी की श्रेणी में रखते हुए सी.एम.ओ. की ओर से मंत्रियों के नाम सर्कुलर जारी किया, जिसमें पुलिस भर्ती के नए नियमों का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री मनोहर लाल की मंजूरी के बारे में बताया गया। गृह विभाग बहुत जल्द संशोधित नियमों का नोटिफिकेशन जारी करेगा। हरियाणा पुलिस में ये भर्तियां करीब 3 साल से अटकी हुई हैं।

पुलिस भर्ती नियमों की मंजूरी मिलने के साथ ही अभ्यर्थियों की ओर से आयुसीमा में छूट देने की मांग भी उठ रही थी। तर्क दिया जा रहा है कि बहुत से ऐसे आवेदक हैं जिनके द्वारा करीब 3 साल पहले टैस्ट पास किया गया था। कैबिनेट से संशोधित नियमों में भी खामियां होने के कारण इन नियमों को बदला गया है। नए नियमों के अनुसार आवेदन मांगने के बाद कर्मचारी चयन आयोग आवेदकों में से 10 गुना को फिजिकल टैस्ट के लिए बुलाएगा। नोटिफिकेशन के आधार पर पुलिस महानिदेशक की ओर से हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग को भर्ती का प्रस्ताव भेजा जाएगा। इसके बाद आयोग की ओर से ग्रुप सी में सी.ई.टी. पास अभ्यर्थियों से आवेदन मांग जाएंगे।

भीषण सर्दी का 10 साल बाद टूटा रिकॉर्ड, सबसे ठंडा रहा अंबाला जिला

चंडीगढ़ . हरियाणा में शीत लहर के चलते सर्दी का प्रकोप ज्यादा हैं। तापमान में लगातार उतार चढ़ाव हो रहा हैं। मौसम विभाग की मानें तो ऐसी सर्दी 2013 में हुई थी। उसके बाद अब तापमान में बदलाव के साथ शीत लहर चल रही हैं।

बता दें कि बुधवार सुबह घना कोहरा छाया रहा। वाहन चालकों को परेशानी हुई तो ठंड के चलते अंबाला की रात प्रदेश में सबसे ठंडी रही। वहां का न्यूनतम तापमान 3.4 डिग्री दर्ज किया गया। दूसरी तरफ प्रदेश में मौसम विज्ञानियों ने चार जिलों में रेड अलर्ट, आठ जिलों में ओरेंज तो 10 जिलों में यलो अलर्ट जारी किया है। वहीं 30-31 जनवरी को आंशिक बादलवाई के साथ बाद में बूंदाबांदी हो सकती है। दूसरी तरफ लगातार बिजली कट से लोग परेशान हैं।

शिक्षा बोर्ड ने 9th व 11th की परीक्षाओं का टाइम टेबल किया जारी, इस दिन से शुरू होगा पेपर

भिवानी. हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड ने 9वीं और 11वीं की वार्षिक परीक्षाओं का टाइम टेबल जारी कर दिया है। जारी टाइम टेबल के अनुसार कक्षा 11वीं की परीक्षा 15 फरवरी और 9वीं कक्षा की 17 फरवरी से शुरू होगी। वहीं दोनों कक्षाओं की परीक्षा एक समय पर शुरू और खत्म होगी। परीक्षा शुरू होने का समय 8:30 मिनट है, खत्म होने का समय 11:30 बजे है। टाइम टेबल के अनुसार, 9वीं क्लास की परीक्षा अंग्रेजी विषय से शुरू होगी तो 11वीं की परीक्षा हिंदी विषय के साथ शुरू होगी। हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड के चेयरमैन डॉ. डीपी यादव ने ये डेटशीट जारी की है।

बिजली निगम के JE व फोरमैन ने ली 10 हजार रुपए रिश्वत, वीडियो वायरल

देश में बढ़ रही महंगाई का असर अब रिश्वत की रकम में भी नजर आने लगा है। ताजा मामला चरखी दादरी से सामने आया है जहां एक होटल पर लोड को लेकर छापेमारी करते हुए लोड कम करने की एवज में बिजली निगम के फोरमैन व जेई द्वारा 10 हजार रुपए की रिश्वत लेने का विडियो...

चरखी दादरी . देश में बढ़ रही महंगाई का असर अब रिश्वत की रकम में भी नजर आने लगा है। ताजा मामला चरखी दादरी से सामने आया है जहां एक होटल पर लोड को लेकर छापेमारी करते हुए लोड कम करने की एवज में बिजली निगम के फोरमैन व जेई द्वारा 10 हजार रुपए की रिश्वत लेने का विडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है। जिसमें बिजली कर्मचारी 10 हजार रुपए लेते स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है। हालांकि बिजली कर्मचारियों द्वारा 50 हजार रुपए की डिमांड की गई थी। रिश्वत लेते बिजली कर्मियों की वीडियो के साथ शिकायतकर्ता द्वारा एसपी को सौंपी शिकायत के आधार पर पुलिस ने बिजली निगम के फोरमैन व जेई के खिलाफ भ्रष्टाचार अधिनियम के तहत मामला दर्ज करते हुए जांच शुरू कर दी है।

चरखी दादरी के लोहारू रोड निवासी महिला ने बिजली विभाग के जेई और फोरमैन पर 50 हजार रुपये की रिश्वत लेने का आरोप लगाया है। महिला व उसके बेटे विकास कुमार ने बताया कि उन्होंने शहर के लोहारू रोड पर होटल कर रखा है और उनका निवास स्थान भी वहीं है। 26 दिसंबर को सुबह फोरमैन नवरत्न अपनी टीम लेकर उनके होटल पर छापा मारने पहुंचा था। महिला ने उन्हें बताया कि उन्होंने 12 दिसंबर को दस किलोवॉट लोड का आवेदन किया था और 20 दिसंबर को वो स्वीकृत हो चुका है। आरोप है कि फोरमैन ने जेई सुमित से मिलीभगत कर उनके होटल पर रेड मारी और फिर एलएल-1 न भरने की एवज में 50 हजार रुपये की रिश्वत मांगी। महिला ने बताया कि दस हजार रुपये उन्होंने जेई के चालक के किसी परिचित को दिए और इसकी वीडियो भी उनके पास है। वायरल विडियो व शिकायत पर सिटी पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

फतेहाबाद: सीएम मनोहर लाल पहुंचे गांव डूल्ट, प्रदेश के 60 अमृत सरोवर जनता को किए समर्पित

टोहाना . हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल बुधवार को फतेहाबाद के टोहाना के गांव डूल्ट में पहुंचे और उनके द्वारा अमृत सरोवरों का शुभारंभ किया गया। इस योजना पर कुल 28 करोड़ के करीब राशि खर्च की गई है। 31 अमृत सरोवर अकेले फतेहाबाद जिले के इस योजना में शामिल है। इस योजना के तहत तालाबों के पानी को शुद्ध किया जाना है। ताकि दूषित पानी का प्रयोग भी सही ढंग से किया जा सके।

27 जनवरी को किसानों के साथ सरकार की मीटिंग

सीएम खट्टर ने अपने भाषण में जल की महत्वता को लेकर जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सरकार के द्वारा किस प्रकार गांव स्तर पर अमृत सरोवर योजना के तहत पानी को शुद्ध करने को लेकर प्रोजेक्ट शुरू किए जा रहे हैं और आज 60 अमृत सरोवरों का शुभारंभ उनके द्वारा किया गया है। इसमें 31 तलाब फतेहाबाद जिले के शामिल हैं। वहीं फतेहाबाद के भट्टू इलाके में सेम की समस्या को लेकर धरने पर बैठे किसानों के सवाल पर मुख्यमंत्री ने कहा कि जमीन में अधिक यूरिया के इस्तेमाल के कारण सेम की समस्या आई है।

इसे जल्द दूर करने के प्रयास सरकार के द्वारा किए जा रहे हैं। पहले की सरकारों ने इस और ध्यान नहीं दिया। इसी के चलते किसानों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि 27 जनवरी को किसानों के साथ सरकार की मीटिंग है। इस समस्या का जल्द हल निकाला जाएगा।

मनोहर लाल बोले- विपक्ष की राम में नहीं आस्था

वहीं राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा में विपक्ष के शामिल न होने के सवाल पर मुख्यमंत्री ने कहा कि लगता है विपक्ष की राम में आस्था नहीं है। यही कारण है कि वह अयोध्या के कार्यक्रम में शामिल नहीं हुए। इस कार्यक्रम में विपक्ष के द्वारा अडंगा लगाने का प्रयास भी किया गया।

FPO घोटाले पर BJP-JJP सरकार को हुड्डा ने घेरा, कहा- किसानों की 85% सब्सिडी घोटालेबाज डकार गए

बीजेपी-जेजेपी सरकार घोटालेबाजों के संरक्षक की तरह काम कर रही है। एफपीओ और फसल बीमा योजनाओ के नाम पर किसानों से धोखा करके बड़े घोटालों को अंजाम दिया जा रहा है...

चंडीगढ़. बीजेपी-जेजेपी सरकार घोटालेबाजों के संरक्षक की तरह काम कर रही है। एफपीओ और फसल बीमा योजनाओ के नाम पर किसानों से धोखा करके बड़े घोटालों को अंजाम दिया जा रहा है। एफपीओ के नाम पर किसानों के साथ हुआ सैकड़ों करोड़ का घोटाला इसका ताजा उदाहरण है। पूर्व मुख्यमंत्री व नेता प्रतिपक्ष भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने एफपीओ घोटाले पर टिप्पणी करते हुए ये बात कही।

उन्होंने कहा कि पहले धान व बाजार खरीद, फिर फसल बीमा और मुआवजे के नाम पर किसानों से सैकड़ों करोड़ की लूट हुई। उसके बाद अब सरकार के एक और घोटाले का खुलासा हुआ है। किसानों के करोड़ों रुपए हड़पने के लिए फर्जी किसानों के नाम पर फर्जी एफपीओ बनाए गए। जिन रूपयों का इस्तेमाल किसानों के उत्थान के लिए होना चाहिए था, वह सीधे घोटालेबाजों की जेब में गया। ड्रिप सिंचाई पर सरकार की तरफ से मिलने वाली 85त्न तक सब्सिडी भी किसानों को देने की बजाय घोटालेबाजों ने डकार ली।

किसानों को ना इक्विटी ग्रांट मिली और ना ही सब्सिडी। पूरे प्रदेश में इतने बड़े स्तर पर घोटाला हुआ कि मामला केंद्र सरकार तक पहुंच गया। लेकिन केंद्र सरकार को भी गुमराह करने के लिए बीजेपी-जेजेपी ने कोई कसर नहीं छोड़ी। सीआईडी की जांच के नाम पर पूरे घोटाले पर लीपा-पोती की गई व गुनहगारों को बचाया गया। खुद केंद्र सरकार को प्रदेश सरकार की जांच पर भरोसा नहीं हुआ और उसने पूरे मामले की जांच सीबीआई से करवाने के लिए कहा।

भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा कि इससे पहले गठबंधन सरकार हर सीजन में किसानों को फसल बीमा योजना के नाम पर ठगती आ रही है। पीएम फसल बीमा योजना के जरिए किसानों को लूटकर निजी बीमा कंपनियों का खजाना भरा जा रहा है। संसद में खुद केंद्र सरकार ने जुलाई महीने में बताया था कि पिछले 7 साल में निजी बीमा कंपनियों ने पूरे देश में 1,97,657 करोड़ बीमा प्रीमियम वसूला। इसके बदले में कंपनियों ने 1,40,036 करोड़ का ही मुआवजा दिया। यानी उन्हें कुल ?57,000 करोड़ का तगड़ा मुनाफ़ा हुआ। हरियाणा में वर्ष 2022-23 में ढ्ढष्ट कंपनी ने 703.84 करोड़ रुपये प्रीमियम लिया। लेकिन सिर्फ 7.46 करोड़ रुपये का ही मुआवजा दिया। यानी 99 प्रतिशत राशि कंपनी की तिजोरी में गई।

इस बार तो प्रदेश के सात जिलों के करीब 3 लाख किसानों की फसल का बीमा ही नहीं किया गया। बीमा करने की समय सीमा भी 31 दिसंबर को पूरी हो चुकी है। किसानों को रामभरोसे छोड़ दिया गया है । क्लस्टर-2 के अंबाला, करनाल, सोनीपत, हिसार, जींद, महेंद्रगढ़ और गुरुग्राम जिले के किसान बीमा से वंचित रह गए है। ऐसे में सरसों, गेहूं, जौ और सूरजमुखी की फसल को अगर कोई नुकसान होता है तो उसकी भरपाई करने वाला कोई नहीं होगा। पिछली बार खरीफ की फसल के लिए भी इस क्लस्टर के लिए कोई बीमा कंपनी थी ही नहीं। जबकि जुलाई 2023 तक करीब 2 लाख किसानों के खातों से प्रीमियम की राशि काट ली गई थी।

हुड्डा ने बताया कि उनको किसानों ने मुआवजा आवंटन में भेदभाव की भी शिकायत की है। किसानों का कहना है कि सरकार अपने चहेते चंद किसानों को तो मुआवजा दिलवा देती है, जबकि ज्यादातर किसान एजेंसी और सरकार का मुंह ताकते रह जाते हैं। इस पूरे मामले की भी उच्च स्तरीय जांच होनी चाहिए। साथ ही सरकार को अपने स्तर पर कलस्टर-2 के किसानों का मुआयना करके बीमा करना चाहिए और अबतक बकाया सारे मुआवजे का तुरंत भुगतान करना चाहिए।

Haryana: तीसरी बार सरकार बनाने के मिशन को लेकर आगे बढ़ रही भाजपा, चलाएगी 'गांव चलो अभियान'

तीसरी बार सरकार बनाने के मिशन को लेकर आगे बढ़ रही भाजपा अब 'गांव चलो अभियान' शुरू करने जा रही है। करनाल में बुधवार को प्रदेश अध्यक्ष नायब सिंह सैनी की अध्यक्षता में प्रदेश स्तरीय कार्यशाला आयोजित हुई।

करनाल . तीसरी बार सरकार बनाने के मिशन को लेकर आगे बढ़ रही भाजपा अब गांव चलो अभियान शुरू करने जा रही है। करनाल में बुधवार को प्रदेश अध्यक्ष नायब सिंह सैनी की अध्यक्षता में प्रदेश स्तरीय कार्यशाला आयोजित हुई। जहां प्रदेश के सभी जिला अध्यक्ष व प्रदेश कार्यकारिणी सदस्यों को अभियान के लिए प्रशिक्षित किया गया। पार्टी का उद्देश्य प्रदेश में लोकसभा की सभी 10 सीटें जीतना

गांव चलो अभियान के संयोजक डॉ. पवन सैनी बनाए गए हैं। राहुल राणा, वेद फूल्ला, समय सिंह भाटी को सह संयोजक बनाया है। भाजपा देश के ग्रामीण इलाकों में रहने वाले लोगों से संपर्क साधने के लिए देश भर में 4 से 11 फरवरी तक 'गांव चलो अभियान' चलाएगी। कार्यशाला में सैनी ने राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा के दिशा निर्देशों को भी पदाधिकारियों के सामने रखा। पार्टी का उद्देश्य प्रदेश में लोकसभा की सभी 10 सीटें जीतना है। अभियान का मुख्य उद्देश्य केंद्र की योजनाओं की जानकारी एवं उपलब्धियों को हर गांव के हर घर तक पहुंचाना है।

रिपोर्ट का खुलासा- दुबई में प्रमुख रियल एस्टेट खरीदारों में भारत का शीर्ष स्थान

इंटरनेशनल डेस्क. रियल एस्टेट कंपनी द्वारा 2023 में दुबई में रियल एस्टेट के अग्रणी खरीदारों के रूप में शीर्ष स्थान का दावा किया गया। इसमें कहा गया है कि भारतीय संपत्ति निवेशकों ने रूसियों को पीछे छोड़ दिया है। रिपोर्टों के अनुसार, भारतीय निवेशकों ने 2023 के पहले छह महीनों में दुबई रियल एस्टेट क्षेत्र में लगभग 335 मिलियन अमेरिकी डॉलर का निवेश किया। एक अन्य रिपोर्ट के अनुसार इकोनॉमिक फ्लेक्सेबिल्टी और स्ट्रांग डिमांड 2023 में यूएई के रियल एस्टेट प्रदर्शन को प्रेरित किया।डब्ल्यू कैपिटल के सीईओ वालिद अल जरूनी ने कहा किजनवरी 2023 से अचल संपत्ति की बिक्री का मूल्य ष्ठद्धह्य393 से अधिक हो गया है, जो बाजार के इतिहास में दर्ज की गई सबसे अधिक संख्या है। 127,000 से अधिक सौदे हुए और वर्ष के अंत से एक सप्ताह पहले, इसके 400 बिलियन दिरहम से अधिक होने की उम्मीद है,UAE में गोल्डन वीज़ा निवेशकों, उद्यमियों और अन्य पेशेवरों के लिए एक नया 10-वर्षीय निवास परमिट है, जो उन्हें देश में लंबे समय तक रहने का ऑप्शन देता है। संपत्ति खरीदना निवेश और गोल्डन वीज़ा प्राप्त करने दोनों के लिए सबसे सरल तरीका है।

अजीम प्रेमजी ने अपने बेटों को गिफ्ट में दिए 1 करोड़ शेयर, कीमत जानकर उड़ जाएंगे होश

नेशनल डेस्क. विप्रो के संस्थापक अजीम प्रेमजी ने अपने पास मौजूद विप्रो के 1.02 करोड़ इक्विटी शेयर अपने दो बेटों रिशद प्रेमजी और तारिक प्रेमजी को ''तोहफे के तौर पर हस्तांतरित कर दिए हैं। कंपनी ने शेयर बाजार को यह जानकारी दी। विप्रो के शेयर का वर्तमान में मूल्य 472.9 रुपये प्रति शेयर है। ऐसे में हस्तांतरित शेयरों की कीमत 483 करोड़ रुपये बैठती है।टेक दिग्गज अजीम प्रेमजी के बेटे रिशद प्रेमजी वर्तमान में विप्रो के कार्यकारी चेयरमैन हैं और आईटी उद्योग का एक प्रमुख चेहरा हैं। विप्रो की ओर से बुधवार को शेयर बाजार को दी जानकारी के अनुसार, '' मैं, अजीम एच. प्रेमजी आपको बताना चाहता हूं कि विप्रो लिमिटेड में मेरे 1,02,30,180 शेयर जो कंपनी की कुल शेयर पूंजी का 0.20 प्रतिशत हैं, उन्हें रिशद अजीम प्रेमजी और तारिक अजीम प्रेमजी को उपहार स्वरूप हस्तांतरित कर दिया गया है।

हालांकि, इस लेन-देन से कंपनी में समग्र प्रवर्तकों और प्रवर्तक समूह की हिस्सेदारी में कोई बदलाव नहीं आएगा और प्रस्तावित लेन-देन के बाद भी यह समान रहेगी। विप्रो की ओर से शेयर बाजार को अलग से दी गई जानकारी में रिशद प्रेमजी ने बताया कि विप्रो लिमिटेड के 51,15,090 इक्विटी शेयर अजीम प्रेमजी से उपहार के रूप में मिले हैं। तारिक अजीम प्रेमजी ने भी अजीम प्रेमजी से उपहार स्वरूप 51,15,090 शेयर मिलने की जानकारी दी है।

सेबी पर सोनी के साथ विलय नाकाम करने के प्रयास का लगाया गया था आरोप

नई दिल्ली । सोनी पिक्चर्स के साथ 10 अरब डॉलर का प्रस्तावित सौदा रद्द होने के कुछ दिन पहले जी समूह के संस्थापक सुभाष चंद्रा ने वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को पत्र लिखकर बाजार नियामक सेबी पर इस सौदे को नाकाम करने की कोशिश का आरोप लगाया था। सोनी पिक्चर्स नेटवर्क (अब कल्वर मैक्स) ने जी समूह की मीडिया फर्म जी एंटरटेनमेंट एंटरप्राइजेज लिमिटेड के साथ विलय समझौते को खत्म करने की घोषणा कर दी है। उसने विलय प्रक्रिया को निर्धारित समयसीमा के भीतर न पूरा किए जाने पर इसे रद्द कर दिया है। दोनों पक्षों के बीच दिसंबर, 2021 में 10 अरब डॉलर का विलय समझौता हुआ था और इसे दो साल में पूरा किया जाना था। एक महीने की विस्तारित समयसीमा पूरी होने के बाद भी नई इकाई के नेतृत्व पर सहमति नहीं बन पाई थी। चंद्रा ने 16 जनवरी को लिखे इस पत्र में भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) पर पूर्व-निर्धारित सोच से काम करने का आरोप लगाते हुए जी एंटरटेनमेंट के अल्पांश शेयरधारकों के हितों की रक्षा के लिए जरूरी कदम उठाने का अनुरोध किया था। इस पत्र में चंद्रा ने कहा कि जी एंटरटेनमेंट और अन्य सभी लोग कंपनी का पैसा दूसरी जगह भेजने के मामले की जांच में सहयोग कर रहे हैं। उन्होंने कंपनी के पूर्व निदेशकों को सेबी की तरफ से नया नोटिस भेजे जाने पर चिंता भी जताई। उन्होंने कहा ?कि मेरी चिंता इस नए नोटिस के समय और इसकी तात्कालिकता को लेकर है क्योंकि यह जी एंटरटेनमेंट और कल्वर मैक्स के विलय के पूरा होने की समयसीमा से मेल खाता है।

हिंडनबर्ग रिपोर्ट आने के एक साल पूरे होने पर गौतम अडाणी ने कहा, हम मजबूत होकर उभरे हैं

नेशनल डेस्क. उद्योगपति गौतम अडाणी ने बृहस्पतिवार को कहा कि पिछले साल पेश हुई '' जांचों तथा कठिनाइयों ने अडाणी समूह को और मजबूत बनाया है जिससे यह वृद्धि की राह पर आगे बढ़ रहा है, परिसंपत्ति आधार में सुधार कर रहा है और धारावी पुनर्विकास सहित प्रमुख परियोजनाएं शुरू कर रहा है। अडाणी ने अमेरिकी शॉर्ट सेलिंग एवं शोध फर्म हिंडनबर्ग रिसर्च की रिपोर्ट आने के एक साल पूरे होने पर यह बयान दिया। हिंडनबर्ग रिसर्च की 24 जनवरी 2023 को जारी रिपोर्ट में अडाणी समूह की कंपनियों पर शेयरों के भाव में हेराफेरी और वित्तीय गड़बड़ियां करने के आरोप लगाए थे। हालांकि, समूह ने इन आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया था।अडाणी ने एक प्रमुख समाचार पत्र में लिखे लेख में कहा कि अडाणी समूह ने कुछ कंपनियों में हिस्सेदारी की बिक्री के जरिए 40,000 करोड़ रुपये की इक्विटी

जुटाई जो अगले दो वर्षों के लिए ऋण चुकौती के बराबर है, तथा समूह ने 'मार्जिन-लिंक्ड वित्तपोषण के 17,500 करोड़ रुपये चुकाए और कर्ज में कटौती की।

उन्होंने कहा कि परिचालन पर निरंतर ध्यान देने से चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में अब तक का सबसे अधिक तिमाही लाभ हुआ। समूह की अधिकतर सूचीबद्ध कंपनियों ने हिंडनबर्ग रिपोर्ट के बाद हुए घाटे की भरपाई कर ली है।

कई प्रमुख परियोजनाओं को शुरू किया

उन्होंने कहा, ''हम अपनी वृद्धि की गति को बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध हैं। समूह ने अपना निवेश जारी रखा है, जिसका प्रमाण हमारी परिसंपत्ति आधार में 4.5 लाख करोड़ रुपये की वृद्धि है।

सोना-चांदी की कीमतों में गिरावट

नई दिल्ली । सोने के वायदा भाव की शुरुआत गुरुवार के कारोबारी दिन नरमी के साथ हुई, जबकि चांदी के वायदा भाव तेजी के साथ खुले। हालांकि बाद में चांदी के वायदा भाव में भी सुस्ती देखी जाने लगी। सोने के वायदा भाव गिरकर 62 हजार रुपये से नीचे कारोबार कर रहे हैं, जबकि चांदी के वायदा भाव 71,700 रुपये के करीब कारोबार कर रहे हैं। वहीं अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने और चांदी के वायदा भाव की शुरुआत भी गिरावट के साथ हुई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क फरवरी कॉन्ट्रैक्ट 53 रुपये की गिरावट के साथ 61,932 रुपये के भाव पर खुला।

फिलहाल यह 90 रुपये की गिरावट के साथ 61,895 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क मार्च कॉन्ट्रैक्ट 16 रुपये की तेजी के साथ 71,885 रुपये के भाव पर खुला। ?फिलहाल यह 178 रुपये की गिरावट के साथ 71,691 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। अंतरराष्ट्रीय

बाजार में कॉमेक्स पर सोना 2,014.80 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 2,016 डॉलर था। ?फिलहाल यह 0.40 डॉलर की गिरावट के साथ 2,015.60 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था।

कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 22.80 डॉलर के भाव पर खुले, पिछला बंद भाव 22.88 डॉलर था। जो 0.04 डॉलर की गिरावट के साथ 22.85 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था।

16 साल के शीर्ष पर पहुंच सकता है सरकार का सकल कर राजस्व

नई दिल्ली (ईएमएस)। केंद्र सरकार का सकल कर राजस्व चालू वित्त वर्ष में 16 साल के शीर्ष पर पहुंच सतता है। एसबीआई रिपोर्ट के अनुसार सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के अनुपात में इसके 11.6 फीसदी रहने की उम्मीद है। 2024-25 में सकल कर राजस्व दो दशकों में सर्वाधिक रहने की उम्मीद है। चालू वित्त वर्ष में टैक्स बजट अनुमान से 80,000 करोड़ रुपये ज्यादा रह सकता है। गैर टैक्स राजस्व 50,000 करोड़ ज्यादा रहने की उम्मीद है। इस दौरान केंद्र का खर्च भी 60,000 करोड़ बढ़

सकता है। राजकोषीय घाटा चालू वित्त वर्ष में कम होकर जीडीपी के अनुपात में 5.9 फीसदी रह सकता है। अंतरिम बजट में इसका लक्ष्य 5.5 फीसदी हो सकता है। जुलाई में पेश होने वाले पूर्ण बजट में यह और कम होकर 5.3 से 5.4 फीसदी के लक्ष्य पर आ सकता है। 2024-25 में केंद्र सरकार बाजार से 11.7 लाख करोड़ रुपये की उधारी ले सकती है। 3.6 लाख करोड़ का पुनर्भुगतान भी कर सकती है। सकल उधारी इस दौरान 15.3 लाख करोड़ रुपये रहने की उम्मीद जताई गई है। 2024-25 में अर्थव्यवस्था सालाना आधार पर 11 फीसदी बढ़कर 329 लाख करोड़ हो सकती है। इस दौरान कर राजस्व 10.5 फीसदी की तेजी के साथ 26.6 लाख करोड़ रह सकता है। गैर कर राजस्व बढ़कर 3.6 लाख करोड़ रहने की उम्मीद है। 2024-25 में केंद्र सरकार का खर्च 7.3 फीसदी बढ़कर 48.9 लाख करोड़ रहने का अनुमान है।

कमजोरी के साथ खुले शेयर बाजार

मुंबई । वैश्विक बाजार से मिले कमजोर संकेतों की वजह से गुरुवार के कारोबारी दिन भारतीय शेयर बाजार की गिरावट के साथ शुरुआत हुई। बाजार के प्रमुख इंडेक्स लाल निशान में कारोबार करते दिख रहे हैं। एसएंडपी बीएसई सेंसेक्स 164 अंक गिरकर 70,896 पर कारोबार करता दिखा, जबकि निफ्टी 50 28 अंक की गिरावट के साथ 21,426 पर आ गया। टेक एम, एचसीएल टेक, टाटा स्टील, भाटी एयरटेल, पावर ग्रिड, एचडीएफसी बैंक, विप्रो और एक्सिस बैंक घाटे में रहे क्योंकि शेयरों में 5 फीसदी तक की गिरावट आई। इस बीच व्यापक बाजारों में बीएसई मिडकैप और स्मॉलकैप सूचकांकों में क्रमशः 0.11 प्रतिशत और 0.46 प्रतिशत की वृद्धि हुई। सेक्टरों में निफ्टी आईटी इंडेक्स में 1

फीसदी की गिरावट आई, इसके बाद निफ्टी फार्मा इंडेक्स में गिरावट आई। वहीं निफ्टी रियल्टी में 1.4 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई। वहीं घरेलू शेयर बाजार में बुधवार को जोरदार एक्शन दिखा। ऐसे तो मिलेजुले वैश्विक संकतों के बाद बुधवार की सुबह बाजार में लाल निशान पर कारोबार की शुरुआत हुई पर बैंकिंग, फार्मा, मेटल और एफएमसीजी सेक्टर के शेयरों में खरीदारी के कारण बाजार में तेजी लौटी। बुधवार के कारोबारी सेशन के बाद सेंसेक्स 689.76 अंकों की बढ़त के साथ 71,060.31 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं निफ्टी 215.16 अंकों की बढ़त के साथ 21,453.95 पर बंद हुआ। वैश्विक स्तर पर, एशियाई सूचकांकों में हैंग सेंग और एएसएक्स200 में 0.2 प्रतिशत तक की ग्रोथ हुई है, जबकि कोस्पी और निक्केई में 0.2 प्रतिशत से 0.3 प्रतिशत की रेंज में गिरावट आई है। रातों-रात, तकनीक-संचालित रैली ने एसएंडपी500 और नैस्डैक कंपोजिट को क्रमशः 0.08 प्रतिशत और 0.36 प्रतिशत की बढ़त हासिल करने में मदद की।

हिंडन एयरपोर्ट से कामर्शियल फ्लाइट! दिल्ली हाई कोर्ट पहुंच गया मामला

नई दिल्ली. दिल्ली के पास ही गाजियाबाद में एयरफोर्स का हिंडन एयरबेस है। इस पर केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने कामर्शियल फ्लाइट की अनुमति दे दी है। सरकार के इस फैसले के खिलाफ दिल्ली इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड (DIAL) ने बुधवार को दिल्ली उच्च न्यायालय के समक्ष एक याचिका दायर की है।

इस याचिका में भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (AAI) को उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद स्थित हिंडन एयरफोर्स स्टेशन में शिड्यूल्ड कामर्शियल फ्लाइट का ऑपरेशन शुरू करने की अनुमति देने के सिविल एविएशन मिनिस्ट्री के फैसले को चुनौती दी गई है।

याचिका में क्या दिया गया है तर्क

याचिका में तर्क दिया गया है कि हिंडन एयरफोर्स स्टेशन पर ग्रीनफील्ड हवाईअड्डा स्थापित करने का निर्णय 1997 की नीति, ग्रीनफील्ड हवाईअड्डा नीति और राष्ट्रीय नागरिक उड्डयन नीति सहित स्थापित नीतियों का उल्लंघन करता है। यह पॉलिसी मौजूदा हवाईअड्डों के 150 किमी के भीतर नए हवाईअड्डों को प्रतिबंधित करती हैं। डीआईएएल का तर्क है कि आईजीआईए अनुमानित यातायात जरूरतों को पूरा करने के लिए अच्छी तरह से सुसज्जित है और हिंडन परियोजना मौजूदा और आगामी हवाईअड्डों की आर्थिक व्यवहार्यता पर नकारात्मक प्रभाव डालेगी।

चीन के सेंट्रल बैंक ने घटाई ब्याज दरें

मुंबई । चीन ने अर्थव्यवस्था की सेहत बनाने के लिए रिजर्व रेश्यो की जरूरत (आरआरआर) में 50 बेसिस प्वॉइंट की कटौती करने का फैसला किया है। ये कटौती 5 फरवरी से लागू होंगी। दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था करीब एक लाख करोड़ यूआन (चीन की करेंसी) लंबी अवधि की पूंजी के तौर पर जारी करेगी। हाल ही में चीन ने घरेलू और विदेशी बाजारों के जरिए अपने बाजार को मजबूती देने के लिए कुछ कदम उठाए थे। बताते चलें कि चीन की अर्थव्यवस्था पर जोखिम लगातार बढ़ रहा है। यहां के कुछ बड़े रिटल एस्टेट डेवलपर्स पर गंभीर कर्ज का संकट मंडरा रहा है। चीन की सरकार अब यहां की रियल-एस्टेट सेक्टर से कर्ज का बोझ घटाने पर जोर दे रही है। आरआरआर में कटौती से लिक्विडिटी बढ़ेगी और फिर बैंक ग्राहकों को लोन जारी कर सकेंगे और अर्थव्यवस्था को सपोर्ट करने के लिए और भी अधिक बॉन्ड्स खरीद सकेंगे। चीन के केंद्रीय बैंक ने 2023 में आरआरआर में दो बार कटौती की थी। आखिरी बार यह कटौती सितंबर 2023 में हुई थी।

एलन मस्क से दोगुना पैसा, जेब में दुनिया का आधा सोना... आज भूख-प्यास से मर रहे हैं लोग

नई दिल्ली. पश्चिम अफ्रीकी देश माली में सोने की खदान में हादसे में 70 से अधिक लोग मारे गए हैं। माली अफ्रीका में सोने का तीसरा सबसे बड़ा उत्पादक है। लेकिन देश के माइनिंग सेक्टर पर विदेशी कंपनियों का दबदबा है। इनमें कनाडा, ऑस्ट्रेलिया और ब्रिटेन की कंपनियां शामिल हैं। लेकिन बड़ी संख्या में लोग स्वतंत्र रूप से सोने के खनन में लगे हैं। माली के एक्सपोर्ट में सोने की 75त्न से अधिक हिस्सेदारी है। देश की 10 फीसदी से अधिक आबादी माइनिंग सेक्टर में लगी है। साल 2022 में देश में 72.2 टन सोने का उत्पादन हुआ। माली में सोने की अहमियत को इसी बात से समझा जा सकता है कि इसके नेशनल बजट में गोल्ड की हिस्सेदारी 25त्न, एक्सपोर्ट कमाई में 75त्न और जीडीपी में 10त्न हिस्सेदारी है।

लेकिन प्राकृतिक संसाधनों से भरपूर इस देश की गिनती दुनिया के सबसे गरीब देशों में होती है। देश की 49त्न आबादी गरीबी रेखा से नीचे जीवनयापन कर रही है। इसकी जीडीपी पर कैपिटा महज 837 डॉलर है। करीब 2.25 करोड़ की आबादी वाले देश माली का नाम संयुक्त राष्ट्र की 47 सबसे कम विकसित देशों की लिस्ट में है। पिछले एक दशक से भी अधिक समय से देश भूख और कुपोषण की समस्या से जूझ रहा है। साथ ही इस देश में पानी की

भी बड़ी समस्या है। माली एक लैंड लॉक्ड देश है। यानी इसका समुद्री तट नहीं है। इसके पूर्व में नाइजर, उत्तर में अल्जीरिया, पश्चिम में मॉरीटेनिया और दक्षिण में सेनेगल, गांबिया, गिनी, सियरा लियोन, लाइबेरिया और बुर्किना फासो हैं।

दुनिया के आधे सोने का मालिक

माली की माली हालत आज भले ही खराब है लेकिन कभी यह अफ्रीका का सबसे अमीर देश हुआ करता था। इसके राजा मनसा मूसा को इतिहास का सबसे अमीर व्यक्ति माना जाता है। उसके पास करीब 415 अरब डॉलर की दौलत थी। यह दुनिया के सबसे बड़े रईस एलन मस्क (216 अरब डॉलर) से कहीं अधिक है। मनसा मूसा ने साल 1312 से लेकर 1337 तक 25 साल माली पर एकछत्र राज किया। उस जमाने में माली सोने का बड़ा प्रॉड्यूसर था। आज के मॉरीटानिया, सेनेगल, गांबिया, गिनी, बुर्किना फासो, माली, चाड और नाइजीरिया तब मूसा की सल्तनत का हिस्सा हुआ करता थे।

दुनिया में सोने की आधी सप्लाई इसी देश से होती थी। माली से सोना खरीदने के लिए इजिप्ट, पर्सिया, गेनोआ और वेनिस से व्यापारी आते थे।मनसा मूसा का जन्म 1280 में हुआ था। माली साम्राज्य पर 1312 तक उसके बड़े भाई मनसा अबू बकर ने राज किया। इसके बाद वह एक लंबी यात्रा पर निकल गया, तब मनसा मूसा प्रथम ने गद्दी संभाली। माली में सोने के बहुत बड़े भंडार हुआ करते थे।

बायजू को मिल गया तारणहार! आकाश इंस्टीट्यूट में सबसे बड़े इन्वेस्टर बने रंजन पई

नई दिल्ली. लंबे समय से संकट में फंसे एडटेक कंपनी बायजू के लिए अच्छी खबर है। मनिपाल एजुकेशन एंड मेडिकल ग्रुप के चेयरमैन रंजन पई आकाश इंस्टीट्यूट में सबसे बड़े शेयरहोल्डर बन गए हैं। बायजू की पेरेंट कंपनी थिंक एंड लर्न ने 2021 में आकाश इंस्टीट्यूट को 95 करोड़ डॉलर में खरीदा था। यह देश में इंटरनेट सेक्टर में सबसे बड़े एक्विजिशन में से एक था। आकाश इंस्टीट्यूट देशभर में मेडिकल और इंजीनियरिंग परीक्षाओं के लिए कोचिंग संस्थान चलाता है। सूत्रों के मुताबिक पई ने 2023 में आकाश में 30 करोड़ डॉलर का निवेश किया था और कंपनी के बोर्ड ने इसे इक्विटी में बदलने को मंजूरी दे दी है। इससे रंजन पई कुल 40त्न हिस्सेदारी के साथ कंपनी के सबसे बड़े स्टेकहोल्डर बन जाएंगे। कंपनी की वैल्यू करीब 70 करोड़ डॉलर है और इस पर कोई

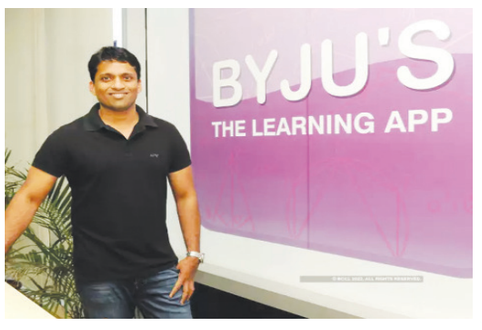

कर्ज नहीं है। पई ने कंपनी का कर्ज चुकाने में काफी मदद की थी।

इस बारे में आकाश इंस्टीट्यूट ने ईमेल का जवाब नहीं दिया। पई और बायजू रवींद्रन ने भी इस पर कोई टिप्पणी नहीं की। ईटी ने पिछले साल अक्टूबर में खबर दी थी कि पई आकाश में बड़ी हिस्सेदारी लेने की तैयारी में हैं। एक सूत्र ने कहा कि आकाश के बोर्ड ने कनवर्जन को मंजूरी दे दी है और अब पई इसके सबसे बड़े स्टेकहोल्डर हैं। पई फैक्टर आकाश और बायजू के भविष्य के लिए अहम है। पई ने पिछले साल नवंबर में आकाश इंस्टीट्यूट में करीब 20 करोड़ डॉलर का निवेश किया था। इससे बायजू को अपना कर्ज चुकाने में मदद मिली थी। अब कंपनी में पई, रवीन्द्रन और थिंक एंड लर्न की कुल 80 से 82 फीसदी हिस्सेदारी हो गई है। कंपनी में रवीन्द्रन की 16त्न, थिंक एंड लर्न की 26त्न और चौधरी परिवार तथा ब्लैकस्टोन की 18त्न हिस्सेदारी है। 2021 में आकाश की वैल्यूएशन 95 करोड़ डॉलर थी जो अब 70 करोड़ डॉलर रह गई है।

सरकार की नजर छोटी बचत योजनाओं पर, सुकन्या समृद्धि को मिल सकता है पुश

नई दिल्ली. भारतीय स्टेट बैंक के इकॉनमिक रिसर्च डिपार्टमेंट की रिसर्च रिपोर्ट के अनुसार FY25 के लिए फिस्कल डेफिसिट GDP (सकल घरेलू उत्पाद) के 5.5त्न के करीब रहने की संभावना है। यह FY24 में ग्रॉस टैक्स और GDP रेशो 16 साल के उच्चतम और FY25 में पिछले दो दशकों में अब तक के उच्चतम स्तर को छू सकता है। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया की चीफ इकॉनमिक अडवाइजर सौम्या कांति घोष के अनुसार FY24 में ग्रॉस टैक्स रेवेन्यू GDP का 11.6% होने की संभावना है जो 16 साल का उच्चतम स्तर होगा। हमें उम्मीद है कि FY25 में ग्रॉस टैक्स रेवेन्यू पिछले 2 दशकों में सबसे अधिक होगा। हमारा मानना है कि फिस्कल डेफिसिट FY24 में पूर्ण रूप से घट सकता है, लेकिन GDP के रूप में यह 5.9त्न हो सकता है और FY25 के अंतरिम बजट में 5.5% पर तय होने की संभावना है। जुलाई में पेश किया जाने वाला बजट मई 2024 में जारी होने वाले GDP आंकड़ों के आधार पर इसे 5.3% -5.4% के निचले स्तर पर सेट कर सकता है।फिस्कल डेफिसिट की फाइनैंसिंग के संबंध में सरकार छोटी बचत योजनाओं पर भरोसा करना जारी रखेगी। यह मिशन ड्राइव मोड में नए रजिस्ट्रेशन को प्रोत्साहित करके 12 साल तक के सभी बचे हुए मामलों के लिए एक बार रजिस्ट्रेशन की अनुमति देकर सुकन्या समृद्धि योजना को पुश दे सकता है। बैंकों द्वारा बिजनेस कॉरेस्पोंडेंट चैनल पार्टनर्स को शामिल करना बेहद उपयोगी हो सकता है, क्योंकि डाकघरों की तुलना में बैंकों की हिस्सेदारी कम है।

कितना लोन बंटेगा

मौजूदा वित्त वर्ष में बैंकों की लोन ग्रोथ 15 प्रतिशत के आसपास रह सकती है, लेकिन अगले फाइनैंशल ईयर में इसकी रफ्तार घटेगी। यह अनुमान जताया है रेटिंग एजेंसी ICRA ने। FY2025 में बैंक क्रेडिट ग्रोथ 12 प्रतिशत रह सकती है। मौजूदा वित्त वर्ष में 14.9-15.3 प्रतिशत की क्रेडिट ग्रोथ के साथ आंकड़ा करीब 21 लाख करोड़ रुपये का रह सकता है।यह अब तक की सबसे अधिक इंक्रीमेंटल बैंक क्रेडिट ग्रोथ होगी। इससे पहले इकरा ने इस वित्त वर्ष में करीब 13 प्रतिशत की लोन ग्रोथ का अनुमान जताया था। FY2023 में 15.4 प्रतिशत की ग्रोथ के साथ 18.2 लाख करोड़ रुपये का आंकड़ा दर्ज किया गया था।

बेटियों की परवरिश में पेरेंट्स को रखना चाहिए खासतौर से इन बातों का ध्यान

अगर आप एक बेटी के माता-पिता हैं तो आपको उनकी परवरिश के दौरान कई सारी बातों का ध्यान रखना होगा। क्योंकि कई बार परिवार में बेटियों को लेकर ऐसा माहौल होता है जो उनकी मानसिक स्थिति पर बुरा असर डाल सकती हैं तो आज 24 जनवरी राष्ट्रीय बालिका दिवस पर जानेंगे कैसे करनी चाहिए बालिकाओं की परवरिश।

आज से नहीं, बल्कि सालों पहले से महिलाएं असामनता का शिकार होते आई हैं। लैंगिक भेदभाव सदियों से महिलाओं के लिए एक बड़ी प्रॉब्लम रही है। नेशनल गर्ल चाइल्ड डे, जो हर साल 24 जनवरी को मनाया जाता है। इसके माध्यम से लोगों में जेंडर इक्वेलिटी को लेकर जागरूकता पैदा करने का प्रयास किया जाता है। हालांकि अब धीरे-धीरे स्थिति बदल रही है। पिछले कुछ सालों में लड़कियों के हित में कई सारी योजनाएं शुरू की गई हैं। जो उन्हें आगे बढ़ाने का काम कर रही हैं, लेकिन इसमें और ज्यादा योगदान की जरूरत है। जिसके लिए पेरेंट्स को आगे होना होगा। जी हां, अगर आप बेटी के माता-पिता हैं, तो कैसे उनकी परवरिश करनी है, इस पर ध्यान देना होगा। आइए जानते हैं ऐसे ही कुछ पेरेंटिंग टिप्स के बारे में।

बेटे और बेटियों में फर्क करना

बेटे और बेटियों में फर्क परवरिश के दौरान की जाने वाली सबसे बड़ी गलती है। आज के मॉर्डन जमाने में भी ऐसी कई फैमिलीज़ देखने को मिल जाएंगी, जहां बेटों को प्रियोरिटी दी जाती है और बेटियों के साथ अच्छा व्यवहार नहीं किया जाता। इससे बेटियों के मेंटल हेल्थ पर बुरा असर पड़ता है। वहीं अगर आप ये फर्क नहीं करते, तो इससे बच्चों में पॉजिटिव प्रभाव देखने को मिलते हैं।

लड़कियों पर पाबंदियां लगाना

जिन घरों में बेटियों को ज्यादा महत्व नहीं दिया जाता वहां पेरेंट्स उन पर कई तरह की पाबंदियां लगाकर रखते हैं। किस तरह से स्कूल जाना है, कैसे खेलना है, कैसे पहनना है, ज्यादा हंसना नहीं है, ज्यादा बोलना नहीं जैसी चीज़ें। वहीं बेटे एकदम फ्री रहते हैं। ये सारी चीज़ें बच्चियों के विकास में बाधा बन सकती हैं। उनके अंदर डर और झूठ बोलने जैसी आदतें विकसित हो सकती हैं।

बोलने की आजादी न देना

आज भी ऐसी कई जगहें हैं, जहां बेटियों को बोलने की आजादी नहीं होती, ये बिल्कुल भी सही नहीं। इससे कई बार बच्चियां शोषण का शिकार होती रहती हैं, लेकिन इस बार में किसी को बता नहीं पाती। बचपन की ये आदत बड़े होने पर भी उन्हें झेलनी पड़ती है। घरेलू हिंसा और अब्यूज़ सहती रहती हैं, लेकिन आवाज उठाने से डरती हैं।

जनसंख्या नियंत्रण नीति से डरे हुए हैं असम में अल्पसंख्यक

कांग्रेस और एआईयूडीएफ नेताओं (ऑल इंडिया यूनाइटेड डेमोक्रेटिकफ्रंट) के अनुसार, लगातार बढ़ती आबादी के माध्यम से असम में विदेशी मुसलमानों की घुसपैठ की बड़े पैमाने पर कल्पित समस्या को पहले ही आधिकारिक तौर पर संभाल लिया गया था, जैसा कि श्री शर्मा ने खुद कुछ मौकों पर खुले तौर पर स्वीकार किया था। उन्होंने कहा कि इसके अलावा, लाखों घुसपैठियों का पता लगाने और उन्हें बाहर निकालने के लिए पिछली एनआरसी पहल, जिसे विपक्ष ने विनाशकारी कहा था।यह बहस का विषय बना हुआ है कि असम के मुख्यमंत्री हिमंत विस्वा शर्मा भारत के सबसे भ्रष्ट मुख्यमंत्री हैं या नहीं, जैसा कि शीर्ष कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने दावा किया है। अभी जिस बात से इनकार नहीं किया जा सकता है, वह है श्री शर्मा द्वारा उन नीतियों को आगे बढ़ाना जिस उनके राजनीतिक विरोधी संपूर्णहिंदुत्व एजेंडा कहते हैं।कुछ आलोचक इससे भी आगे बढ़ते हैं और असम में उनके कुछ हालिया निर्णयों/कदमों में गहरे राजनीतिक उद्देश्य पढ़ते हैं। उन्हें डर है कि स्पष्ट रूप से मुसलमानों को लक्षित करने वाले उनके नवीनतम प्रस्तावों का पूर्वोत्तर के पड़ोसी राज्यों, यहां तक कि पश्चिम बंगाल पर भी, अप्रत्यक्ष रूप से, एक मजबूत प्रभाव पड़ सकता है।इस तरह की आलोचना पर जोर देने की जरूरत है, परन्तु असम के मुख्यमंत्री जिसकी कोई परवाह नहीं करते। फिर भी उन पर कभी भी किन्हीं मामूली राजनीतिक महत्वाकांक्षाओं को पोषित करने का आरोप नहीं लगाया गया है। उत्तर प्रदेश में अपने समकक्ष आदित्यनाथ योगी के साथ, श्री शर्मा उन मुट्ठी भर गतिशील भाजपा नेताओं में अग्रणी बनकर उभरे हैं जिनकी पहुंच और प्रभाव अब उनके मूल क्षेत्रों की सीमाओं से परे भी फैल गया है।दोनों ही मामलों में, उनके प्रभुत्व और सफलता की कुंजी किसी भी राजनीतिक विवाद को पूरी तरह से नजरअंदाज करते हुए, कुछ विशिष्ट कार्यक्रमों को पूरा करने के लिउनका एक अदम्य उत्साह ही रही है।भले ही वह 2024 के लोकसभा चुनावों के लिए जोरदार प्रचार कर रहे हैं और श्री गांधी के भारत जोड़ो न्याय यात्रा कार्यक्रमों को यथासंभव असुविधाजनक बना रहे हैं, असम में अपने राज्य के भीतर वहद्विविवाह/बहुविवाह विवादों और अवैध बाल विवाह पर रोक लगाने के लिए नये कानून का सक्रिय रूप से समर्थन कर रहे हैं।असम स्थित मीडिया रिपोर्टों से पता चलता है कि राज्य सरकार नये अधिनियम की घोषणा से पहले फरवरी के बजट सत्र में ही ऐसे मामलों पर गहन चर्चा करना चाहेगी। आधिकारिक राय यह है कि बांग्लादेश से अवैध घुसपैठ जारी है। कुछ मुस्लिम पुरुषों के बीच एक से अधिक पत्नियाँ रखने की प्रथा नाबालिगों के अवैध विवाह के अलावा, पूरे समाज के लिए समस्याएं पैदा करती है।ऐसी प्रथाओं पर रोक लगाने के प्रमुख प्रयासों के अभाव में, हाल के वर्षों में राज्य की जनसंख्या में वृद्धि हुई है। अधिक चिंताजनक बात यह है कि पिछले कुछ वर्षों में कई स्थानों पर जनसांख्यिकीय संतुलन में काफी बदलाव आया है, जिससे कई समुदाय अपने भविष्य को लेकर चिंतित हैं।राज्य के अधिकारियों ने ऐसे संवेदनशील मुद्दों से निपटने में पारदर्शी दृष्टिकोण अपनाया है। ऐसे मामलों पर सार्वजनिक चर्चा को प्रोत्साहित करने के लिए सामूहिक सुनवाइयां भी आयोजित की गई हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि ऐसी ही एक सभा में लगभग 150 लोगों ने आधिकारिक रुख का समर्थन किया, जबकि केवल 2-3 लोगों ने इसके खिलाफ बात की। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, एक अन्य बैठक में कोई विरोध नहीं हुआ। इन रुझानों से प्रतीत होता है कि लोगों के व्यापक वर्गों के बीच आधिकारिक लाइन के प्रति एक स्तर तक समर्थन है।जैसी कि उम्मीद की जा सकती है, विपक्षी दल और नेता सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रस्तावों को अमानवीय, सांप्रदायिक और भेदभावपूर्ण बताते हुए इसकी कड़ी निंदा करते हैं। उन्हें लगता है कि सिर्फ मुसलमानों के साथ भेदभाव किया जा रहा है। उनका आरोप है कि असम में विभिन्न विधानसभा और संसदीय निर्वाचन क्षेत्रों के क्षेत्रों और सरेखण को फिर से परिभाषित करने वाले हालिया परिसीमन अभ्यास में, प्रशासन के साथ-साथ सत्तारूढ़ दल द्वारा यह सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाये गये थे कि विपक्षी दलों को नुकसान हो, और कहा जा रहा है कि 126 विधानसभा सीटों में से 100 पर ऐसी व्यवस्था की गई है।इसलिए, कांग्रेस और एआईयूडीएफ नेताओं (ऑल इंडिया यूनाइटेड डेमोक्रेटिकफ्रंट) के अनुसार, लगातार बढ़ती आबादी के माध्यम से असम में विदेशी मुसलमानों की घुसपैठ की बड़े पैमाने पर कल्पित समस्या को पहले ही आधिकारिक तौर पर संभाल लिया गया था, जैसा कि श्री शर्मा ने खुद कुछ मौकों पर खुले तौर पर स्वीकार किया था। उन्होंने कहा कि इसके अलावा, लाखों घुसपैठियों का पता लगाने और उन्हें बाहर निकालने के लिए पिछली एनआरसी पहल, जिसे विपक्ष ने विनाशकारी कहा था, सहित बार-बार आधिकारिक पूछताछ और अभियान चलाये गये।जैसा कि अपेक्षित था, एआईयूडीएफ की प्रतिक्रिया इस मुद्दे पर, साथ ही प्रशासन द्वारा संभाले गये अधिकांश अल्पसंख्यक-संबंधी मामलों पर सबसे अधिक नकारात्मक रही है। सांसद और एआईयूडीएफ सुप्रीमो बदरुद्दीन अजमल कहते हैं, असम में मुसलमान भाजपा से नहीं के बराबर मदद और सुरक्षा की उम्मीद कर सकते हैं, खासकर शर्मा के कार्यकाल के दौराननिश्चित रूप से श्री शर्मा ने इसका जोरदार विरोध किया है, जो मूल असमिया भाषी मुसलमानों और बंगाली भाषी बांग्लादेशी अप्रवासी मुसलमानों (स्थानीय बोलचाल में मियां) के बीच स्पष्ट अंतर बनाये रखने में हमेशा सावधान रहे हैं।

पर्यवेक्षकों के अनुसार, यह मुसलमानों का दूसरा वर्ग है जो आम तौर पर राज्य प्रशासन या प्रतिद्वंद्वी राजनीतिक ताकतों/पार्टियों से कथित तौर पर कठोर व्यवहार का शिकार होता रहा है।सुस्मिता देव, जो हाल ही में कांग्रेस से तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) में शामिल हुईं, ने भी संबंधित मुद्दे पर प्रशासन के खिलाफ कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। अवैध बांग्लादेशियों को अलग-थलग करने और मताधिकार से वंचित करने के लिए हाल ही में रोक दिये गये एनआरसी अभियानों का जिक्र करते हुए उन्होंने बताया कि लगभग 20 लाख लोगों ने अपनी कुछ बुनियादी मानवीय सुविधाएं खो दी हैं।

ये वे लोग थे जिनकी नागरिकता की स्थिति एनआरसी अधिकारियों द्वारा अपरिभाषित/संदिग्ध छोड़ दी गई थी। भाजपा के अधीन न तो राज्य सरकार और न ही केंद्र सरकार ने अपनी वर्तमान स्थिति को सकारात्मक या नकारात्मक रूप से फिर से परिभाषित करने की परवाह की।विपक्षी नेताओं ने आरोप लगाया कि अधर में लटके हुए ये जाहिरा तौर पर राज्यविहीन लोग, जिनमें ज्यादातर हिंदू हैं, अब कई मामलों पर आधिकारिक मदद पाने के हकदार नहीं हैं।

संपादकीय

न्याय यात्रा में अवरोध के निहितार्थ

14 जनवरी को मणिपुर से प्रारम्भ हुई कांग्रेस नेता राहुल गांधी की %भारत जोड़ो न्याय यात्रा% को जिस प्रकार से उत्तर-पूर्व के सबसे बड़े राज्य असम में रोकने की कोशिशें हो रही हैं, वह पूरी तरह से गैर लोकतांत्रिक तो है परन्तु उनसे अन्य महत्वपूर्ण संकेत मिल रहे हैं। देश के 15 राज्यों से होती हुई 6700 किलोमीटर की दूरी तय करने वाली न्याय यात्रा मुम्बई में 20 मार्च को खत्म होगी। यह हाई ब्रीड यात्रा कही जा रही है जिसमें राहुल कुछ फासला अपने वाहन से तय करेंगे जो इस काम के लिये विशेष रूप से निर्मित किया गया है और कुछ पैदल।यह सभी को याद है कि इसके पहले राहुल सितम्बर, 2022 में तमिलनाडु के कन्याकुमारी से श्रीनगर तक का पैदल मार्च कर चुके हैं जो 30 सितम्बर, 2023 को समाप्त हुआ था। पिछली यात्रा को ध्यान में लाने का मकसद यह है कि उस लगभग 3200 किमी की यात्रा में किसी भी सरकार द्वारा कोई व्यवधान उत्पन्न नहीं किया गया था। यहां तक कि केन्द्र सरकार की ओर से भी नहीं। भारतीय जनता पार्टी के कुछ नेताओं ने अवश्य ही उन पर फ़ब्तियां कसी थीं या गैरज़रूरी किस्म के बयान दिये थे जिनका उद्देश्य कांग्रेस का मनोबल गिराना था। हां, जम्मू में एकाध जगह पर राहुल की सुरक्षा सम्बन्धी कुछ प्रश्न खड़े हुए थे जिसमें स्थानीय प्रशासन ने इसके पहले कि कोई अनहोनी हो जाये, सुधार कर लिया था। इस बार की यात्रा अभी तक 10 दिनों की हो चुकी है। फिलहाल वह उत्तर-पूर्व में ही है।

मणिपुर के बाद वह नगालैंड होती हुई असम पहुंची, फिर अरूणाचल प्रदेश गयी। वहां एक दिन रहकर राहुल ने फिर से असम में प्रवेश किया। यहां वे 25 तक रहेंगे तत्पश्चात उनकी यात्रा मेघालय जा रही है। पहली बार जब राहुल 19 जनवरी को गुवाहाटी पहुंचे, तो उन्होंने अपने भाषण में राज्य के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा को देश का सबसे भ्रष्ट सीएम बतलाते हुए कहा कि उनका पूरा परिवार भ्रष्टाचार में लिप्त है। इससे बौखलाये हिमंता ने राहुल को चुनौती दे डाली कि वे शहर के भीतर से अपनी यात्रा न निकालें।

अगर राहुल ने ऐसा किया तो उनके खिलाफ सीधे मामला दर्ज होगा और चुनाव के बाद गिरफ्तारी होगी। यह टकराव बढ़ गया जब 22 जनवरी को उन्हें नगांव के शंकरदेव मंदिर जाने से रोक दिया गया। वे सड़क पर ही बैठ गये।

कांग्रेस के केवल दो नेताओं को ही जाने की अनुमति मिली। स्थिति और भी खराब हो गई जब रविवार को उनके काफिले पर हमला हुआ और यात्रा सम्बन्धी पोस्टर फाड़ दिये गये। कांग्रेस के मीडिया प्रभारी जयराम रमेश की कार पर भी हमले हुए तथा वहां के कांग्रेस अध्यक्ष भूपेन बोरा को चोटें आईं। मामला मंगलवार को अधिक बिगड़ गया जब न्याय यात्रा को गुवाहाटी में रोकने के लिये पुलिस ने बैरिकेडिंग कर दी। इसे हटाकर जब कांग्रेसी आगे बढ़ने लगे तो पुलिस ने उन पर लाठी चार्ज किया।

इतना ही नहीं, राहुल के खिलाफ एफआईआर करने के आदेश भी श्री बिस्वासरमा ने राज्य के पुलिस महानिदेशक को दिये हैं। पुलिस के अनुसार काम का दिन होने के कारण यात्रा को शहर के भीतर से जाने के लिये मना किया गया था क्योंकि इससे शहर का यातायात प्रभावित होता। इस पर कांग्रेस का कहना है कि जब उसी रास्ते से भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा की रैली निकल सकती है और बजरंग दल वाले जुलूस ले जा सकते हैं तो उन्हें अनुमति देने में क्या दिक्कत है।

ये सारी कार्रवाइयां बतला रही हैं कि भारतीय जनता पार्टी की न केवल असम की वरन केन्द्र सरकार भी यात्रा से घबराई हुई है। हिमंता एवं उनका परिवार शारदा चिट फंड घोटाले में फंसे हुए बताये जाते हैं इसलिये वे पूरी तरह से भाजपा व केन्द्र के रहमो-करम पर हैं। उन्होंने कांग्रेस में 15 वर्ष बिताए थे और जब उन पर सीबीआई का शिकंजा कसा, तो वे भाजपा में चले गये। केन्द्र के आदेशों का पालन करना उनकी मजबूरी है।

साथ ही वे पूरे उत्तर-पूर्वी राज्यों के विकास हेतु बने नॉर्थ ईस्ट डेवलपमेंट एजेंसी (नेडा) के अध्यक्ष भी हैं। जिस प्रकार से राहुल की स्वीकार्यता एवं लोकप्रियता इस क्षेत्र में बढ़ी है, उससे भाजपा व खुद हिमंता को अपनी जमीन खिसकती हुई दिख रही है। उन्हें आगामी लोकसभा चुनाव को लेकर चिंता है कि उनके राज्य समेत पूरे उत्तर-पूर्व भारत में यदि भाजपा का प्रदर्शन ठीक न रहा तो उसका ठीकरा उन्हीं के सिर पर फोड़ा जायेगा। उनका मुख्यमंत्री का पद जायेगा, सो अलग। इसलिये वे आक्रामकता एवं अतिरिक्त स्वामिभक्ति का प्रदर्शन कर रहे हैं।

दो मंदिरों के बीच में फंसा भारतीय लोकतंत्र

राममंदिर का सीधा सम्बन्ध सनातनी परम्परा का है तो वहीं जिस शंकरदेव के मंदिर में जाने से राहुल गांधी को रोका गया; और दर्शन की मांग को लेकर बीच सड़क पर उन्हें धरना देना पड़ा, वह 15वीं सदी के महान संत का है जिन्हें नव वैष्णव धर्म का प्रवर्तक माना जाता है। उनका अध्यात्म के अलावा साहित्य व कला के क्षेत्रों में भी योगदान माना गया है। सामाजिक सौहार्द्र के लिये काम करने वाले शंकरदेव को इस मायने में भी एक महान समन्वयक कहा जाता है।सोमवार को जब अयोध्या में पूरे तामझाम के साथ और देश के सबसे ताकतवर लोगों की मौजूदगी में राममंदिर में बालस्वरूप श्रीराम का बहुप्रतीक्षित प्राण-प्रतिष्ठा समारोह प्रधानमंत्री के हाथों हो रहा था, उसी वक्त वहां से तकरीबन डेढ़ हजार किलोमीटर दूर असम के नगांव जिले में स्थित बोदर्वा थान में प्रसिद्ध शंकरदेव के मंदिर में जाने से कांग्रेस के नेता राहुल गांधी को रोक दिया गया। खुद मोदी के द्वारा निश्चित उद्देश्यों के तहत बनवाये गये इस मंदिर में कहने को तो वे रामजन्मभूमि मंदिर ट्रस्ट की तरफ से पहले %प्रमुख यजमान% के रूप में और बाद में विवाद उठने पर %प्रतीकात्मक यजमान% के तौर पर शामिल हुए। जैसी कि हालिया दौर में परिपाटी चल पड़ी है, मोदी के रहते कोई भी न तो मुख्य अतिथि हो सकता है और न ही समारोह के सर्वोच्च पद पर आसीन होकर शिरकत कर सकता है। ऐसा ही हुआ। इसके विपरीत, राहुल को शंकरदेव मंदिर के संचालकों ने बाकायदे आमंत्रित किया था। उन्हें मंदिर के कुछ पहले एक स्थान पर रोक दिया गया। पिछले कुछ समय से राजनीति और धर्म के बीच फंसा भारतीय लोकतंत्र लगता है अब दो मंदिरों के बीच फंसकर रह गया है-राममंदिर और शंकरदेव मंदिर। इन दोनों मंदिरों के 22 जनवरी के मंजर बतला रहे हैं कि लोकतंत्र किस स्थिति में पहुंचा दिया गया है।रामजन्मभूमि मंदिर के चलते न सिर्फ देश की राजनीति में एक बड़ा बदलाव आया है बल्कि उसके चलते देश का सामाजिक ताना-बाना जिस तरह से बिखरा है, देश उसका भी साक्षी रहा है। कहा जाता है कि 1528 में मुगल साम्राज्य के संस्थापक बाबर के एक सेनापति मीर बाकी द्वारा राममंदिर को ध्वस्त कर यहां मस्जिद बनवाई गई थी। इसमें 1947 तक नमाज़ आदा की जाती रही। बाद में इसके मैदान पर हिन्दू कट्टरपंथी दावे करते रहे। यह विवाद परवान चढ़ा 25 सितम्बर, 1990 को जब भाजपा के वरिष्ठ नेता लालकृष्ण आडवाणी सोमनाथ (गुजरात) से रथ पर सवार होकर निकले थे। रास्ते में उन्हें बिहार में लालू प्रसाद यादव ने गिरफ्तार करवा दिया। विश्व हिन्दू परिषद के सहयोग से निकली यात्रा का भाजपा 1991 के चुनाव में इसलिये फायदा नहीं उठा पाई क्योंकि चुनाव प्रचार के दोनों चरणों के बीच पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की हत्या हो गई और कांग्रेस फिर से सत्ता में आ गई। अलबत्ता भाजपा पहले के मुकाबले काफी मजबूत हुई। लाभ मिला 1996 में। पहले 13 दिनों की, फिर 13 महीने की और अंततः 1998 में 5 साल के लिए अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व में उसकी सरकार केन्द्र में बनी। शाइनिंग इंडियाके नारे पर लड़ा गया 2004 का आम चुनाव भाजपा-वाजपेयी को जीता न सका। 2004 से लेकर 2014 तक कांग्रेस लौट आई। डॉ. मनमोहन सिंह के नेतृत्व में वह केन्द्र पर आसीन रही।

2014 को पीएम बने मोदी पहले दिन से जान गये थे कि जमीनी मुद्दों पर चुनाव लड़ना और जीतना भाजपा के बस की बात नहीं है। उन्होंने दस साल (दो कार्यकाल) के दौरान भावनात्मक मुद्दों को सघन करने का काम किया। भाजपा ने पहला चुनाव तो पिछली सरकार पर आरोप लगाकर जीता, तो वहीं दूसरा (2019 का) लोकसभा चुनाव बालाकोट व पुलवामा के नाम पर जीता। लेकिन मोदी जान गये थे कि 2024 का चुनाव जीतना आसान नहीं। इसलिये आनन-फानन में सुप्रीम कोर्ट से आदेश पाकर रामजन्मभूमि पर मंदिर निर्माण का कार्य पूरा किया गया। हिन्दू समाज की ओर से ही कहा गया कि 22 जनवरी किसी मंगल कार्य के लिये उपयुक्त नहीं है।रामलला की दृष्टि से रामनवमी को आदर्श माना गया परन्तु भाजपा की चुनावी प्रचार सम्बन्धी ज़रूरतों के लिहाज से ऐसा करने से इतनी देर हो जाती कि इस परिघटना का सियासी लाभ लेने की कोई गुंजाइश ही न बचती। यहां तक कि सर्वोच्च धर्मगुरु कहे जाने वाले शंकराचार्यों द्वारा तक आपत्तियां जताई गईं कि राममंदिर अभी अपूर्ण है।

ऐसे में उसमें प्राण-प्रतिष्ठा शास्त्रानुकूल नहीं है। मोदी के वैवाहिक दर्जे के सन्दर्भ में भी उन्हें इस विधि के अनुकूल नहीं पाया गया। इससे परेशान ट्रस्ट ने थोड़ा रद्दोबदल करते हुए अपने एक ट्रस्टी अनिल मिश्रा एवं उनकी पत्नी को मुख्य यजमान बना दिया।

मोदी जी प्रतीकात्मक यजमान तो बने लेकिन मंगलवार के अखबार बतलाते हैं कि प्रतीकात्मक यजमान ही मुख्य यजमान थे और उनके अलावा कैमरे की जद में और कोई भी नहीं था। शंकराचार्यों की नाराजगी और व्यापक तौर पर यह मान लिये जाने के बावजूद, कि राममंदिर का उद्घाटन शास्त्रसम्मत नहीं है, हुआ मोदी के ही हाथों। होना ही था। देश की जानी-मानी हस्तियां अयोध्या में थीं। वह वर्ग नहीं था जिसके उत्थान की बात रामराज्य के जरिये होने के दावे किये जाते हैं।अयोध्या के राममंदिर की प्राण-प्रतिष्ठा के बाद भाजपा-संघ के लोगों की अपेक्षा अगर अन्य मस्जिदों के स्थान पर मंदिर बनाने की होती है तो कोई आश्चर्य नहीं होना चाहिये। वैसे भी अयोध्या तो झांकी है, काशी मथुरा बाकी है का नारा तभी से चल रहा है जब 90 के दशक की शुरुआत में रामजन्मभूमि आंदोलन प्रारम्भ हुआ था।

26 त्यौहारों जैसी क्यों नहीं मनती जनवरी!

26 जनवरी 1950 को भारत का संविधान लागू हुआ। बस तभी से देश गणतंत्र हुआ और उसी उपलक्ष्य में गणतंत्र दिवस मनाया जाता है और यह इतिहास का सबसे महत्वपूर्ण है। भारत का संविधान, इसी दिन अस्तित्व में आया और गणतान्त्रिक देश बना। गणतंत्र दिवस पूरे देश में बहुत उत्साह और विशेष रूप से राजधानी में एक साथ मनाया जाता है। दिल्ली में एक विशाल समारोह होता है जो हमें देश के लिए बलिदान देने वालों की याद दिलाता है। इस दिन राष्ट्रपति वीरता के विभिन्न कार्य करने वालों को बहादुरी के लिए पदक देकर उनका सम्मान करते हैं। राजघाट से है, विजयपथ तक अपनी वेशभूषा में सजीधजी सेना की विभिन्न रेजीमेंटों, नौसेना, वायु सेना, घुड़सवार सेना व देश के कोने-कोने से आई प्रदेशों की झांकियां निकलती हैं। इस समारोह में देशभर से आए स्कूली बच्चे, एनसीसी के छात्र राजधानी में इकट्ठे होते हैं जो महीनों से 26 जनवरी की तैयारी में जुटे रहते हैं।

आज 26 जनवरी है। हमारा 61वां गणतंत्र दिवस। लेकिन यह बात हमें ही नहीं, बहुतों को सालती होगी कि 26 जनवरी और 15 अगस्त जैसे राष्ट्रीय दिवसों को होली-दिवाली-ईद की तरह क्यों नहीं मनाया जाता इन राष्ट्रीय दिवसों को लोग उन त्यौहारों की तरह क्यों नहीं मनाते, जिनसे पूरा समाज और उसकी इकाई यानी कि हर व्यक्ति जुडता सा प्रतीत होता है महीने भर पहले से जो उत्साह आम जनता के स्तर पर सामाजिक और सामुदायिक त्यौहारों के प्रति दिखता है वो पहल, लगाव, अपनत्व और जिजीविषा इन राष्ट्रीय दिवसों के प्रति क्यों नहीं ऐसा क्यों है कि ये राष्ट्रीय दिवस 365 दिनों में बस एक दिन आकर चले जाते हैं हम इनके साथ सामाजिक स्तर पर वैसा तादात्म्य क्यों नहीं स्थापित कर पाते, जैसा कि महाराष्ट्र में गणेशोत्सव, बिहार-उत्तर प्रदेश में सूर्य पूजा या छठ, मकर संक्रांति, पंजाब में लोहडी और दक्षिण में पोंगल के साथ रिश्तों की आम लेकिन सघन बुनावट देखने को मिलती है दिलचस्प है कि ये सभी सामाजिक-सांस्कृतिक त्यौहार भी जनता के स्तर पर रचे-बसे हैं, जिनमें क्षेत्रीय स्तरों पर आम शिरकत भी जबर्दस्त होती है, लेकिन हमारा गणतंत्र, जो याद दिलाता है कि आज के ही दिन भारतीय संविधान लागू हुआ था, जिसकी प्रस्तावना का वाक्य ही 'हम भारत के लोग... से शुरू होता है, जिसे जनता के दम पर ही गणतंत्र या रिपब्लिक कहा जाता है, उसके प्रतीक दिवस पर जनसंवेदना में ऐसा अंतर क्यों तो क्या हमारी राष्ट्रीय चेतना कहीं कमजोर हो रही है... ऐसे अनेक सवाल जेहन में उठने स्वाभाविक हैं। माना कि राजधानी दिल्ली में आकर्षक परेड होती है। पूरे राष्ट्र की बहुलवादी लोकतांत्रिक संस्कृति की झांकी भी राजपथ पर जुलूस की शक्ल में दिखती है। देश की सैन्य शक्ति का भी भव्य प्रदर्शन होता है। राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, विदेशी मेहमानों समेत सभी अतिविशिष्ट लोग इस सरकारी कार्यक्रम में शरीक होते हैं। थोडा संक्षिप्त लेकिन इसी तर्ज पर प्रदेश की राजधानियों में भी सरकारी कार्यक्रम होते हैं। देश भर के स्कूलों में भी पारंपरिक परेड होती है, जहां बच्चों को शामिल किया जाता है। लेकिन ये सब होता है बस कुछ घंटे के लिए ही, आम जनता के स्तर पर क्या होता है खेत-खलिहान, सडक-पगडंडी, बाजार-चौराहों पर जहां दिवाली के पटाखे फूटते हैं, होली के रंग चलते हैं, गुलाल उड़ता है, फाग छिड़ती है, ईद में गले मिलते हैं, जन्माष्टमी में हांडी फूटती है, दशहरे पर अनगिनत जगह रावण मरता है - वहां सन्नाटा क्यों है, राष्ट्रीय जश्न मनाने में जनता परहेज करती सी क्यों लगती है कहीं रिपब्लिक डे में 'पब्लिक' और गणतंत्र दिवस में 'गण' पीछे तो नहीं छूट रहा

ऐसे सवालों का जेहन में उठना इसलिए भी स्वाभाविक है क्योंकि देश-समाज बदल रहा है। बाजार का वैश्विक दौर है। दुनिया छोटी होकर गांव की शक्ल ले रही है। लेकिन क्षेत्रीय संदर्भ अपनी विशिष्ट पहचान को लेकर सजग हैं। वे समाज, राजनीति, संस्कृति, विकास सभी स्तरों पर नई करवट ले रहे हैं। तो क्या वैश्विकता और क्षेत्रीयता के बीच राष्ट्रीय संदर्भ का ताप कम हो रहा है यह मुद्दा बहस का विषय हो सकता है लेकिन एक वास्तविकता ये तो है ही कि गांधी-नेहरू की रहनुमाई में आमजन के संघर्ष की आग में तपे-बढ़े आजादी के आंदोलन के मूल्यों-संस्कारों के आधुनिक संदर्भ और परिवेश बदल रहे हैं। इसे इस रूप में भी समझा जा सकता है कि आज न तो कोई ऐसा राष्ट्रीय राजनीतिक दल है और न ही कोई ऐसा राष्ट्रीय अखबार जिसकी धमक पूरे देश में महसूस की जाती हो - ये बापू का जमाना नहीं है जो किसी आश्रम से भी चंद पंक्तियां लिखकर पूरे देश को एकजुट कर सकते थे। इस बदलते परिदृश्य में जब युवाओं की लगभग आधी से ज्यादा आबादी वाला 'युवा भारत' आने वाले समय में 'महाशक्ति' बनने को तैयार है, हमें अपनी राष्ट्रीय धरोहर, जडों से भटकने की प्रवृत्ति से बचना होगा, क्योंकि यही लोकतांत्रिक-बहुलवादी संस्कृति ही हमारी राष्ट्रीय पूंजी है, चेतना है। कश्मीर से कन्याकुमारी और गुजरात से असम तक भले ही आज 28 राज्य और 7 केंद्र शासित प्रदेश हों, लेकिन हमें हमेशा याद रखना है कि हिंदुस्तान के इस गुलदस्ते में डेढ़ हजार से ज्यादा भाषाएं और बोलियां हैं, लगभग साढ़े छह हजार जातियां हैं, ढाई दर्जन प्रमुख त्यौहार हैं - और इन सभी विभिन्नताओं के बीच हम एक हैं। यही अनेकता में एकता हमारी ताकत है, थाती है।

इन विभिन्नताओं के बीच हमारी एकजुटता जहां हमारी पूंजी है, वहीं ये विभिन्नताएं हमारी खूबसूरती। यही हमारे हिंदुस्तानी गुलदस्ते के हर फूल की अलग महक और विशिष्ट पहचान भी। आज जरूरत है बेहतर समन्वय और समग्र दृष्टिबोध की। एक खास बात यह भी है कि हमारे सभी सामाजिक त्यौहारों का एक सांस्कृतिक-पौराणिक संदर्भ है जो कहीं न कहीं व्यापक संदर्भों में आधुनिकता से भी जुड़ता है। ठीक इसी तरह हमारी आधुनिक लोकतांत्रिक-गणतंत्रीय सोच को भी भारत की हजारों साल की मध्यमार्गी जनतंत्रीय दृष्टि से जोड़ने की जरूरत है। साथ ही सरकार के समानांतर आमजन के स्तर पर राष्ट्रीय दिवसों को मनाने की पहल होनी चाहिए, भले ही ऐसे प्रयास छोटे ही क्यों न हों। इससे हमारे राष्ट्रीय दिवस ही नहीं, सारा राष्ट्रीय कलेवर और भी ज्यादा गणतंत्रीय मूल्यों-संस्कारों-सरोकारों से संपन्न हो सकेगा। क्षेत्रीय ताने-बाने और वैश्विकता के ध्रुवों के बेहतर जुड़ाव का माध्यम हमारी राष्ट्रीय चेतना और भारत के वे सांस्कृतिक मूल्य ही हो सकते हैं - जो गांधी के तीन शब्द 'करो या मरो' से पूरे देश को एकजुट कर देते हैं, तिलक के गणेशोत्सव कार्यक्रम नवसांस्कृतिक आभा का संचार करते हैं और शिकागो के मंच पर विवेकानंद 'भाइयों और बहनों' संबोधन के बाद सारी दुनिया को वेदांत के संदेश से चमत्कृत और मंत्रमुग्ध कर देते हैं। तो ये है हमारी ताकत, जिसे कोई सांप्रदायिक, क्षेत्रीय, जातीय, विभाजनकारी या कोई दकियानूसी ताकत कभी तोड़ नहीं सकती। यही हमारी हजारों साल की पूंजी 'आध्यात्मिक शक्ति' भी है, जिसे खुद को साबित करने के लिए किसी लाल चौक पर झंडा फहरा कर कोई अग्निपरीक्षा देने की आवश्यकता नहीं है। ये वो राष्ट्रीयता है जो लाल किले की प्राचीर से भी उतनी ही सहजता से प्रकट होती है, जितनी किसी सुदूर अंचल के खेत-खलिहान या पगडंडी से। बस इस शाश्वत भावना को फिर से पुनर्जीवित और आत्मसात करने की आवश्यकता है, तभी हम हर उस धुंधलके को मिटा पाने में सफल होंगे, जो यदाकदा प्रश्नचिह्न बन के हमारे राष्ट्रीय मानस को कुरेदने की चेष्टा करते हैं।

ऐसा हो गणतंत्र हमारा

ऐसा हो गणतंत्र हमारा
जनहित के प्रति रहे समर्पित,
शासन तथा प्रशासन सारा।

खुशियों से हो भरा राष्ट्र यह,
गुंजित हो 'जयहिंद' सुनारा।
बढ़ें सुपथ पर मिलकर सारे
राष्ट्र बने प्राणों से प्यारा।
ऐसा हो गणतंत्र हमारा॥

देशभक्ति की धार सुपावन,
जन–मन में हो पुन: प्रवाहित।
युवक हमारे निकलें, निर्भय,
प्राण हथेली पर लें, परहित।

आतंकों के, उग्रवाद के
हामी सारे करें किनारा।
ऐसा हो गणतंत्र हमारा॥

भ्रष्टाचार रहित हो शासन,
कर्मी सारे बने हितैषी।
जगे हमारे अंतर्मन में,
निश्छलता से भाव स्वदेशी।

कभी न मानव बने यहाँ का
मानवता का ही हत्यारा।
ऐसा हो गणतंत्र हमारा॥

समता–समरसता–समृद्धि का,
हो कण–कण में नव संचारण।
सभी समस्याओं का हो फिर,
आज राष्ट्रहित, शीघ्र निवारण।

निर्बलतम जो भारत जन हैं
उनको भी अब मिले सहारा।
ऐसा हो गणतंत्र हमारा॥

भीष्म–भीम व पार्थ सदृश हों,
वीर–जयी, सेनानी सारे।
अपराजित हो सैन्य वाहिनी,
विश्व–विजय के हित हुंकारे।

पथ प्रशस्त करें वसुधा का
जय ध्वज वाहक भारत न्यारा।
ऐसा हो गणतंत्र हमारा॥

नजरअंदाज न करें बांहों के सौंदर्य को

आजकल छोटी बांहों वाले या स्लीवलेस ब्लाउज का फैशन जोरों पर है। बदलते फैशन को अपनाना तो हर स्त्री चाहती है पर अपने चेहरे के अलावा वह प्राय: अपनी बांहों और हाथों के सौंदर्य को नजरअंदाज कर देती है। काली खुरदरी कोहनियां, बांहों के ऊपरी भाग पर से लटकती ढीली त्वचा आपकी लापरवाही की कहानी बयान कर ही देती हैं। बदलते फैशन को अपनाने के लिए अपनी बांहों को सुंदर-सुगठित बनाना आवश्यक है। साथ ही कोहनियों की नियमित देखभाल करें ताकि वे साफ-सुथरी व चिकनी नजर आएं। साथ ही अंडरआऐर्म्स की सफाई पर भी बराबर नजर रखें ताकि आप भी फैशन की दुनिया में उचित स्थान पा सकें।

बनें सुंदर चिकने हाथ

यदि आप चाहती है कि आपके हाथ साफ-सुथरे व चिकने दिखें, साथ ही वे सुडौल व सुगठित भी लगें, ताकि आप छोटी बांहों वाली ड्रेस व स्लीवलेस ब्लाउज बिना किसी हिचकिचाहट के पहन सकें, तो नीचे बताए गए उपायों को अपनाएं।

हाथ साफ-सुथरे व चिकने दिखें इसके लिए प्राय: स्त्रियां वैक्सिंग का सहारा लेती हैं, लेकिन वैक्सिंग नियमित रूप से करानी आवश्यक होती है। हममें से अमूमन स्त्रियां अवसर विशेष के लिए तो हाथों के सौंदर्य पर ध्यान दे देती हैं, लेकिन उसके बाद फिर लापरवाह हो जाती हैं। वैक्सिंग पिग्मेंटेशन व टैनिंग जैसी समस्याओं का कारण भी बनती है। इस समस्या से बचने के लिए एक्सप्रेशन ब्यूटी क्लीनिक की ब्यूटी एक्सपर्ट सिम्मी घई कहती हैं कि ऐसे में हाथों को सूरज की अल्ट्रॉवायलेट किरणों से बचाना चाहिए। इसके लिए बाहर निकलते वक्त चेहरे, गर्दन के साथ-साथ हाथों और पैरों पर भी सनस्क्रीन लगानी चाहिए। इसी तरह यदि आप ड्राइविंग कर रही हैं तो बहुत जरूरी है कि आप फुलस्लीव की ड्रेस या ब्लाउज पहनें या फुलआर्म दास्ताने प्रयोग करें। अंडरआर्म में कालापन प्रतीत न हो इसके लिए लेजर हेयर रिमूवल ही अधिक उचित उपाय है। साथ ही बांहों को भी साफ रखें। जिस तरह आप अपना चेहरा साफ करती हैं, उसी तरह उन्हें भी साफ करें। चूंकि बांहों की त्वचा अपेक्षाकृत कम मुलायम होती है, अत: इन पर साबुन का प्रयोग भी कम करें तो बेहतर होगा।

यदि आप पार्लर में जाकर वैक्सिंग करवा रही हैं तो वहां की स्वच्छता के बारे में पूरी जांच कर लें, जिससे किसी तरह के इन्फेक्शन का अंदेशा न रहे और वैक्सिंग करवाने के बाद एसपीएफ 15 का सनस्क्रीन लोशन अवश्य प्रयोग करें। यदि सनस्क्रीन लोशन लगाने के बाद भी पिगमेंटेशन की समस्या हो तो ग्लाईसोलिक पील का प्रयोग बहुत लाभदायक होता है। बांहों को जितना अधिक सूर्य के तेज प्रकाश से बचा कर रखेंगी, झुर्रियां उतनी ही देर से दिखाई देंगी।

टोनिंग के लिए

हाथों की संपूर्ण टोनिंग के लिए हलके वेट वाले डंबल का प्रयोग करें। रोजाना सुबह आप 20-25 बार डंबल्स से हाथों की एक्सरसाइज करें। धीरे-धीरे वजन भी बढा सकती हैं और संख्या भी। बाद में इसे 35-40 बार तक करें। सूर्य नमस्कार भी बांहों की टोनिंग में लाभकारी है इसे कम से कम 2-3 बार हर रोज करें। साथ ही इसके लिए नीचे बताए जा रहे तरीकों से एक्सरसाइज भी करें -

- किसी समतल जगह पर आराम से बैठें। सीधी बांह ऊपर उठा कर बायीं तरफ धीरे-धीरे जितना अधिक मोड सकती हैं मोडें, फिर पूर्वस्थिति में आ जाएं। इसी तरह दूसरी बांह से करें। प्रत्येक बांह से कम से कम 8-10 तक करें धीरे-धीरे संख्या बढाती जाएं।
- सीधे खडी हो जाएं। दोनों बांहों को कोहनी से मोड कर बारी-बारी से पीठ का पिछला भाग छुएं। ऐसा कम से कम 50-60 बार करें। नियमित ऐसा करने से बांहों की त्वचा में कसाव आता है।
- यदि तैरना जानती हैं तो सर्वोत्तम हैं। तैराकी से बांहों का बहुत अच्छा व्यायाम हो जाता है। बांहों की गठन सुडौल होती है और बांहें मजबूत भी होती हैं।
- यदि इसके बावजूद भी आपकी बांहें सुडौल नहीं हो पा रही हैं तो आप आधुनिक तकनीक जिसे मेटटोथेरैपी कहते हैं, का सहारा ले सकती हैं। इस तकनीक में कुछ खास दवाओं को इंजेक्शन के द्वारा उसी स्थान पर लगाया जाता है, जहां जरूरत हो। इससे उस स्थान से फैट सेल परिवर्तित हो जाते हैं।

घरेलू नुसखे भी उपयोगी

बांहों के सौंदर्य में कोहनियों को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। कोहनियों के काले व खुरदुरेपन को ऐसे दूर करें-

काली कोहनियों के लिए : 2 टी स्पून नीबू के रस में 2-3 टी स्पून चीनी, 1/2 टी स्पून ग्लिसरीन मिलाएं। फिर आधा कटे नीबू को उसमें डुबोकर कोहनियों पर रगडें। 10 मिनट तक लगा रहने दे फिर धो दें। ऐसा 4-5 दिन लगातार करें और फर्क देखें।

बांहों को सुडौल बनाने के लिए : 4 टी स्पून चावल के आटे में 4 टी स्पून संतरे के छिलके का पाउडर, 4 टी स्पून नीबू के छिलके का पाउडर, 2 टी स्पून मुल्तानी मिट्टी, थोडा सा दूध डालकर पेस्ट तैयार करें। फिर उसे कोहनियों पर और हाथों पर लगाकर सूखने दें। जब सूख जाए तो हाथ में थोडा सा दूध डालकर गीला करें और रगडकर छुडाएं। ऐसा एक महीने लगातार करने पर बांहें सुडौल बनेंगी।

अंडरआऐर्म्स का कालापन दूर करने के लिए : 2 टी स्पून चावल का आटा, 2-2 टी स्पून दरदरा बादाम व चंदन पाउडर और थोडा सा दूध मिलाकर पेस्ट बनाएं। तैयार मिश्रण को अंडर आऐर्म्स पर लगा कर कुछ देर हलके हाथ से रगडें फिर धोकर साफ करें।

टैनिंग दूर करने के लिए : 5 टी स्पून शहद, 2 टी स्पून चंदन पाउडर, 1 टी स्पून चाइना क्ले, आधा नीबू का रस व थोडा-सा दूध मिलाकर पेस्ट बना लें। इस मिश्रण को प्रभावित स्थान पर लगाएं। सूखने पर दूध के हाथ से थपथपा कर छुडाएं।

त्वचा में कसाव लाने के लिए : 5 टी स्पून स्टार्च पाउडर, 4 टी स्पून चावल का आटा, कुछेक गुलाब की पंखुडियां, कुछ बूंदें एरोमा ऑयल की। सारी सामग्री को मिलाकर किसी खुरदुरे कपडे में भरकर पाउच सा बना लें और गीली बांहों पर कुछ देर हलके हाथों से रगडें। कुछ दिन तक नियमित ऐसा करें।

करें कुछ ऐसा भी : अपनी बांहों को आकर्षक बनाने के लिए विविध प्रकार के टैटू से सजाएं। इन उपायों को अपनाकर आप निश्चय ही सुंदर, सुडौल व सुगठित बांहों की मलिका बन सकती है। साथ ही आप जो भी पहनेंगी खूबसूरत ही लगेंगी।

क्रीमी वेजीटेबल्स

सामग्री : 1 कप मिक्स कटी सब्जियां (पत्तागोभी, गाजर, शिमला मिर्च, बेबीकॉर्न और प्याज), डेढ़ टीस्पून तेल, सजावट के लिए हरी धनिया।

ग्रेवी के लिए : 1 कप दही, 1/4 कप क्रीम, डेढ़ टीस्पून कॉर्नफ्लोर, 2 टीस्पून टोमैटो केचअप, आधा-आधा टीस्पून अदरक-हरी मिर्च का पेस्ट, लहसुन का पेस्ट, गरम मसाला, ऑरिगेनो और स्वादानुसार नमक।

विधि : ग्रेवी की सभी सामग्री को अच्छी तरह मिला लें। तेल गर्म करें और सब्जियों को चलाते हुए कुछ मिनट तक भूनें। इसमें ग्रेवी डालें और 5 मिनट तक उबालें। कटी हुई हरी धनिया से सजाकर परोसें।

रसोई घर में है सौंदर्य की पिटारी

सुंदर दिखने की चाहत को पूरी करने के लिए आज बाजार में न जाने कितने प्रकार के सौंदर्य प्रसाधन मौजूद हैं। लेकिन त्वचा को कुदरती चमक और कोमलता प्रदान करने के लिए प्राकृतिक उपादानों का प्रयोग चमत्कारी परिणाम देता है। दरअसल घरेलू उपचार में किसी भी प्रकार के केमिकल नहीं होते। इसीलिए इनके प्रयोग से त्वचा को किसी तरह का नुकसान भी नहीं होता है।

स्थाई सुंदरता पाने के लिए प्राकृतिक चीजों का इस्तेमाल करने में ही समझदारी है। अपने सौंदर्य को बरकरार रखने और बढाने के लिए कहीं दूर जाने की आवश्यकता नहीं है। सौंदर्य विशेषज्ञा शहनाज हुसैन कहती हैं कि अपनी रसोई में झांककर देखें, न जाने ऐसी कितनी चीजें है जो आपके सौंदर्य में चार-चांद लगा सकती हैं। यदि जरा-सी सूझबूझ से काम लिया जाए तो आपका रसोई घर ही ब्यूटी पार्लर बन सकता है। इस तरह रासायनिक प्रसाधनों के दुष्प्रभाव एवं ब्यूटी पार्लर के महंगे खर्च से भी बचा जा सकता है क्योंकि रसोईघर में वह सब कुछ मौजूद होता है जो प्राकृतिक सुंदरता प्रदान कर सके।

त्वचा को कांति प्रदान करें

- खानपान का तौर तरीका भी रूप लावण्य को प्रभावित करता है। इसके लिए आवश्यक है कि सुबह के नाश्ते में तली हुई चीजों का सेवन न करके, दूध, दही, अंडा, लस्सी या अंकुरित अनाज को सम्मिलित करें।
- जहां तक संभव हो, मौसमी फल, सब्जियों को नाश्ते में सम्मिलित करें। लौकी के रस में, तुलसी, पुदीना और पिसी हुई काली मिर्च मिलाकर सेवन करें। गुनगुने पानी में नीबू का रस मिला कर पिएं। इससे रंग-रूप में तो निखार आएगा ही, शरीर भी छरहरा बनेगा।
- खीरे का रायता बनाते वक्त थोडा सा कसा हुआ खीरा निकाल लें। उसे आंखों पर कुछ देर रखने से आंखों को आराम मिलेगा और काले घेरे भी दूर होंगे।
- चेहरे के निखार के लिए गाजर, खीरे, टमाटर या संतरे के रस को लगाया जाए तो यह त्वचा के लिए उत्कृष्ट टॉनिक के समान काम करेगा और इससे चेहरे की कांति भी बनी रहेगी।
- केले या पपीते के गूदे को मसल कर शहद के साथ मिलाकर चेहरे पर लगाएं। यह कुदरती मॉस्चराइजर का काम करता है।
- बथुआ उबालने के बाद उसके बचे हुए पानी को फेंकने के बजाय, उससे हाथ धोया जाए तो वे मुलायम रहते हैं।
- चावल के मांड से हाथ धोने पर, हाथों की नमी बनी रहती है।
- मूली का रस चेहरे की झाइयां समाप्त करता है।
- दही में शहद मिलाकर चेहरे पर लगाएं। ये त्वचा की टैनिंग दूर करता है।
- नीबू के छिलकों पर थोडी चीनी डालकर नाखूनों या एडियों पर रगडने से त्वचा का कालापन हट जाता है।
- अधिक तेज धूप में आने-जाने से यदि आपकी त्वचा झुलस गई हो तो दो चम्मच टमाटर के रस में, चार चम्मच छाछ मिलाकर लगाएं। लाभ होगा।
- सांवली त्वचा के लिए चिरौंजी दाना को रात भर दूध में भिगोकर रखें। सुबह पीसकर उसमें हल्दी मिलाकर चेहरे पर लगाएं। एक घंटे बाद धो लें। चेहरे की खुश्की दूर होगी और निखार भी आएगा।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ)
मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश सफल होगी। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा. नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। अपने काम को प्राथमिकता से करें। शुभांक-6-8-9

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो)
आत्मविश्वास बढ़ेगा। कारोबारी काम में बाधा उभरने से मानसिक अशांति बनी रहेगी। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। मांगलिक कार्योंक्रमों का आयोजन होगा। शुभांक-2-5-8

मिथुन (का की कू घ ड छ के को हा)
विरोधी नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेगा। स्वास्थ्य लाभ में समय और धन व्यय होगा। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। शुभांक-5-7-8

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो)
पर-प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। आलस्य का त्याग करें। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंग। शुभांक-4-5-7

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे)
कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। मित्रों से सावधान रहें तो ज्यादा उत्तम है। शुभांक-1-3-6

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगें। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। निष्ठा से किया गया कार्य पराक्रम व आत्मविश्वास बढ़ाने वाला होगा। शुभांक-2-4-6

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते)
शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। खान-पान में सावधानी रखें। व्यापार में प्रगति होगी। अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। शुभांक-5-7-8

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू)
जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। पुरुषार्थ का सहारा लें। कार्यसिद्धि होने में देर नहीं लगेगी। आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा। शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। परिवार में किसी मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नही। शुभांक-3-5-7

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे)
धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। पुराने मित्र से मिलन होगा। स्वविवेक से कार्य करें। शुभांक-4-6-8

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी)
समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। स्वविवेक से कार्य कर। शुभांक-3-6-9

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा)
हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। साथ ही आगे के लिए रास्ता भी बन जाएगा। यात्रा का योग। जीवन साथी अथवा यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूंजी निवेश सोच-समझकर करें। शुभांक-2-4-6

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची)
कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। शत्रुहानि की आशंका रहेगी। आय के योग बनेंगे। किसी की सफलता से प्रेरित होंगे। शुभांक-1-3-5

काकुरो पहेली - 1968

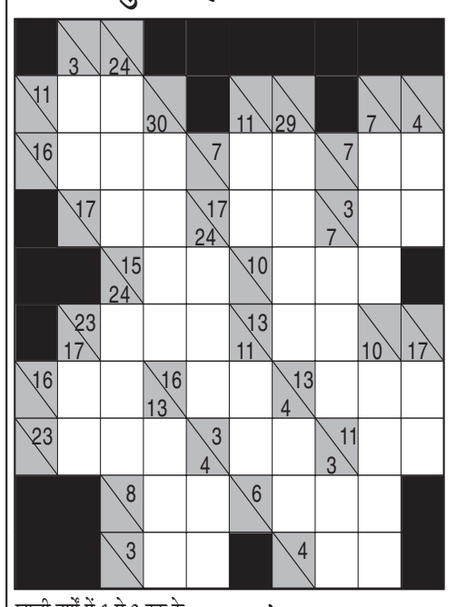

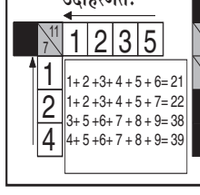

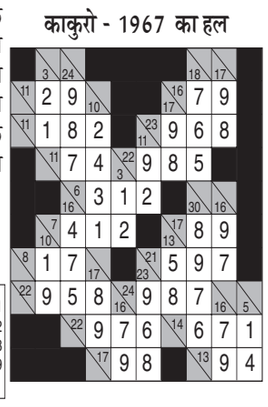

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

काकुरो - 1967 का हल

हंसी के फूव्वारें

एक बार अध्यापक जी अपने एक छात्र सुनील के घर गए. सुनील ने अपने अध्यापक जी का स्वागत किया. अध्यापक जी को खीर खाने को दिया. अध्यापक जी जब खीर खा रहे थे तभी सुनील की मां वहां आयी. अध्यापक जी को खीर खाते देख वह हैरान होकर सुनील से पूछीं-बेटा, सुनील, तुमने यह खीर अध्यापक जी को खाने क्यों दिया? इसे तो रात बिल्ली चाट रही थी. यह सुनकर अध्यापक जी ने खीर का वह कटोरा फेंक दिया. सुनील फौरन अध्यापक जी से बोला-अध्यापक जी, आपने वह कटोरा क्यों फेंक दिया? अब मेरा कुत्ता किस कटोरे में खाएगा?

विज्ञान की कक्षा में शिक्षक कह रहा था, 'बच्चों, विज्ञान में बहुत शक्ति है पर इतनी नहीं कि एक जीव को दूसरे में बदल दे........'

'पर सर,' एक लड़के ने धीरे से उसकी बात काटी, 'वह शक्ति आप में तो है.'

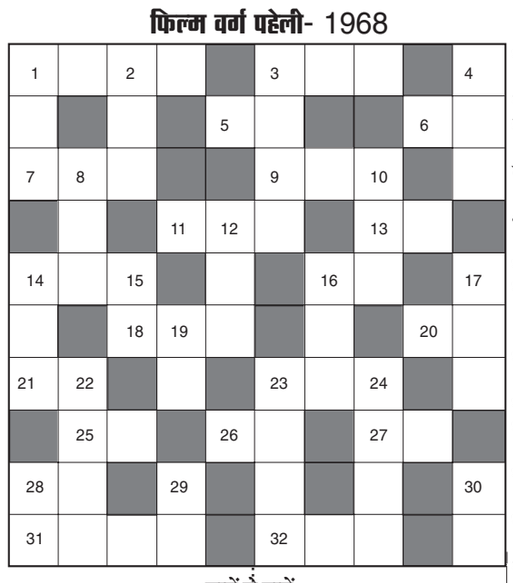

'क्या बक रहा है तू?' शिक्षक बड़बड़ाया.

'सच ही तो कह रहा हूं-आप जब चाहते हैं, तब हमें मुर्गा बना देते हैं.'

बीवी ने मियाँ से पूछा, 'क्यों जी, ऐसी कौन-सी वस्तु है जो पुरुषों को पसंद है और महिलाओं को नहीं?'

मियाँ डरते-डरते, 'खामोशी.'

फिल्म वर्ग पहेली- 1968

बायें से दायें:-

१. 'चाँद तारे तोड़ लाऊं' गीत वाली शाहरूख, जूही की फिल्म-२,२
३. सैफ, काजोल की 'नीला दुपट्टा पीला सूट' गीत वाली फिल्म-३
५. 'क्या यही प्यार है' गीत वाली संजयदत्त, टीना मुनीम की फिल्म-२
६. संजयदत्त, शरद, मनीषा, रवीना की 'ओ गोरी तू चली' गीत वाली फिल्म-२
७. 'चमन में रहके वीराना' गीत वाली दिलीप, निम्मी की फिल्म-३
९. ऋषि, चंकी, नीलम की 'देखा जो हुस्न आपका' गीत वाली फिल्म-३
११. 'कोई नहीं तेरे जैसा' गीत वाली अक्षय, सैफ अली की फिल्म-३
१३. फिल्म 'मिलाप' की नायिका-२
१४. 'गोपी किशन' में किस की दोहरी भूमिका थी?-३
१६. ऋषि कपूर, जेबा, अश्विनी भावे की 'आजा वे माही' गीत वाली फिल्म-२
१८. फिल्म 'धरती' में राजेंद्र कुमार के साथ नायिका कौन थी?-३
२०. 'जादू है नशा है' गीत वाली फिल्म-२
२१. 'इस टूटे दिल की' गीत वाली अनिल अक्षय, ऐश्वर्या की फिल्म-२
२३. राजेश, टीना, पद्मिनी की 'जिंदगी प्यार का' गीत वाली फिल्म-३
२५. 'मेघा रे मेघा' गीत वाली फिल्म-२
२६. विकास भल्ला, सुमीत सहगल, नीलम की एक फिल्म-२
२७. 'जवानी दीवानी' में रणधीरकपूर के साथ नायिका कौन थी?-२
२८. फिल्म 'फूल और पत्थर' में धर्मेन्द्र के किरदार का क्या नाम था?-२
३१. संजय दत्त, मनीषा की 'हो रब्बा तू ही बचा' गीत वाली फिल्म-४
३२. फिल्म 'स्टम्प्ड' में अली खान के साथ नायिका कौन है?-३

ऊपर से नीचे:-

१. दिलीप कुमार, मीना की 'दिल से तुझ को बेदिली है' गीत वाली फिल्म-३
२. 'संदेसे आते हैं' गीत वाली फिल्म-३
३. अजय देवगन, तब्बू की 'आ पपियाँ झपियाँ पा लें हम' गीत वाली फिल्म-४
४. 'जीवन से भरी तेरी आँखें' गीत वाली राजेश, शर्मिला की फिल्म-३
८. ऋषि, सनी, मीनाक्षी की 'बिन साजन झूला' गीत वाली फिल्म-३
१०. 'खुशी' में फरदीन की नायिका?-३
१२. 'गुस्सा इतना हसीन है तो' गीत वाली राजकुमार, राजेशखन्ना, मालासिन्हा की फिल्म-३
१४. 'जलते हैं जिसके लिये' गीत वाली सुनील दत्त, नूतन की फिल्म-३
१५. रेवती की पहली हिंदी फिल्म?-२
१६. 'साथिया बिन तेरे' गीत वाली सनी, तब्बू, शिल्पा की फिल्म-३
१७. विश्वजीत, बबीता की 'लाखों हैं यहाँ' गीत वाली फिल्म-३
१९. 'लंबी जुदाई' गीत वाली जैकी श्रॉफ, मीनाक्षी शेशाद्रि की फिल्म-२
२२. राजेंद्र, धर्मेन्द्र, नालासिन्हा की 'आज गालो मुस्करा लो' गीत वाली फिल्म-४
२३. 'तेरा मेरा साथ रहे' गीत वाली फिल्म-४
२४. राजेश खन्ना, श्रीदेवी की 'कह दे जमाने से' गीत वाली फिल्म-४
२८. 'दिलजले' में अजय का नाम?-२
२९. प्रशांत और ऐश्वर्या की एक फिल्म-२
३०. 'मिलती है झुकती है' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 1967

सूडोकु -1968

		6	4		5	8		
9				1				7
6	5			4			7	1
	4						2	
1	2			6			9	8
3				8				9
		8	6		9	5		

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु - 1967 का हल

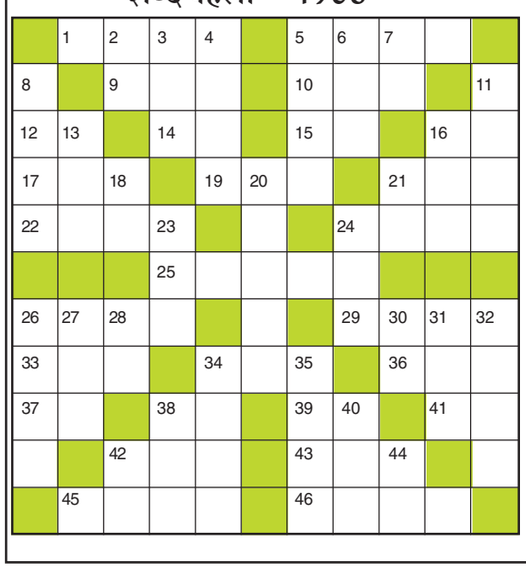

2	4	5	6	9	8	1	7	3
1	7	6	4	3	5	8	2	9
3	8	9	1	2	7	6	5	4
9	1	7	3	6	2	4	8	5
5	6	3	8	7	4	9	1	2
4	2	8	5	1	9	3	6	7
7	3	1	9	5	6	2	4	8
8	9	2	7	4	1	5	3	6
6	5	4	2	8	3	7	9	1

शब्द पहेली - 1968

बाएँ से दाएँ

1.सरदार,अगुआ-4
5.जनमत,एक राय-4
9.पुराना जुकाम-3
10.चिंता,परवाह-3
12.पैंदा,तल्ला-2
14.ताल,सुर,आलाप-2
15.महोदय (अंग्रेजी-2)
16.लाडला,दुलारा-2
17.निवास करना-3
19.डोली उठाने वाले-3
21.नसीरुद्दीन शाह की फिल्म-3
22.तड़फाना-4
24.जल में रहनेवाला-4
25.दरियादिल,करुण-5
26.इराक की राजधानी-4
29.भेंट,पुरस्कार-4
33.पासों से भविष्य देखना-3
34.अश्ववाहक,घुड़सवार-3
36.चौकसी,रखवाली-3
37.हलक,कंठ-2
38.सदैव-2
39.लार -2
42.निश्चित-2
42.कालीन-3
43.बंदर,मर्कट-3
45.किसान-4
46.इस्लामी कैलेंडर का एक महीना -4

ऊपर से नीचे

2.क्रिकेट में बनते हैं-2
3.नगमा,गीत (उर्दू-3)
4.जो लायक न हो-4
5.अधिकारी,अफसर-4
6.राशिचक्र की एक राशि -3
7.झगड़ा,बैर-2
8.आदत,व्यवहार-4
11.शमशीर-4
13.तरंग,हिलोर-3
16.तृष्णा,लोभ-3
18.अमेरिका स्थित वेधशाला-2
20.जितेंद्र इस फिल्म में सात सवाल हल करते हैं -5
21.नीर,पानी-2
23.देवर्षि-3
24.ईर्ष्या,डाह-3
26.वटवृक्ष-4
27.जिसमें पौधे लगाते हैं-3
28.दलहन-2
30.मंत्र जाप-2
31.तसल्ली,आराम-3
32.भगवान विष्णु-4
34.धर्मशीलता-4
35.पैजामा-4
38.तमीज-3
40.साजन,प्रेमपात्र-3
42.पहरा,चौकसी-2
44.अवकाश-2

शब्द पहेली - 1967 का हल

शाहजहांपुर में दर्दनाक सड़क हादसा: डंपर और बस की जोरदार टक्कर में 12 लोगों की मौत

उत्तर प्रदेश के शाहजहांपुर में दर्दनाक सड़क हादसा हो गया है। जहां डंपर और बस की जोरदार टक्कर में 12 लोगों की मौत हो गई है। इस हादसे में पर सीएम योगी ने दुख जताया है।

शाहजहांपुर. उत्तर प्रदेश के शाहजहांपुर में दर्दनाक सड़क हादसा हो गया है। जहां डंपर और बस की जोरदार टक्कर में 12 लोगों की मौत हो गई है। इस हादसे में पर सीएम योगी ने दुख जताया है। हादसा घने कोहरे की वजह से हुआ है। मौके पर पहुंची पुलिस ने घायलों को अस्पताल पहुंचाया है। पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। पुलिस ने ट्रक को कब्जे में लेकर जांच शुरू की।

हादसा थाना अल्लाहगंज क्षेत्र के सुगसुगी गांव के पास स्टेट हाईवे पर हुआ है। यहां बस और डम्पर में भीषण भिड़ंत हो गई। आमने-सामने की भीषण टक्कर में बस में सवार 12 यात्री की मौत हो गई, जबकि कई अन्य घायल है, जिन्हें पास के अस्पताल में भर्ती किया गया है। वहीं मृतकों की पहचान कराई जा रही। साथ ही गंभीर रूप से घायल लोगों को हायर सेंटर रेफर किया जा रहा है। आशंका जताई जा रही है कि मृतकों की संख्या बढ़ सकती हैं।उधर हादसे की सूचना पर मौके पर पुलिस अधीक्षक और डीएम भी पहुंचे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी हादसे पर दुःख जताया है और मृतकों के परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की है। साथ ही अधिकारियों को मौके पर पहुंचकर राहत बचाव करने और घायलों के समुचित निर्देश दिए हैं। साथ ही मृतकों के परिजनों से मिलकर संवेदना व्यक्त करने को कहा है।

रामलला की पोशाक तैयार करने वाले डिजाइनर ने कहा- भगवान के साथ दिव्य संबंध से संभव हुआ

अयोध्या. अयोध्या में नवनिर्मित राम मंदिर में रामलला की पोशाक को डिजाइन करने वाले मनीष त्रिपाठी ने कहा कि भगवान राम के साथ दिव्य संबंध ने उन्हें इस कार्य को पूरा करने में मदद की। त्रिपाठी ने बुधवार को कहा, ''हमने काशी (वाराणसी) में भगवान के लिए पीतांबरी (पीला) कपड़ा तैयार कराया। इसकी खास बात यह है कि इसे तैयार करने में रेशम के साथ-साथ सोने और चांदी के तार का भी इस्तेमाल किया गया है।

उन्होंने पोशाक तैयार करने में इस्तेमाल की गई सामग्री और डिजाइन के बारे में कहा, ''हमने पोशाक पर जो कढ़ाई की है, उसमें वैष्णव प्रतीक हैं। उन्होंने कहा, ''सबसे बड़ी चुनौती ऐसा कपड़ा तैयार करना था जो बाल स्वरूप और भगवान की भव्यता के अनुरूप हो। मैंने भगवान से मुझे रास्ता दिखाने के लिए प्रार्थना की और उन्होंने मुझे उसके लिए संकेत दिखाए और

ज्ञान दिया ताकि मैं ऐसा कपड़ा तैयार कर सकूं। लखनऊ में जन्मे और पले-बढ़े युवा डिजाइनर ने कहा कि 500 से अधिक वर्षों से इस आंदोलन का इंतजार कर रहे भक्तों की कल्पना और उम्मीदों पर खरा उतरना भी एक चुनौती थी।

त्रिपाठी ने कहा, ''पोशाक को लेकर सभी से बहुत अच्छी प्रतिक्रिया मिलने के बाद मैं बहुत गौरवान्वित महसूस कर रहा हूं।÷ उन्होंने कहा, ''मुझे मेरी मां और मेरी पत्नी से सबसे अच्छी प्रतिक्रिया मिली, जिन्होंने अपने चेहरे पर मुस्कान और आंखों में आंसू के साथ पोशाक की सराहना की।

अजय देवगन स्टाइल में स्टंटबाजी करना शख्स को पड़ा भारी पुलिस ने काटा 22 हजार का चालान

उत्तर प्रदेश के कानपुर जिले का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी के साथ वायरल हो रहा है। जिसमें एक शख्स ने फिल्मी स्टाईल में 2 स्कॉर्पियो के बोनट पर खड़े होकर रील बनाई है। पुलिस ने इस मामले में अब एक्शन लिया है। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए...

कानपुर. उत्तर प्रदेश के कानपुर जिले का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी के साथ वायरल हो रहा है। जिसमें एक शख्स ने फिल्मी स्टाईल में 2 स्कॉर्पियो के बोनट पर खड़े होकर रील बनाई है। पुलिस ने इस मामले में अब एक्शन लिया है। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए दोनों गाड़ियों का 22 हजार 500 रुपए का चालान काटा है। इसके साथ ही चेतावनी भी दी गई है कि अगर उन्होंने चालान नहीं भरा तो गाड़ियों को कुर्क कर लिया जाएगा। इन दोनों गाड़ियों पर पहले भी कई चालान पेंड़िंग हैं।

कानपुर के गंगा बैराज का है स्टंट करने का वीडियो

सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, स्टंट करने का वीडियो कानपुर के गंगा बैराज का है। वायरल वीडियो में साफ दिख रहा है कि युवक धार्मिक जुलूस में खतरनाक स्टंटबाजी कर रहा है। यह जुलूस अयोध्या के राम मंदिर में प्रतिमा की प्राण प्रतिष्ठा वाले दिन (22 जनवरी) निकाला गया था। गाड़ी पर स्टंटबाजी करने का यह वीडियो akshaysen-द्दड्डह्व12 नाम के इंस्टाग्राम अकाउंट पर डाला गया था। इसी तरह की स्टंटबाजी के और भी कई वीडियो इस अकाउंट पर हैं।

पुलिस ने काटा 22 हजार रुपए का चालान

वहीं इस पूरे मामले की जांच कर रहे डीसीपी प्रमोद कुमार का कहना है कि एमवी एक्ट के अंतर्गत दोनों गाड़ियों का चालान किया गया है। अगर चालान का भुगतान नहीं किया गया तो गाड़ी कुर्क कर ली जाएगी।

अवैध नंबर प्लेट लगी जिन 2 स्कॉर्पियो पर सवार होकर गंगा बैराज पर स्टंटबाजी की गई, वह अजेंद्र सिंह नाम के शख्स की बताई जा रही हैं। उल्लेखनीय है कि इन्हीं दोनों स्कॉर्पियो से जानलेवा स्टंट करते हुए एक युवक के वीडियो वायरल हुए थे।

वह 'अजय देवगन स्टाइल' में दो चलती हुई गाड़ियों के बोनट पर खड़े होकर भगवा ध्वज लहरा रहा था। बैकग्राउंड में धार्मिक सॉन्ग चल रहा था और शख्स ने धोती पहन रखी थी।

मटन की दुकान पर शराबी सिपाही ने जमकर काटा हंगामा, वजह जान रह जाओगे हैरान

बस्ती. उत्तरप्रदेश के बस्ती जिले में शहर के रोडवेज बस अड्डे पर एक शराबी सिपाही ने जमकर हंगामा काटा, जिससे आसपास अफरातफरी मच गई। सिपाही का हंगामा सुनकर आपको भी हंसी आ जायेगी, क्योंकि जनाब अपनी वर्दी का धौंस दिखाकर एक मटन की दुकान से फ्री में मटन मांग रहे थे। जिसपर दुकानदार ने मना कर दिया तो झुंझलाए सिपाही ने दुकानदार से जमकर गाली गलौज की। सिपाही की इस करतूत का किसी ने वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। मामला जैसे ही एसपी के पास आया तो उन्होंने सिपाही को तत्काल लाइन हाजिर कर दिया।

शराबी सिपाही ने वर्दी की धौंस दिखाकर फ्री में मांगा मटन

दरअसल शहर कोतवाली में तैनात सिपाही अमित सिंह दोपहर 2 बजे रोडवेज स्थित एक मटन की दुकान पर पहुंचा, यहां भीड़ थी, वह दुकान के भीतर घुसते ही दुकानदार से फ्री में मटन मांगने लगा। आरोप है कि दुकानदार ने जब मना कर दिया तो वह दुकानदार से गाली गलौज करने लगा। जिसे दुकानदार थोड़ी देर तक बर्दाश्त करता रहा, इसके बाद सिपाही भड़क गया और तेज आवाज में अपशब्द कहने लगा। दुकानदार को जब उसकी बात नागवार लगी तो उसने पहले मना किया, फिर सिपाही से उलझ गया।

एसपी ने शराबी सिपाही को किया लाइन हाजिर

हालांकि, मौके पर मौजूद लोगों ने बीच-बचाव किया मगर उसने दुकानदार को धकेल दिया और मटन देने का दबाव बनाते हुए गालियां देने लगा। इसी बीच किसी ने इस पूरी घटना का वीडियो बना लिया और थोड़ी ही देर में यह सोशल मीडिया पर वायरल होने लगा। वीडियो वायरल होने के बाद इस मामले को लेकर चर्चा होने लगी। मामला एसपी गोपालकृष्ण चौधरी के संज्ञान में आया तो उन्होंने तत्काल कार्रवाई करते हुए सिपाही अमित सिंह को लाइन हाजिर कर दिया है।

स्पेशल जज पॉक्सो एक्ट कोर्ट ने किशोरी से दुष्कर्म के दोषी को सुनाई आजीवन कारावास की सजा

बरेली. किशोरी संग दुष्कर्म के आरोपी मुड़िया अहमद नगर निवासी बुन्दन को दोषी पाते हुए स्पेशल जज पॉक्सो एक्ट कोर्ट हरिप्रसाद ने आजीवन कारावास व 25 हजार रुपये जुर्माना की सजा सुनाई। जुर्माने में से 20 हजार रुपये पीड़िता को बतौर मुआवजा दिये जायेंगे। बीमार होने पर जांच कराई तो हुई थी गर्भवती होने की जानकारी

पीड़िता की मां ने थाना इज्जतनगर में 4 मई 2022 को तहरीर दी थी कि उनकी 15 वर्षीया बेटी की तबीयत खराब थी। डॉक्टर को दिखाने ले गयी तो पता लगा कि वह गर्भवती है। पूछने पर बेटी ने बताया कि बुन्दन 4-5 माह से पैसे का लालच देकर नदी की तरफ ले जाकर गलत काम करता था जिससे वह गर्भवती हो गयी। पुलिस ने दुष्कर्म, पॉक्सो एक्ट, एससी-एसटी एक्ट समेत गंभीर धाराओं में रिपोर्ट दर्ज कर विवेचना उपरांत चार्जशीट कोर्ट में पेश की। अभियोजन की ओर से नौ गवाह पेश किए गए।

किशोरी से दुष्कर्म का आरोपी बरी

बरेली- एक अन्य मामले में किशोरी को बहला फुसलाकर ले जाकर दुष्कर्म करने के आरोपी भमौरा के ग्राम सिंघा निवासी उपेंद्र मौर्य को स्पेशल जज पॉक्सो एक्ट कोर्ट अभिषेक कुमार चतुर्वेदी ने दोषमुक्त करार दिया।

आरोपी के वकील बनवारी लाल मौर्य ने तर्क दिया कि गांव में पार्टीबंदी के चलते उपेंद्र को फंसाया गया। 4 मार्च 2021 को थाना भमौरा में तहरीर देकर पीड़िता की मां ने लड़की को ले जाने की रिपोर्ट दर्ज करायी थी। भमौरा पुलिस ने दुष्कर्म, पॉक्सो समेत गंभीर धाराओं में आरोप पत्र कोर्ट भेजा था। अभियोजन ने 6 गवाह पेश किये थे।

नकल शाखा के बाद पेंशन कार्यालय में भी रिश्वत के मिले प्रमाण

इन्दौर. विगत दिनों कलेक्ट्रेट की नकल शाखा की महिला क्लर्क द्वारा सौ दौ सौ सेवा शुल्क के नाम पर खुलेआम रिश्वत लेने के वायरल विडियो के बाद तकरीबन सभी सरकारी विभाग में हड़कंप मचा हुआ है। उच्चाधिकारी प्रशासनिक कसावट के साथ हरकत में आ गए हैं। कलेक्टर इन्दौर ने तो उस महिला क्लर्क को निलंबित करने के बाद कलेक्ट्रेट के समस्त विभागों की सर्जरी करते लम्बे समय से एक ही सीट पर जमे तृतीय श्रेणी कर्मचारी को इधर उधर कर दिया।

कलेक्ट्रेट की नकल शाखा के रिश्वत कांड के बाद अब पेंशन शाखा में रिटायर शासकीय कर्मचारियों से रिश्वत मांगे जाने की शिकायत की जांच के बाद कार्यालय में पेंशन के लिए कर्मचारियों से सेवा शुल्क मांगा जाता था , इसके भी प्रमाण मिले । जिस पर कलेक्टर आशीष सिंह ने सख्त कार्यवाही करते हुए संयुक्त निर्देशक पेंशन और पांच सहायक पेंशन अधिकारियों को कारण बताओ नोटिस जारी करते हुए संभागायुक्त के समक्ष लापरवाह कर्मचारियों को निलम्बित करने सहित विभागीय जांच करने अनुशंसा हेतु प्रकरण भेजा है ।

एडीएम गौरव बैनल के अनुसार पेंशन कार्यालय स्टाफ द्वारा पेंशनधारियों को परेशान करने की शिकायत लगातार मिल थी जिस पर औचक निरीक्षण के दौरान अधिकारियों से लम्बित प्रकरणों की जानकारी मांगी गई थी कई प्रकरण ऐसे मिले थे , जिसको बगैर किसी कारण के रोका गया था । इस मामले में जब पेंशन अधिकारियों से बात की गई तो वे प्रकरण रोकने का तर्कसंगत कारण नहीं बता सके । इसकी पूरी जांच रिपोर्ट कलेक्टर सिंह के समक्ष रखी गई जिससे बाद उन्होंने संभागायुक्त के समक्ष लापरवाह कर्मचारियों को निलम्बित करने सहित विभागीय जांच करने अनुशंसा करते हुए प्रकरण भेजा है ।

एडीएम बैनल का यह भी कहना है कि कार्यालय में पेंशन के लिए कर्मचारियों से सेवा शुल्क मांगा जाता था , इसके भी प्रमाण मिले हैं ।

प्रशासन की ओर से सख्त कार्रवाई की मांग की गई । यदि इस मामले में भी सख्ती से कार्रवाई की जाती है तो सरकार के समस्त विभागों में सेवा शुल्क के रूप में रिश्वत माने के खुलासे होने लगेंगे हालांकि कलेक्टर सिंह कलेक्टर के तहसील कार्यालय में भी जल्द कार्रवाई कर सकतें हैं।

"कर्पूरी ठाकुर को भारत रत्न देने का निर्णय अद्वितीय एवं प्रेरणादायी कदम", MP के CM मोहन यादव ने किया PM का धन्यवाद

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री स्व. श्री कर्पूरी ठाकुर को मरणोपरांत भारत रत्न से सम्मानित किए जाने के निर्णय पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार माना है।

भोपाल/पटना. मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री स्व. श्री कर्पूरी ठाकुर को मरणोपरांत भारत रत्न से सम्मानित किए जाने के निर्णय पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार माना है। मुख्यमंत्री डॉ यादव ने कहा कि बिहार के यशस्वी नेता एवं पूर्व मुख्यमंत्री ठाकुर ने पिछड़े वर्ग और वंचितों की लड़ाई में सामाजिक न्याय के माध्यम से महत्वपूर्ण योगदान दिया है। ठाकुर को भारत रत्न के लिए मनोनीत करने का निर्णय लोकतंत्र को गौरवान्वित करने वाला है।डॉ यादव ने कहा कि भारत सरकार ने पूर्व में भी देश की कई महान हस्तियों को उनके योगदान और उपलब्धियों के आधार पर भारत रत्न से सम्मानित किया है।

कर्पूरी ठाकुर को भारत रत्न देने का निर्णय अद्वितीय एवं प्रेरणादायी कदम

कर्पूरी ठाकुर को भारत रत्न देने का निर्णय अद्वितीय एवं प्रेरणादायी कदम है। इससे लोकतंत्र के साथ-साथ भारत सरकार का मान बढ़ा है और वंचितों और पिछड़े वर्ग में विश्वास बढ़ेगा। मुख्यमंत्री डॉ यादव ने कहा कि इस निर्णय के लिए यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को मैं हार्दिक बधाई देता हूं। बता दें कि मोदी सरकार ने बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री कर्पूरी ठाकुर को भारत रत्न (मरणोपरांत) से सम्मानित करने की घोषणा मंगलवार (23 जनवरी) को की। राष्ट्रपति भवन की ओर से इस संबंध में मंगलवार को एक विज्ञप्ति जारी की गई। कर्पूरी ठाकुर को भारत रत्न से सम्मानित किए जाने की मांग लंबे समय से उठ रही थी।

मुख्य सचिव के पास पहुंचा शिक्षा विभाग और पटना DM का विवाद, जिलाधिकारी ने CS को पत्र लिखकर की ये मांग

डीएम ने मुख्य सचिव से पूरे मामले की समीक्षा कर इसका हल निकालने की गुजारिश की है। पटना जिलाधिकार डॉ. चंद्रशेखर सिंह ने मुख्य सचिव को शीतलहर की वजह से सरकारी विद्यालयों को बंद करने के संबंध में जारी आदेश की वस्तुस्थिति से अवगत कराया है। इसमें कहा गया...

पटना . बिहार में पड़ रही कड़ाके की ठंड की वजह से राज्य के स्कूलों को बंद करने का मामला अब बिहार के मुख्य सचिव के पास तक पहुंच गया है या यूं कहें कि शिक्षा विभाग और पटना डीएम का विवाद ष्ट्रस् तक पहुंच गया है। इस संबंध में पटना के डीएम ने मुख्य सचिव को पत्र लिखा है। चन्द्रशेखर सिंह ने माध्यमिक शिक्षा के निदेशक के पत्र का कड़ा जवाब देने के दो दिन बाद मुख्य सचिव आमिर सुबहानी को एक पत्र लिखा है।

डीएम ने मुख्य सचिव से की ये गुजारिश

डीएम ने मुख्य सचिव से पूरे मामले की समीक्षा कर इसका हल निकालने की गुजारिश की है। पटना जिलाधिकार डॉ. चंद्रशेखर सिंह ने मुख्य सचिव को शीतलहर की वजह से सरकारी विद्यालयों को बंद करने के संबंध में जारी आदेश की वस्तुस्थिति से अवगत

कराया है। इसमें कहा गया है कि शिक्षा विभाग और जिला प्रशासन के बीच स्कूल बंद किए जाने के संदर्भ में अंतहीन पत्राचार से भ्रम की स्थिति उत्पन्न हो रही है। जिलाधिकारी ने पत्र के जरिए ये कहा गया है कि पटना जिले में शीत दिवस की स्थिति और कम तापमान जारी रहने से बच्चों के हेल्थ और जीवन पर खतरे की संभावना को लेकर दंड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा-144 के तहत आठवीं तक शैक्षणिक गतिविधियों पर प्रतिबंध लगाते हुए 23 जनवरी को इसे 25 जनवरी तक विस्तारित किया गया। इसे लेकर माध्यमिक शिक्षा निदेशक ने 22 जनवरी को जिला प्रशासन द्वारा स्कूल बंद करने के संबंध में जारी आदेश में शिक्षा विभाग का 20 जनवरी को जारी आदेश का अनुपालन नहीं किए जाने का उल्लेख करते हुए जिला शिक्षा पदाधिकारी को सभी विद्यालयों को खुला रखने के लिए निर्देशित किया। जिसके बाद जिला प्रशासन ने 22 जनवरी को उपर्युक्त परिस्थिति और जिला दंडाधिकारी को दंड प्रक्रिया संहिता की धारा-144 के तहत प्रदत्त शक्तियों के संबंध में माध्यमिक शिक्षा निदेशक को विस्तार से अवगत कराया गया। इसके बाद फिर शिक्षा विभाग ने 23 जनवरी को जारी पत्र द्वारा विभिन्न प्रकार की आपत्तियों का उल्लेख करते हुए रिपोर्ट की मांग की है। डीएम ने मुख्य सचिव से इस मामले में अपने स्तर से पूरे मामले की समीक्षा कर उचित समाधान करने का अनुरोध किया है।

बिहार में जननायक एक्सप्रेस ट्रेन में बदमाशों ने की लूटपाट, विरोध करने पर कई यात्रियों से मारपीट, एक को मारी गोली

समस्तीपुर. बिहार के समस्तीपुर जिले में दरभंगा से अमृतसर जा रही जननायक एक्सप्रेस ट्रेन में बदमाशों ने लूटपाट की कोशिश की। इस दौरान बदमाशों ने विरोध करने पर एक यात्री को गोली मार दी। बताया जाता है कि लूटपाट के दौरान बदमाशों ने कई यात्रियों के साथ मारपीट भी की है।

यात्रियों से मोबाईल एवं रुपए भी लूटे

जानकारी के अनुसार, घटना

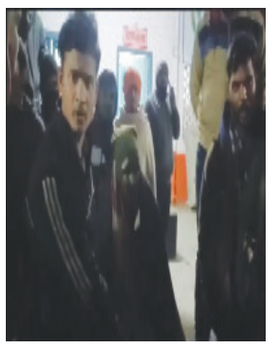

बुधवार की देर रात सोनपुर रेल मंडल के कर्पूरीग्राम स्टेशन पर हुई, जब 15211 जननायक एक्सप्रेस ट्रेन दरभंगा से खुलकर अमृतसर जा रही थी तभी कर्पूरी ग्राम रेलवे स्टेशन पर हथियार बंद अपराधियों ने लूटपाट करने लगे। इस दौरान अपराधियों ने एक यात्री गोली मारकर घायल कर दिया। अपराधियों ने यात्रियों से मोबाईल एवं रुपये भी लूट लिए। 2 से 3 की संख्या में ट्रेन में सवार बदमाशों ने इस घटना को अंजाम दिया है। सभी ने अपने हाथों में पिस्टल ले रखा था। गोली लगने से घायल यात्री की पहचान हरीनगर निवासी मिट्ठू कुमार के रूप में की गई है। वह दरभंगा से अमृतसर जा रहा था।

करीब डेढ़ घंटे तक रुकी रही ट्रेन

वहीं घटना की सूचना दिए जाने के बाद भी आरपीएफ, जीआरपी एवं स्थानीय पुलिस के काफी देर तक नहीं पहुंचने से आक्रोशित रेल यात्रियों ने स्टेशन पर जमकर हंगामा भी किया। इस दौरान करीब डेढ़ घंटे तक ट्रेन कर्पूरीग्राम स्टेशन पर खड़ी रही। बाद में वरीय रेल अधिकारियों के स्टेशन पर पहुंचने के बाद गोली लगने से घायल यात्री को समस्तीपुर रेलवे अस्पताल भेजा गया और सिक्योरिटी क्लीयरेंस के बाद ट्रेन को रवाना किया जा सका।

अपर पुलिस अधीक्षक ने बताया कि अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए रेल पुलिस, रेलवे सुरक्षा बल एवं स्थानीय पुलिस संयुक्त रूप से संभावित ठिकानों पर छापेमारी कर रही है।

उत्तराखंड में 6 IPS अधिकारियों के दायित्व बदले, तीन अधिकारी हाल ही में हुए प्रोन्नत

उत्तराखंड में बुधवार मध्याह्न भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) संवर्ग के छह अधिकारियों के स्थानांतरण कर दिए गए। इनमें तीन अधिकारी हाल ही में प्रोन्नत हुए हैं। साथ ही, पूर्व में स्थानांतरित प्रांतीय पुलिस सेवा (पीपीएस) के एक अधिकारी को संशोधित स्थान पर...

देहरादून. उत्तराखंड में बुधवार मध्याह्न भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) संवर्ग के छह अधिकारियों के स्थानांतरण कर दिए गए। इनमें तीन अधिकारी हाल ही में प्रोन्नत हुए हैं। साथ ही, पूर्व में स्थानांतरित प्रांतीय पुलिस सेवा (पीपीएस) के एक अधिकारी को संशोधित स्थान पर जाने के निर्देश किए गया है। गृह विभाग द्वारा जारी आदेश के अनुसार, अपर पुलिस महानिदेशक (एडीजी) अमित कुमार सिन्हा अब प्रशासन के साथ, दूरसंचार विभाग के भी एडीजी होंगे। अभी तक दूरसंचार विभाग डॉ. वी मुरूगेशन के पास था। उन्हें अपराध अनुसंधान विभाग का दायित्व दिया गया है। जबकि वह निदेशक, सतर्कता (विजिलेंस) के पद पर भी बने रहेंगे। पुलिस महानिरीक्षक (आईजी), कार्मिक/मुख्यालय/पीएसी का पदभार सम्भाल रहीं विम्मी सचदेवा रमन से मुख्यालय का दायित्व वापस ले लिया गया है। वह आईजी, कार्मिक और पीएसी के पद पर बनी रहेंगी।

हाल ही में प्रोन्नत होकर आईजी बने सभी तीन अधिकारियों को नए दायित्व दिए गए हैं। इनमें अरुण मोहन जोशी को आईजी, पीएसी और एटीसी का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है। अनंत शंकर ताकवाले को आईजी, कार्मिक और राजीव स्वरूप को आईजी, सुरक्षा बनाया गया है। इसके अतिरिक्त, प्रांतीय पुलिस सेवा (पीपीएस) अधिकारी प्रकाश चन्द्र को उनके वर्तमान पदभार, उप सेनानायक, आईआरबी द्वितीय देहरादून से अवमुक्त करते हुए अपर पुलिस अधीक्षक, हल्द्वानी (नैनीताल) के पद पर स्थानान्तरित किया गया है।

आलिया भट्ट

रणबीर और विक्की की जमेगी तिकड़ी, संजय लीला भंसाली की फिल्म में पहली बार एक साथ

संजय लीला भंसाली को निर्देशक हैं, जिनकी फिल्मों का फैंस को बड़ी ही बेसब्री से इंतजार रहता है। फिल्म गंगूबाई काठियावाड़ी की अपार सफलता के बाद अब संजय वापसी के लिए पूरी तरह से तैयार हैं।डायरेक्टर की अगली मूवी का एलान हो गया है, जिसका नाम लव एंड वॉर है। खास बात ये है कि इस मूवी में हिंदी सिनेमा के मशहर कलाकार आलिया भट्ट, रणबीर कपूर और विक्की कौशल की तिगड़ी पहली बार एक साथ नजर आएगी।

संजय लीला भंसाली की फिल्म में ये तीन सुपरस्टार

लंबे समय से इस बात को लेकर चर्चा काफी तेज थी आखिर कब संजय लीला भंसाली अपने अगली फिल्म का एलान करेंगे। ऐसे में बुधवार 24 जनवरी को विक्की कौशल ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम हैंडल पर संजय की अपकमिंग फिल्म की डिटेल्स शेयर कर फैंस की एक्साइटमेंट को बड़ा दिया है। संजय लीला भंसाली की अगली फिल्म के पोस्ट को शेयर कर विक्की ने लिखा है- आखिरकार मेरा सपना सच हो गया है। इस पोस्ट में संजय की लव एंड वॉर का नाम और रिलीज डेट लिखी है, साथ ही नीचे आलिया भट्ट, रणबीर कपूर और विक्की कौशल के सिग्नेचर नजर

आ रहे हैं।र करें इस मूवी की रिलीज डेट की तरफ क्रिसमस 2025 के अवसर पर संजय लीला भंसाली की ये लव एंड वॉर मूवी बड़े पर्दे पर रिलीज होगी। इस फिल्म की अनाउंसमेंट के बाद फैंस की उत्सुकता का स्थिर काफी बढ़ गया है और सोशल मीडिया पर लव एंडवॉर की चर्चा भी तेज हो गई है।

विक्की पहली बार बने संजय की फिल्म का हिस्सा

बतौर कलाकार विक्की कौशल पहली बार डायरेक्टर संजय लीला भंसाली की किसी फिल्म में नजर आएंगे। जबकि आलिया भट्ट संजय की गंगूबाई काठियावाड़ी के लिए नेशनल फिल्म पुरस्कार जीत चुकी हैं।सिर्फ इतना ही नहीं रणबीर कपूर ने तो निर्देशक की मूवी सांवरिया से हिंदी सिनेमा में कदम रखा। ऐसे में विक्की कौशल के लिए ये एक बेहद बड़ा ब्रेक माना जा रहा है।

रिलेशनशिप में हैं कंगना रनौत, शादीशुदा शख्स संग जुड़ा नाम तो बोलीं- सही वक्त का इंतज़ार करें

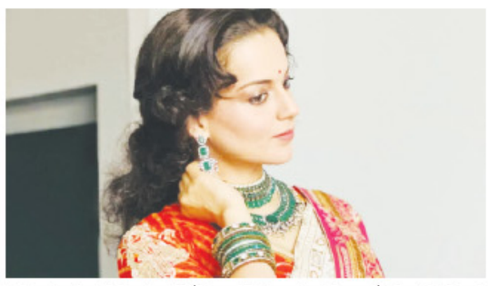

कंगना रनौत सिंगल नहीं हैं, उन्होंने खुलासा किया है कि वो किसी के साथ रिलेशनशिप में हैं, उन्हें ये बात इसलिए बतानी पड़ी क्योंकि मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा था कि वो ईज़ माई ट्रिप के को-फाउंडर निशांत पिट्टी को डेट कर रही हैं, दरअसल राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम के दौरान की कंगना रनौत और निशांत पिट्टी की एक तस्वीर सामने आई, तस्वीर में कंगना और निशांत मुस्कुराते दिख रहे हैं, इस तस्वीर के आते ही अफवाह का बाज़ार गर्म हो गया,मामला आगे बढ़ता इससे पहले ही कंगना रनौत ने इंस्टाग्राम स्टोरी में एक न्यूज़ आर्टिकल का स्क्रीनशॉट शेयर किया और डेटिंग की खबरों को खारिज कर दिया, बात यही खत्म नहीं हुई, इस दौरान कंगना ने ये भी बता दिया कि वो किसी को डेट कर रही हैं, हालांकि उन्होंने उस शख्स का नाम नहीं बताया पर ये ज़रूर कहा कि सही वक्त का इंतज़ार किया जाए,

कंगना रनौत ने लिखा, मीडिया से मेरी विनम्रता के साथ गुज़ारिश है कि वो गलत जानकारियां न फैलाएं, निशांत पिट्टी जी शादीशुदा हैं और मैं किसी और को डेट कर रही हूं, सही वक्त का इंतज़ार कीजिए, मेहरबानी करके हमें शर्मिंदा मत कीजिए, इस दौरान कंगना ने कहा कि ये सही नहीं है कि एक नौजवान महिला को जब भी किसी नए शख्स के साथ देखा जाए तो दोनों का नाम जोड़ दिया जाए, वो भी सिर्फ इसलिए की उनकी साथ में तस्वीर आ गई है, कृपया कर के ऐसा मत कीजिए,

हाल में इस सख्स से जुड़ा था नाम

हाल ही में कंगना रनौत मुंबई में एक सैलोन के बाहर एक शख्स संग हाथों में हाथ डाले दिखाई दी थीं, इसके बाद उनका नाम उस मिस्ट्री मैन से जोड़ा जाने लगा, इस मामले पर भी कंगना रनौत ने सोशल मीडिया पर बयान दिया था, उन्होंने अफवाहों पर भड़कते हुए कहा था कि जिस शख्स के साथ उनकी तस्वीरें वायरल हुई हैं वो उनका हेयरस्टालिस्ट हैं,गौरतलब है कि फिल्म इंडस्ट्री में कंगना रनौत का कई लोगों के साथ नाम जुड़ चुका है, कंगना रनौत आदित्य पंचोली, अध्ययन सुमन और ऋतिक रोशन जैसे सितारों को डेट कर चुकी हैं, हालांकि इन सभी सितारों के साथ उनका बड़ा विवाद भी रहा है, इनके अलावा रिपोर्ट्स के मुताबिक ब्रिटिश एक्टर निकोलस लैफर्टी और कथित तौर पर अजय देवगन के साथ भी उनका नाम जुड़ चुका है,

शाहरुख खान संग काम कर चुके पाकिस्तानी एक्टर ने कहा- इंडस्ट्री के लोग ढीले हैं

शाहरुख खान की डॉन 2, काजोल की द ट्रायल और ज़ोया अख्तर की द आर्चीज़ जैसे प्रोजेक्ट का हिस्सा रहे पाकिस्तानी एक्टर अली खान ने इंडिया और पाकिस्तान की फिल्म इंडस्ट्री में क्या फर्क है इसको लेकर बात की है, अली खान इंडिया में जाना पहचाना चेहरा हैं, वो पाकिस्तान में भी एक बड़े स्टार हैं, उन्होंने एक इंटरव्यू में कहा कि पाकिस्तानी एक्टर्स अगर कामयाब होना चाहते हैं तो उनके लिए ये ज़रूरी है कि वो बाहरी मुल्कों में काम करें,इंडिया और पाकिस्तान की फिल्म इंडस्ट्री में फर्क पर उन्होंने कहा, लोग बजट की बात करते हैं, लेकिन माहौल ज्यादा ज़रूरू है, एक फिल्म थी भेजा फ्राई, उन्होंने ये फिल्म 50 लाख रुपये में बनाई थी, पर उस फिल्म ने 10 करोड़ का बिजनेस किया, उन्होंने इसी फिल्म का सीक्वल बनाया और उस पर 10 करोड़ खर्च किए, उस फिल्म ने अच्छा कारोबार नहीं किया, बजट ही एक ज़रूरी चीज़ नहीं है, आपको सेट पर लोगों की ज़रूरत होती है,अली खान कहते हैं, पाकिस्तान में आप जब कमर्शियल शूट (विज्ञापन) करने जाते हैं तो उसका बजट काफी ज्यादा होता है, वो मैजिक लाइट में शूट करना चाहते हैं, आप सेट पर वक्त पर पहुंचते हैं, पर जिस तरह से लोग काम करते हैं वो अभी भी बेहद ढीला है पहले की तरह, आप मैजिक लाइट के बारे में सब कुछ भूल सकते हैं, दरअसल काम जिस तरह से होना चाहिए वो वैसे अब भी नहीं हो रहा है,

इंडिया में मिली इज्जत

अली खान ने अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत इंडिया में ही की, उन्होंने कहा, मैंने अपने करियर में जो भी इज्जत कमाई है उसकी शुरुआत वहीं (इंडिया) से हुई, मैंने जब पाकिस्तान में काम शुरू किया तो मैं ठीक ठाक मशहूर हो चुका था, पाकिस्तानी कलाकारों को जिस तरह की दिक्कतों का सामना करना पड़ता है वैसा मुझे नहीं करना पड़ा, उन्होंने बताया कि वो सिर्फ भारत ही नहीं बल्कि कई देशों में काम कर चुके हैं,

उन्होंने कहा कि इस बात में दम है कि अगर पाकिस्तानी कलाकार चाहते हैं कि उन्हें गंभीरता से लिया जाए तो उन्हें बाहर काम करना चाहिए, उन्होंने कहा, पाकिस्तान के लोग अपने ही मुल्क के लोगों का आसानी से सपोर्ट नहीं करते हैं, जब एक्टर्स इंडिया जाते हैं और उनकी वहां तारीफ होती है तो फौरन ही उनकी वैल्यू यहां बढ़ जाती है, उन्होंने कहा कि पाकिस्तान के कलाकार बेहद टैलेंटेड हैं और उन्होंने पूरी दुनिया की इंडस्ट्रीज़ में मौके मिलने चाहिए,

हेमा मालिनी

संग अगर ये फिल्म बन जाती तो वीरू नहीं, यह होता धर्मेंद्र का सबसे यादगार किरदार

धर्मेंद्र ने अपने साठ साल से ज्यादा लम्बे करियर में सैकड़ों फिल्मों में काम किया है और अलग-अलग तरह के किरदार निभाये हैं। कभी पुलिस इंस्पेक्टर बने तो कभी लोफर। आशिक बनकर पानी की टंकी पर भी चढ़े। महबूबा के गम में नशेड़ी भी बने।मगर, एक किरदार ऐसा है, जिसे निभा ना पाने का मलाल धर्मेंद्र आज भी करते हैं। ये किरदार है देवदास। शायद किस्मत को ही ये मंजूर ना था कि धर्मेंद्र पर्दे पर देवदास बनकर उतरें। इसीलिए, शूटिंग शुरू होने के बाद भी फिल्म पूरी नहीं हो सकी। धर्मेंद्र को देवदास बनाने वाले थे गुलजार बसंती की मोहब्बत के नशे में चूर पानी की टंकी पर चढ़े वीरू को इश्क में बिखरते देवदास के रूप में देखना उनके फैंस के लिए भी दिलचस्प अनुभव होता।देवदास फिल्ममेकर्स का पसंदीदा विषय रहा है और सिनेमा की शुरुआत से ही शरतचंद्र चट्टोपाध्याय के इस नॉवल पर बंगाली, हिंदी, तमिल और तेलुगु भाषाओं में फिल्में बनती रही हैं, मगर सबसे ज्यादा चर्चा जिस फिल्म की रही वो दिलीप कुमार की देवदास है।एक देवदास बनाने की कोशिश दिग्गज लेखक और निर्देशक गुलजार ने भी की थी। अस्सी के दौर में गुलजार ने देवदास शुरू की थी। फिल्म में हेमा मालिनी और शर्मिला टैगोर चंद्रमुखी और पारो के किरदारों में थीं।इन दोनों ही एक्ट्रेसेज के साथ धर्मेंद्र हिट फिल्में कर चुके थे। इस फिल्म की शूटिंग की कुछ तस्वीरें आज भी सोशल मीडिया में साझा होती रहती हैं, जिनमें तीनों कलाकारों को अपने किरदारों में देखा जा सकता है। मगर, फिल्म बन नहीं सकी और इस बात का मलाल धर्मेंद्र कई बार जाहिर कर चुके हैं।

बार-बार उठती है देवदास ना बनने की कसक

मंगलवार को उन्होंने अपनी एक पुरानी तस्वीर शेयर करके लिखा- देवदास... एक किरदार... हसरत ही रह गया। 2018 में ऐसी ही एक थ्रोबैक फोटो के साथ धर्मेंद्र का कैप्शन बताता है कि देवदास का किरदार किस कदर उनके जहन में बैठा हुआ है और कभी यादों में गोते लगाते ही इसकी टीस बाहर आ जाती है।

नागल को एटीपी चैलेंजर टूर्नामेंट बेंगलुरु ओपन में सीधे प्रवेश मिला

बेंगलुरु। भारत के 137वीं रैंकिंग के सुमित नागल को 10 फरवरी से यहां शुरु हो रहे एटीपी चैलेंजर टेनिस टूर्नामेंट बेंगलुरु ओपन में सीधे प्रवेश मिला है। पिछले सप्ताह ही नागल ऑस्ट्रेलियाई ओपन के दूसरे दौर में ने सोमदेव देववर्मन के बाद पहुंचने वाले दूसरे भारतीय पुरुष खिलाड़ी बने थे। बेंगलुरु ओपन के लिए 'कट-ऑफ 257 रैंकिंग है। वहीं सुमित की रैंकिंग 137 है। इस प्रकार वह एटीपी 100 चैलेंजर टूर्नामेंट के मुख्य ड्रा के लिए क्वालीफाई करने वाले 11 देशों के 21 खिलाड़ियों में शामिल किये गये हैं। नागल ने साल 2017 में बेंगलुरु ओपन जीता था।

उन्होंने कहा कि यह चरण कठिनाई भरा होने की उम्मीद है क्योंकि इसमें कई बड़े दावेदार शामिल रहेंगे। ये देखना भी रोमांचक रहेगा। साथ ही कहा कि मैं इस टूर्नामेंट में बेहतर प्रदर्शन करने के लिए तैयार हूं। वहीं फ्रांस के बेंजामिन बोंज की विश्व रैंकिंग 106 है और वह इस टूर्नामेंट में सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग वाले खिलाड़ी हैं। इस टूर्नामेंट का आयोजन कर्नाटक राज्य लॉन टेनिस संघ (केएसएलटीए) द्वारा किया जा रहा है।

विराट के बाहर रहने के कारणों पर बोले डिविलियर्स, हमें जल्द ही कुछ अच्छा सुनने को मिलेगा

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली ने निजी कारणों से इंग्लैंड के खिलाफ पहले दो टेस्ट मैचों से अपना नाम वापस ले लिया है। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के अनुसार विराट निजी कारणों से इंग्लैंड के खिलाफ पहले दो टेस्ट नहीं खेल रहे और प्रशंसकों के साथ ही सभी को उनकी निजता का सम्मान करना चाहिये। इसी को लेकर आईपीएल टीम रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के उनके साथी रहे दक्षिण अफ्रीका के पूर्व कप्तान ए बी डिविलियर्स ने कहा है कि विराट ने क्यों ब्रेक लिया है, वह नहीं जानते पर अगर जानते भी होते तो बताते नहीं।

डिविलियर्स ने कहा, किसी को नहीं पता है कि क्या हुआ है पर मैं जानता हूं कि हमें जल्द ही कुछ अच्छा सुनने को मिलेगा। जब विराट निजी कारणों से ब्रेक ले रहे हैं तो इसमें एक अच्छा कारण छिपा हो सकता है। हो सकता है कि वे थक गए हो और उन्हें आराम की जरूरत हो क्योंकि वह लगातार क्रिकेट खेल रहे हैं। इसके अलावा ये भी हो सकता है कि उनका परिवार किसी परेशानी में हो।

IND vs ENG vst Test: अश्विन-जडेजा की फिरकी के बाद यशस्वी ने बल्ले से मचाई धूम, भारत के नाम रहा पहले दिन का खेल

नई दिल्ली। भारत और इंग्लैंड के बीच पांच मैचों की टेस्ट सीरीज का पहला टेस्ट हैदराबाद में खेला जा रहा है। पहले टेस्ट के पहले दिन का खेल भारत के नाम रहा। मैच में टॉस जीतकर इंग्लैंड टीम के कप्तान बेन स्टोक्स ने पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। पहले बैटिंग करते हुए इंग्लिश टीम 246 रन पर ऑलआउट हो गई। भारत की तरफ से आर अश्विन और रवींद्र जडेजा की फिरकी के आगे इंग्लैंड टीम के बल्लेबाज क्रीज पर ज्यादा देर नहीं टिक पाए। इसके जवाब में भारत ने पहले दिन यशस्वी और रोहित शर्मा ने पारी का आगाज किया और यशस्वी ने बल्ले से धमाल मचाते हुए 76 रन बना लिए हैं। पहले दिन के खेल तक भारतीय टीम इंग्लैंड से 127 रन पीछे हैं।

IND vs ENG vst test: आर अश्विन और जडेजा की फिरकी के आगे इंग्लिश बल्लेबाजों ने टेके घुटने

दरअसल, इंग्लैंड टीम ने पहले बैटिंग करते हुए जैक क्रॉली और बेन डकेट ने पारी का आगाज धमाकेदार अंदाज में किया। दोनों के बीच पहले विकेट के लिए 55 रन की साझेदारी हुई। हालांकि, दोनों ही ओपनर्स आर अश्विन का शिकार बने।

इसके बाद ओली पोप और जो रूट को रवींद्र जडेजा ने अपने जाल में फंसाया और उन्हें पवेलियन भेजा। जो रूट 60 गेंदों का सामना करते हुए 29 रन बनाकर आउट हुए। जॉनी बेयरस्टो 58 गेंदों पर 37 रन बनाकर आउट हुए।

मैरी कॉम ने कहा, अभी संन्यास नहीं ले रही

नई दिल्ली। देश की शीष महिला मुक्केबाज मैरी कॉम ने कहा है कि वह अभी संन्यास नहीं ले रहीं हैं और इस प्रकार की जो भी खबरें आ रही हैं वह गलत हैं। छह बार की विश्वचैम्पियन रही मैरी कॉम ने कहा कि जब भी वह खेल को अलविदा कहेंगी स्वयं ही बता देंगी। साथ ही कहा कि मीडिया ने उनके बयान को गलत तरीके से पेश किया है। मैरी कॉम ने कहा ,'' मैंने अभी तक संन्यास की घोषणा नहीं की है पर मेरे बयान को तोड़ मरोड़कर पेश किया गया। जब भी मुझे संन्यास की घोषणा करनी होगी तो मैं स्वयं ही सभी को बताऊंगी। मैने कुछ मीडिया रिपोर्ट देखी हैं जिनमें कहा गया कि मैने खेल को अलविदा कह दिया जो सही नहीं है।''

साथ ही कहा, मैं 24 जनवरी को एक कार्यक्रम में भाग ले रही थी जहां मैं बच्चों की हौसलाअफजाई कर रही थी। तब मैंने कहा था कि मेरे भीतर अभी भी खेलों में नई ऊंचाइयां छूने की ललक है पर ओलंपिक में उम्र की एक तय सीमा होने से मैं भाग नहीं ले सकती। मैं हालांकि, अपना खेल जारी रख सकती हूं और मेरा ध्यान अपनी फिटनेस पर बना हुआ है।'

' गौरतलब है कि मैरी कॉम 2014 में दक्षिण कोरिया के इंचियोन में एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला मुक्केबाज बनी थी। मैरी कॉम को कई राष्ट्रीय अवार्ड भी मिले हैं।अंतरराष्ट्रीय नियमों के कारण प्रतियोगिताओं में खेलने की अनुमति नहीं मिलतीवहीं इससे पहले इस महिला मुक्केबाज ने कहा था कि वह अब 41 वर्ष की हो गयी हैं और अंतरराष्ट्रीय मुक्केबाजी संघ (आईबीए) पुरुष और महिला मुक्केबाजों को केवल 40 वर्ष की आयु तक ही प्रतियोगिता में लड़ने की अनुमति देता है , ऐसे में अब वह आगे नहीं खेल सकतीं पर कहा कि खेलों में लड़ने और जीतने की भूख अभी भी उनमें है। इसलिए वह आगे खेलना चाहती हैं लेकिन उम्र के कारण वह ऐसा नहीं कर सकती हैं।

ये एक प्रकार से उनके लिए बदकिस्मती की तरह है। इसी वजह से मुझे सन्यास का फैसला करना पड़ रहा है।

5 सेंचुरी बनाई फिर भी वर्ल्ड कप... रोहित शर्मा ने आक्रामक बल्लेबाजी करने का खोला राज, कप्तानी पर कही बड़ी बात

नई दिल्ली। भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने अपने कप्तानी को लेकर बड़ा खुलासा किया है। रोहित ने अपनी सफल कप्तानी पर कहा कि वह अपने रिकॉर्ड से ज्यादा टीम को महत्व देते हैं। रोहित ने कहा कि टीम की कप्तानी करना कठिन भी है और सम्मान की बात है।दिनेश कार्तिक के साथ जीओ सिनेमा पर खास बातचीत के दौरान रोहित शर्मा ने कहा कि भारतीय टीम की कप्तानी दिग्गज खिलाड़ियों ने की है। उनकी लिस्ट में शामिल होना मेरे लिए गर्व की बात है। हाल ही में रोहित ऐसे दूसरे कप्तान बनाने थे जिन्होंने साउथ अफ्रीका में एमएस धोनी के बाद टेस्ट सीरीज ड्रॉ करवाई थी। इसके अलावा वह पहले एशियाई कप्तान बने थे जिनके नेतृत्व में केपटाउन में टेस्ट मैच जीतने का कमाल किया था।

मेरे लिए सम्मान की बात

इंटरव्यू के दौरान रोहित ने कहा, यह काफी थका देने वाला है, लेकिन आप इसी के लिए आप जिम्मेदारी लेते हैं, तो मुझे लगता है कि जब मेरे पास टीम की कप्तानी करने का अवसर आया, तो मैं उत्साहित था। पिछले 7-8 वर्षों में, मैं उप-कप्तान के रूप में निर्णय लेने वाले मुख्य समूह का हिस्सा था। मैंने कई बार विराट की अनुपस्थिति में कमान भी संभाली, लेकिन अपने देश की कप्तानी करना एक बड़ा सम्मान है।

रोहित ने साझा किया अपना अनुभव

रोहित ने खिलाड़ियों को व्यक्तिगत स्कोर के बजाय मैच पर ध्यान केंद्रित करने की सलाह दी। साथ ही अपनी बल्लेबाजी स्टाइल में किए गए बदलाव पर खुलासा किया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि व्यक्तिगत आंकड़ों को बढ़ाने से ज्यादा टीम के बारे में सोचना चाहिए। उन्होंने 2019 वर्ल्ड कप में 5 शतक बनाने, लेकिन वर्ल्ड कप हारने के अपने अनुभव का हवाला दिया।

इंग्लिश बल्लेबाजों के नींद उड़ाने के लिए तैयार जडेजा और अश्विन, बेहद खतरनाक है इन दोनों की जोड़ी

नई दिल्ली। भारत और इंग्लैंड भारत और इंग्लैंड के बीच 5 मैचों की टेस्ट सीरीज का कल से यानी 25 जनवरी से आगाज होने जा रहा है. इस सीरीज में भारत के स्टार स्पिनर रवींद्र जडेजा और आर अश्विन इंग्लैंड के बल्लेबाजों की नींद उड़ाने के लिए तैयार हैं. टेस्ट क्रिकेट में जडेजा-अश्विन की जोड़ी स्पिनर्स की सबसे कामयाब जोड़ी है. अभी तक जडेजा और अश्विन ने एक साथ 49 टेस्ट मैच खेलते हुए 500 विकेट हासिल किए हैं. इस जोड़ी रिकॉर्ड इतना शानदार है कि हर मैच में ये दोनों खिलाड़ी विरोधी टीम के 10 से ज्यादा विकेट चटका देते हैं. इन दोनों से पहले अनिल कुंबले और हरभजन की जोड़ी ने भारत के लिए 500 से ज्यादा विकेट लिए थे.भारत की स्पिन फ्रेंडली पिच पर रवींद्र जडेजा और आर अश्विन और भी खतरनाक हो जाते हैं. रवींद्र जडेजा अब तक 68 टेस्ट मैच खेल चुके हैं और इस दौरान उन्होंने 24.07 की औसत से 275 विकेट हासिल किए हैं. रवींद्र जडेजा 12 बार एक पारी में 5 विकेट झटके थे. जबकि 2 बार जडेजा ने 10 या उससे ज्यादा विकेट हासिल किए हैं. वहीं अश्विन इतिहास रचने के बेहद करीब हैं. अश्विन ने अब तक अपने टेस्ट करियर में 490 विकेट ले चुके हैं. अब वह अपने 500 टेस्ट विकेट पूरे करने से महज 10 विकेट दूर हैं. अश्विन ने 34 बार फाइव विकेट और 24 फोर विकेट हॉल लिए हैं. 8 मौकों पर अश्विन टेस्ट में 10 या उससे ज्यादा विकेट लेने का कारनामा किए हैं. अगर इस सीरीज में अश्विन 10 विकेट हासिल करने में कामयाब हो जाते हैं तो फिर वो टेस्ट में 500 विकेट लेने वाले भारत के दूसरे गेंदबाज बन जाएंगे.

दोनों बल्ले से भी दिखाते हैं कमाल

इतनी ही नहीं रवींद्र जडेजा और अश्विन गेंद के अलावा ये बल्ले से भी कमाल दिखाते हैं. अश्विन ने टेस्ट में अब तक 134 पारियों में बैटिंग करते हुए 26.83 की औसत से 3193 रन बनाए हैं. इस दौरान उन्होंने 5 शतक और 14 अर्धशतक लगाए हैं. वहीं जडेजा ने टेस्ट में 35 से ज्यादा की औसत से रन बनाए हैं. जडेजा टेस्ट में 19 बार फिफ्टी का आंकड़ा पार किया है, जबकि 3 शतक भी जड़ चुके हैं.

Ind vs Eng: बीच मैदान Virat Kohli की जर्सी पहन "हिटमैन" के पैर छूने पहुंचा जबरा फैन

नई दिल्ली। हैदराबाद के स्टेडियम पर भारत और इंग्लैंड के बीच मैच के दौरान फैंस का उत्साह देखते ही बन रहा था। इस बीच एक फैन विराट कोहली की टेस्ट जर्सी पहनकर कप्तान रोहित शर्मा से मिलने के लिए मैदान पर आ गया।

रोहित के पैर छुए

भारत की पारी शुरू होने से पहले यह फैन मैदान पर आया और भारतीय कप्तान रोहित Rohit Sharma से मिलने के बाद उनके पैर छूने लगा। इसके बाद सिक्योरिटी तुरंत मैदान पर आकर फैन को वापस लेकर गए। इस बीच फैन का वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है।

फैन को बताया लकी

लोगों ने इस फैन को लकी बताया है कि यह कप्तान रोहित से मिला। हालांकि, भारत की बल्लेबाजी के लिए तैयार होने से पहले रोहित इस स्थिति में पूरी तरह से शांत नजर आए। सोशल मीडिया पर लोगों ने इस वीडियो पर अपने रिएक्शन भी दिए हैं।

भारतीय टीम ने इंग्लैंड को 246 रनों पर समेटने के बाद बनाये एक विकेट पर 119 रन

हैदराबाद . आर अश्विन और रविन्द्र जडेजा की शानदार गेंदबाजी से भारत ने आज यहां शुरु हुए पहले क्रिकेट टेस्ट मैच में इंग्लैंड को पहली पारी में 64.3 ओवरों में 246 रनों पर समेटने के बाद दिन का खेल समाप्त होने तक अपनी पहली पारी में एक विकेट के नुकसान पर 119 रन बना लिए थे। इस प्रकार पहली पारी के आधार पर भारतीय टीम अब 127 रनों से ही पीछे है।

पहले दिन का खेल समाप्त होने के समय पर यशस्वी जायसवाल 76 और शुभमन गिल 14 रन बनाकर खेल रहे थे। आउट होने वाले एकमात्र बल्लेबाज कप्तान रोहित शर्मा रहे। उन्हें जैक लीच ने आउट किया। इससे पहले आज सुबह मेहमान टीम इंग्लैंड ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी शुरु की पर वह भारतीय टीम के गेंदबाजों अश्विन और जडेजा की शानदार गेंदबाजी के सामने टिक नहीं पायी। अश्विन ने 61 रन देकर तीन जबकि जडेजा ने भी 88 रन देकर इतने ही विकेट लिए। इससे भारतीय टीम ने इंग्लैंड को पहली पारी में 246 रन पर ही आउट कर दिया। अश्विन-जडेजा के अलावा अक्षर और बुमराह ने 2-2 विकेट अपने नाम किए।

इंग्लैंड ने अपनी आक्रामक रणनीति अपनायी पर कप्तान बेन स्टोक्स 70 के अलावा उसके अन्य सभी रन बनाने में विफल रहे। पारी की शुरुआत करते हुए इंग्लैंड का पहला विकेट 55 रन पर गिरा।

बेन डकेट 11.5 ओवर में अश्विन की गेंद पर आउट हुए। डकेट ने 35 रन बनाए। इसके बाद जडेजा ने ओली पॉप को एक रन पर ही पेवेलियन भेज दिया। वहीं इसके बाद अश्विन ने जैक क्रॉली को आउट कर मेहमान टीम को तीसरा झटका दिया। क्रॉली ने 20 रन बनाए। लंच तक उसने तीन विकेट के नुकसान पर 108 रन बना लिए थे।

लंच के बाद मेहमान टीम के बल्लेबाजों ने खेलना शुरु किया पर वह कुछ खास नहीं कर पाये।

जॉनी बेयरस्टो ने 58 गेंदों पर 37 रन बनाये। अक्षर पटेल ने उन्हें आउट किया। वहीं अनुभवी बल्लेबाज जो रूट को जडेजा ने आउट किया। रूट ने एक चौके की सहायता से 60 गेंदों पर 29 रन बनाए। बेन फॉक्स केवल 4 रन पर ही आउट हो गये। और अक्षर की 42वें ओवर की पांचवीं गेंद पर भरत के हाथों कैच आउट हो गए। बुमराह को भी सफलता मिली और रेहान अहमद ने 13 रनों पर उसे आउट कर दिया।

टॉम हार्टले ने 24 गेंदों पर 23 रन बनाए। मार्क वुड 11 रन बनाकर अश्विन का शिकार बने। कुल मिलाकर देखा जाये तो पहले दिन भारतीय गेंदबाज छाये रहे। इसके बाद बल्लेबाजी के दौरान युवा बल्लेबाज यशस्वी ने भी शानदार प्रदर्शन किया।

IND vs ENG vst Test: 147 साल के टेस्ट इतिहास में इंग्लैंड ने पहली बार बनाया सबसे अनोखा रिकॉर्ड, भारतीय टीम की बढ़ा दी सिरदर्दी

England Cricket Team भारत और इंग्लैंड (IND vs ENG) के बीच पांच मैचों की टेस्ट सीरीज का पहला टेस्ट हैदराबाद में खेला जा रहा है। पहले टेस्ट मैच में इंग्लैंड टीम के कप्तान बेन स्टोक्स ने टॉस जीतकर पहले बैटिंग का फैसला किया। बेन स्टोक्स ने प्लेइंग-11 का एलान करते हुए एक ऐसा फैसला लिया जो कि टेस्ट क्रिकेट के 147 साल के इतिहास में पहली बार हुआ।

नई दिल्ली। भारत और इंग्लैंड के बीच पांच मैचों की टेस्ट सीरीज का पहला टेस्ट हैदराबाद में खेला जा रहा है। पहले टेस्ट मैच में इंग्लैंड टीम के कप्तान बेन स्टोक्स ने टॉस जीतकर पहले बैटिंग का फैसला किया। बेन स्टोक्स ने प्लेइंग-11 का एलान करते हुए एक ऐसा फैसला लिया, जो कि टेस्ट क्रिकेट के 147 साल के इतिहास में पहली बार हुआ। आइए इस आर्टिकल के जरिए जानते हैं इंग्लैंड टीम के इस अनोखे रिकॉर्ड के बारे में।

दरअसल, इंग्लैंड टीम के कप्तान बेन स्टोक्स घुटने की चोट के चलते इस टेस्ट के लिए बल्लेबाजी करते हुए नजर आएंगे। भारत के खिलाफ पहले टेस्ट के लिए इंग्लैंड टीम ने एक दिन पहले प्लेइंग-11 का एलान कर दिया था, जिसमें तीन स्पिनर्स और एक तेज गेंदबाज को टीम में जगह मिली।

भारत के खिलाफ टेस्ट मैच में बेन स्टोक्स सिर्फ एक पेसर के साथ मैदान पर उतरे और इस दौरान इंग्लैंड क्रिकेट टीम ने 147 साल के टेस्ट क्रिकेट में इतिहास रच दिया। ऐसा पहली बार हुआ जब 147 साल के टेस्ट इतिहास में पहली बार इंग्लैंड टीम एक तेज गेंदबाज के साथ उतरी है।ता दें कि इंग्लैंड की टीम ने अपना पहला टेस्ट मैच 1877 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेला था और टीम में इसके बाद से अब तक कभी भी केवल एक ही तेज गेंदबाज नहीं रहा।

इससे पहले केवल एक बार ऐसा हुआ,1888 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट मैच में केवल एक सीमर के साथ उतरी थी , लेकिन इंग्लैंड के पास उनके प्लेइंग इलेवन में एक और सीम गेंदबाज था, जिसे गेंदबाजी करने की जरूरत नहीं पड़ी। दिलचस्प बात यह है कि सीरीज में जेम्स एंडरसन को प्लेइंग 11 में जगह नहीं मिली।

IND vs ENG vst Test Day 1: ऐसा रहा पहले दिन का हाल

भारत और इंग्लैंड के बीच हैदराबाद में जारी पहले टेस्ट मैच के पहले दिन का खेल खत्म हो गया है। भारत ने अपनी पहली पारी में एक विकेट गंवाकर 119 रन बना लिए हैं। यशस्वी (76) और शुभमन गिल (14) रन बनाकर वापस लौटे। भारतीय टीम पहली पारी में इंग्लैंड से 127 रन से पीछे हैं। इंग्लैंड की टीम पहली पारी में 246 रन बनाकर ऑलआउट हो गई।

AUS Open 2024: 43 साल की उम्र में रोहन बोपन्ना ने रचा इतिहास, फिर सानिया मिर्जा ने यूं लुटाया प्यार

भारत के धाकड़ टेनिस स्टार रोहन बोपन्ना ने इतिहास रच दिया है। उन्होंने ऑस्ट्रेलियाई साथी के साथ मिलकर ऑस्ट्रेलियन ओपन के खिताबी मुकाबले में प्रवेश किया। इसके साथ ही वर्ल्ड नंबर वन बनने वाले सबसे उम्रदराज खिलाड़ी भी बन गए हैं।

मेलबर्न. दुनिया में नंबर 1 रैंकिंग सुनिश्चित करने के एक दिन बाद भारतीय अनुभवी टेनिस खिलाड़ी रोहन बोपन्ना ने ऑस्ट्रेलियाई मैथ्यू एब्डेन के साथ मिलकर इतिहास रच दिया है। इस जोड़ी ने चेक-चीनी जोड़ी झैंग झीझेन और थॉमस मैचेक पर जीत के बाद ऑस्ट्रेलियाई ओपन पुरुष युगल फाइनल में प्रवेश किया। वे खिताब से सिर्फ एक दम दूर हैं।

इससे पहले बोपन्ना दो बार (2013, 2023) यूएस ओपन के फाइनल में पहुंचे हैं, लेकिन उन्होंने करियर में एक भी बड़ी ट्रॉफी नहीं जीती है। अब 43 साल की उम्र में अपने करियर के आखिरी पड़ाव पर उनके पास शनिवार को उस बॉक्स पर टिक करने का मौका होगा। दूसरी वरीयता प्राप्त इंडो-ऑस्ट्रेलियाई जोड़ी ने गुरुवार को रॉड लेवर एरेना में झैंग झीझेन और थॉमस मैचेक को 6-3, 3-6, 7-6 (10-7) से हराया।

अपनी 17वीं ऑस्ट्रेलियन ओपन उपस्थिति में 43 वर्षीय भारतीय पहली बार मेलबर्न पार्क में पुरुष युगल फाइनल में पहुंचे। वह पहले कभी भी टूर्नामेंट में पुरुष युगल ड्रॉ में तीसरे दौर से आगे नहीं बढ़े थे। बोपन्ना और एबडेन एक जोड़ी के रूप में लगातार दूसरे ग्रैंड स्लैम फाइनल में पहुंचे। दूसरी ओर, बोपन्ना टूर्नामेंट के बाद एटीपी टूर युगल रैंकिंग में शीर्ष पर पहुंच गए हैं। वह वह इतिहास में सबसे उम्रदराज विश्व नंबर 1 खिलाड़ी बन गए हैं। ह ओलिंपिक कांस्य पदक विजेता लिएंडर पेस, महेश भूपति और सानिया मिर्जा के बाद युगल में विश्व नंबर 1 पर पहुंचने वाले चौथे भारतीय टेनिस खिलाड़ी बन गए हैं। अपने साथ खास लिस्ट में शामिल होने पर सानिया मिर्जा ने इंस्टाग्राम पर स्टेटस शेयर करते हुए अपने पूर्व जोड़ीदार को बधाइयां दीं।

उल्लेखनीय है कि पिछले साल भारतीय शीर्ष खिलाड़ी ओपन युग में ग्रैंड स्लैम फाइनल के लिए क्वॉलिफाई करने वाले सबसे उम्रदराज व्यक्ति बन गए थे, जब वह और एबडेन यूएस ओपन फाइनल में पहुंचे थे।

बोपन्ना को मास्टर्स इवेंट में पुरुष युगल खिताब जीतने वाले सबसे उम्रदराज खिलाड़ी होने का गौरव भी हासिल है। यह उपलब्धि पिछले साल 43 साल की उम्र में हासिल हुई जब वह एबडेन के साथ इंडियन वेल्स में विजयी हुए।

एकता का प्रतीक, हमारा सुदृढ़ गणतंत्र

हमें गर्व है कि विश्व का सबसे बड़ा संविधान हमारे देश का है। जो डॉ.भीमराव अम्बेडकर जी द्वारा रचित और हस्तलिखित पाण्डुलिपि में श्री प्रेम बिहारी रायजादा जी द्वारा निर्मित है। जो 2 वर्ष, 11 माह, 18 दिन में तैयार किया गया था। 26 जनवरी, 1950 को देश के प्रथम राष्ट्रपति डॉ.राजेन्द्र प्रसाद ने 21 तोपों की सलामी के साथ ध्वजारोहण कर, भारत को पूर्ण गणतंत्र घोषित किया था।

गणतंत्र दो शब्दों से मिलकर बनता है जो 'गण' अर्थात् जनता और 'तंत्र' अर्थात् शासन से है। गणतंत्र में जनता का ,जनता के लिए व जनता के द्वारा किया जाने वाला शासन होता है। हमारे देश में जनता के लिए बनाया गया संविधान लचीले संविधान की श्रेणी में भी आता है। जो समय-समय पर विशेष प्रक्रिया द्वारा जन हितार्थ में परिवर्तित किया जा सकता है। यह एक उत्तम संकेत है कि समय-समय पर देश, काल, परिस्थितियों के आधार पर लोकतंत्र की मूल भावना अक्षुण्ण रहे। वैसे भी राष्ट्र में नियम कायदे तो जनमानस के लिए ही होते हैं तो उनका सहर्ष पालन भी जनता द्वारा होने पर ही गणतंत्र सफल है।

हमें हमारे संविधान की वृहदता यह भी याद दिलाती है कि हमें अपने अधिकार व कानून दिलवाने में कई अमर शहीदों ने अनेकों संघर्ष किए हैं।

यहाँ मैं कहूँगी कि-

'आओं शत्-शत् वंदन करें शहीदों को,
जिन्होंने आज़ादी की मंजिल दिलवाई।
उन्होंने बहाया रक्त का कतरा-कतरा
तब हमने आज़ाद हवाओं में श्वासें पाई।'

इससे हम देशवासी संविधान के प्रति संकल्पित और प्रेरित होते है कि हमें इसके नियम कायदों का पालन करते हुए अपने देश को हर क्षेत्र में उन्नति, उत्कृष के नए शिखर पर ले जाना है तथा उसके प्रति सदैव समर्पित भाव रखते हुए निरंतर प्रगतिशील बनाना है।

हमारी भारतीय संस्कृति जो पहले से ही उत्कर्ष व वसुधैव कुटुम्बकम् की भावना से ओतप्रोत रही है उसी को ध्यान में रखकर लिखा गया हमारा संविधान जिसमें उस समय 395 आर्टिकल, 8 अनुसूचियाँ थी। जो 22 भागों में चर्म पत्र पर लिखी गयी थी ताकि 1000 साल बाद भी वह अपना मूल स्वरूप ना खोए।

हमारा संविधान जनता के हित में तैयार किया गया तंत्र है। साथ ही हमारी भारतीय संस्कृति, मर्यादाएं जो अक्षुण्ण थी, है और रह सके इसलिए नीति सिद्धांतों के आधार स्तम्भ पर इसे निर्मित किया गया है। हमारे यहाँ जाति, धर्म से उठकर सभी को बराबरी के मौलिक अधिकार प्रदान किए गए है।

हमारे देश में कानून के अंतर्गत कोई भी छोटा-बड़ा, अमीर-गरीब व ऊँच-नीच नहीं है बल्कि इन सबसे बढ़कर सभी समान अधिकारों से युक्त हो, समानता के अधिकारी है। हमारे देशवासियों को पूर्ण अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता प्राप्त है। विधि के अंतर्गत सभी अपनी गलतियों के लिए एक समान दण्ड के अधिकारी भी है। यहाँ बड़ी बात इसलिए भी है कि हमारे देश की संस्कृति में इतने बहुआयामी विविधता के रंगों का समावेश है।

जहाँ विश्व की द्वितीय सबसे अधिक जनशक्ति रहती है। जहाँ हर 5 कि.मी. पर भाषा, खानपान, नृत्य, संगीत, गायन, वादन, कलाएं व पहनावा बदल जाता है तो ऐसी बहुरंगता में इतनी कानून कायदों की समानता होना अपने आप में अद्वितीय ही है। इसका यहीं गुण तो हमारे महान संविधान के गुणगान गाने को स्वत: प्रेरित करता है। हमें चाहिए कि देश के निरंतर विकास के लिए हम और विशेषत: युवा पीढ़ी अग्रणी बने क्योंकि किसी भी देश की उन्नति का सबसे बड़ा कारक वहाँ के युवा ही होते है। हम इस बात में भी विश्व में सबसे अधिक भाग्यशाली है कि हमारे यहाँ युवा पीढ़ी की आबादी सबसे अधिक है और इसलिए भारत भी युवा है। हमारे देश से शिक्षित युवा ना केवल देश में अपितु पूरे विश्व में अपने ज्ञान से उन्नत सेवाएँ दे रहे है। हमारी आर्थिक उन्नति के लिए भी हमारा युवा वर्ग बहुत बड़ा कारण है।

इसके अलावा हमारे देश में प्रकृति ने जो अनमोल व उत्तम उपहार प्रदान किए है उससे भी हमारे देश की उन्नति हो रही है, हमारे यहाँ के हैरिटेज व्यापार विश्वव्यापी स्वरूप ले रहे है, हमारे देश का कृषि प्रधान होना भी हमारी समृद्धि को चार चाँद लगाता है।

हमारे यहाँ की संस्कृति की महानता पूरा विश्व मानता है। जो करोनाकाल में हमने प्रत्यक्ष रूप से देखी भी है। हम सदैव सभी धर्मो का आदर करते हुए, सकल मानवजाति को सम्यक रूप से देखते हैं।

कुछ विघ्नसंतोषी ताकतों के कारण हमारे देश की अखण्डता, खण्डित हुई और अनेक पड़ोसी देश जैसे- बांगलादेश, पाकिस्तान, अफगानिस्तान आदि बन गए। हमारा अखण्ड भारत खण्ड-खण्ड हुआ। जो हम भारतीयों के लिए शोकग्रस्त व घातक भी बना। हमारे यहाँ लगभग 60 सालों में देश में प्रजातंत्र होने के बाद भी राजतंत्र जैसी स्थितियाँ दर्शनीय रही।

फिर देश के महापुरुषों ने एक ऐसे संघ को स्थापित किया जिससे देश सही मायने में संगठित होने की दिशा में बढ़ा। यहाँ वास्तविक एकता की भावना पर जोर दिया गया। जो भारत अपनी धर्म, भाषा, संस्कृति के महत्व को भूल सुप्तावस्था में जा रहा था उसे जागृत करने में संघ ने महती भूमिका का निर्वहन किया।

आज भारत की धर्म, संस्कृति का युवा पीढ़ी में पुन: उदय हो रहा है। जो नवचेतना से नवभारत का अप्रतीम उदाहरण बन रहा है। संघ के नियमों से जन-जन में देशभक्ति की भावना बढ़ रही है। संघ संविधान का आदर करते हुए गणतंत्र के सही मायने सिखा रहा है। उससे जनता संविधान में लिखित अपने अधिकारों के प्रति सजग हो रही है और वास्तविक लोकतंत्र के महत्व को जान रही है।

अब जो लहरे संघ विचारधारा के रूप में उठी है वह अपने क्रियाकलापों व देशसेवा भावना से अखण्ड भारत के सपने को साकार करने में लगी है। संघ द्वारा लोक संस्कृति को बलवती करने के लिए निरंतर प्रयास हो रहे है जिससे वह दिन भी दूर नहीं होगा जब हम पुन: विश्वगुरू बन विश्व का मार्ग दर्शन करेंगे।

अभी हमने चलना शुरू ही किया है तो देश प्रगति के मार्ग पर है। प्रतीक्षा है उस दिन की, कि जब हम दौड़े और विश्व आदर से हमारे पथ का अनुगमन करें।

अब अंत में इतना ही ....

'हम हमारे भारत वर्ष का सम्मान करते हैं,
सदा अपनी मातृभूमि का गुणगान करते हैं,
देवभूमि देश है जहाँ राम,कृष्ण जन्म लेते,
गर्व हमें, हम भू के स्वर्ग पर निवास करते हैं।'

भारतीय ध्वज संहिता से जानिए राष्ट्रीय ध्वज का महत्व और फहराने का तरीका

चक्र : इस धर्म चक्र को विधि का चक्र कहते हैं जो तीसरी शताब्दी ईसा पूर्व मौर्य सम्राट अशोक द्वारा बनाए गए सारनाथ मंदिर से लिया गया है। इस चक्र को प्रदर्शित करने का आशय यह है कि जीवन गतिशील है और रुकने का अर्थ मृत्यु है।

ध्वज संहिता : 26 जनवरी 2002 को भारतीय ध्?वज संहिता में संशोधन किया गया और स्वतंत्रता के कई वर्ष बाद भारत के नागरिकों को अपने घरों, कार्यालयों और फैक्टरी में न केवल राष्ट्रीय दिवसों पर, बल्कि किसी भी दिन बिना किसी रुकावट के फहराने की अनुमति मिल गई। अब भारतीय नागरिक राष्ट्रीय झंडे को शान से कहीं भी और किसी भी समय फहरा सकते हैं। बशर्ते कि वे ध्वज की संहिता का कठोरता पूर्वक पालन करें और तिरंगे की शान में कोई कमी न आने दें।

सुविधा की दृष्टि से भारतीय ध्वज संहिता, 2002 को तीन भागों में बांटा गया है। संहिता के पहले भाग में राष्ट्रीय ध्वज का सामान्य विवरण है। संहिता के दूसरे भाग में जनता, निजी संगठनों, शैक्षिक संस्थानों आदि के सदस्यों द्वारा राष्ट्रीय ध्वज के प्रदर्शन के विषय में बताया गया है। संहिता का तीसरा भाग केन्द्रीय और राज्य सरकारों तथा उनके संगठनों और अभिकरणों द्वारा राष्ट्रीय ध्वज के प्रदर्शन के विषय में जानकारी देता है।

26 जनवरी 2002 विधान पर आधारित कुछ नियम और विनियमन हैं कि ध्वज को किस प्रकार फहराया जाए

क्या करें

* राष्ट्रीय ध्वज को शैक्षिक संस्थानों (विद्यालयों, महाविद्यालयों, खेल परिसरों, स्काउट शिविरों आदि) में ध्वज को सम्मान देने की प्रेरणा देने के लिए फहराया जा सकता है। विद्यालयों में ध्वज आरोहण में निष्ठा की एक शपथ शामिल की गई है।

* किसी सार्वजनिक, निजी संगठन या एक शैक्षिक संस्थान के सदस्य द्वारा राष्ट्रीय ध्वज का अरोहण/प्रदर्शन सभी दिनों और अवसरों, आयोजनों पर अन्यथा राष्ट्रीय ध्वज के मान सम्मान और प्रतिष्ठा के अनुरूप अवसरों पर किया जा सकता है।

* नई संहिता की धारा 2 में सभी निजी नागरिकों अपने परिसरों में ध्वज फहराने का अधिकार देना स्वीकार किया गया है।

क्या न करें

* इस ध्वज को सांप्रदायिक लाभ, पर्दे या वस्त्रों के रूप में उपयोग नहीं किया जा सकता है। जहां तक संभव हो इसे मौसम से प्रभावित हुए बिना सूर्योदय से सूर्यास्त तक फहराया जाना चाहिए।

* इस ध्वज को आशय पूर्वक भूमि, फर्श या पानी से स्पर्श नहीं कराया जाना चाहिए। इसे वाहनों के हुड, ऊपर और बगल या पीछे, रेलों नावों या वायुयान पर लपेटा नहीं जा सकता।

* किसी अन्य ध्वज या ध्वज पट्ट को हमारे ध्वज से ऊंचे स्थान पर लगाया नहीं जा सकता है। तिरंगे ध्वज को वंदनवार, ध्वज पट्ट या गुलाब के समान संरचना बनाकर उपयोग नहीं किया जा सकता।

मेरा देश मेरी पहचान: कैसा देश चाहते हैं आप ?

भारत को सर्वगुण संपन्न देश बनाने के लिए एक ओर तो हमें विषमता व शोषण वाली ताकतों से संघर्ष करना होगा तथा साथ ही अपने जीवन को इन आदर्शों के अनुकूल बनाना होगा। आइए जानें 30 खास महत्वपूर्ण बातें...

(1) हम ऐसा देश चाहते हैं जिसमें सभी लोगों को भरपेट पौष्टिक भोजन मिले, साफ पेयजल मिले।

(2) सभी लोगों को सर्दी-गर्मी व बरसात से रक्षा करने वाले और सफाई की उचित व्यवस्था वाले घर और वस्त्र मिलें।

(3) सभी बच्चों को शिक्षा के उचित खुशहाल अवसर मिलें। जो अशिक्षित वयस्क लोग साक्षर होना चाहते हैं उन्हें साक्षरता के पर्याप्त अवसर मिलें।

(4) बुनियादी स्वास्थ्य सुविधाएं सब लोगों को उपलब्ध हों। दवा उद्योग मुनाफे पर आधारित न होकर जरूरतों पर आधारित हों। रोगों की रोकथाम व दुर्घटनाओं को कम करने को प्राथमिकता मिले।

(5) गरीब से गरीब व कमजोर से कमजोर व्यक्ति को आगे जाने का अवसर मिले। इतिहास के सैकड़ों वर्षों में जिनसे अन्याय हुआ है उन अनुसूचित जातियों व जनजातियों, अन्य बहुत पिछड़े वर्गों तथा महिलाओं को अधिक अवसर देने की विशेष व्यवस्था की जाए। छुआछूत को जड़ से समाप्त किया जाए। विकलांग व्यक्तियों को विशेष अवसर मिले व समाज उनकी जरूरतों पर ध्यान दें।

(6) गांवों व कृषि को प्राथमिकता दी जाए। गांवों के आत्मनिर्भर विकास पर जोर दिया जाए। सूखे, बाढ़ से अधिक प्रभावित रहने वाले या अन्य कारणों से अधिक गरीब गांवों पर विशेष ध्यान दिया जाए। गांव के जल, जंगल, जमीन, लघु खनिज आदि संसाधनों पर गांव का अधिकार हो। ग्रामसभा में सभी वयस्क गांववासियों की बराबर व सक्रिय जिम्मेदारी हो। गांव के जल, जंगल, मिट्टी, पत्थर पर आधारित सबको संतोषजनक आजीविका मिले, वे इन सब संसाधनों की रक्षा करें।

(7) समता व सादगी को आर्थिक-सामाजिक विकास का आधार बनाया जाए।

(8) बुनियादी उद्योगों, खाद्य, दवा आदि महत्वपूर्ण क्षेत्रों में देश की आत्मनिर्भरता सुनिश्चित की जाए।

(9) हवा, पानी को साफ रखने व प्रदूषण से बचाने के निष्ठावान प्रयास किए जाएं।

(10) जमीन का उपजाऊपन से बचाने, वनों व चारागाहों की रक्षा करने, हरियाली बढ़ाने, पानी का संरक्षण और संग्रह करने के विशेष प्रयास किए जाएं।

(11) जहां तक संभव हो विस्थापन वाली परियोजनाओं के विकल्प खोजे जाएं। जहां विस्थापन डाला न जा सके, वहां विस्थापितों से पूर्ण न्याय के बाद ही उन्हें हटाया जाए।

(12) भूमिहीन खेत मजदूरों को जमीन दी जाए। जिन किसानों की जमीन बहुत कम हो गई है, हो सके तो उन्हें भी जमीन दी जाए। ग्रामीण दस्तकारों के रोजगार की रक्षा हो। किसी भी कारखाने को बंद करना हो तो मजदूरों से पूर्ण न्याय हो। किसी को अचानक बेरोजगारी में न धकेला जाए।

(13) किसी को ऐसे कार्य करने के लिए मजबूर न होना पड़े जो उसके स्वास्थ्य व इज्जत पर आघात करें।

(14) छोटे शहरों व कस्बों के विकास पर अधिक ध्यान दिया जाए, जिससे महानगरों की झोपड़ियों व फुटपाथों पर रहने की मजबूरियों से लोग बचें। सभी शहरों के विकास में गरीब लोगों की जरूरतों का ध्यान रखा जाए। विलासिता व चमक-दमक के स्थान पर सफाई और बुनियादी जरूरतों को महत्व दिया जाए।

(15) अर्थव्यवस्था में हम गरीब देशों व विकासशील देशों में हो रहे बहुतरफा अन्याय का विरोध करें व विश्व शांति के लिए प्रयास करें। पड़ोसी देशों से संबंध अच्छे रखने का पूरा प्रयास करें, पर साथ ही किसी हमले या किसी आतंकवाद का सामना करने के लिए पूरी तरह से तैयारी में रहें।

(16) सभी तरह के हथियारों को कम करने व नाभिकीय हथियारों को पूरे विश्व में समाप्त करने के प्रयास करें।

(17) सभी धर्मों के अनुयायी अपने धर्म को मानने को स्वतंत्र हों पर किसी अन्य धर्म के विरुद्ध कुछ न कहें।

(18) सभी जीव-जंतुओं के प्रति करुणा की भावना विकसित हो। लोगों के सहयोग से लुप्त हो रहे जीव-जंतुओं की रक्षा की जाए। कृषि पशुओं व डेयरी पशुओं के प्रति कोई क्रूरता न हो। जहरीली दवाओं से पशु-पक्षी न मारे जाएं। शाकाहारिता को प्रोत्साहित किया जाए।

(19) सब तरह के नशे व धूम्रपान के विरुद्ध जन जागृति उत्पन्न की जाए।

(20) ऐसी नीतियां अपनाई जाएं जिनसे गांव-मोहल्ले के स्तर पर आपसी भाईचारा, परिवारों की एकता व प्यार बढ़े, बच्चों तथा वृद्धों का विशेष ख्याल रखा जाए। महिलाओं को गरिमामय स्थान मिले।